रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:79 | मंगलवार,25 नवम्बर | ₹5 | Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

जमशेदपुर डीसी सत्यार्थी से एसीबी ने की लंबी पूछताछ

संवाददाता

झारखंड में हुए शराब घोटाले के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की कार्रवाई जारी है। सोमवार को एसीबी ने इस सिलसिले में जमशेदपुर के उपायुक्त (डीसी) कर्ण सत्यार्थी से लंबी पूछताछ की। गौरतलब है कि कर्ण सत्यार्थी पूर्व में राज्य के उत्पाद आयुक्त के पद पर भी पदस्थापित रह चुके हैं। एसीबी ने पूछताछ के दौरान कर्ण सत्यार्थी से कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन जानकारी ली। अधिकारियों का मुख्य ध्यान इस बात पर था कि उत्पाद आयुक्त के तौर पर उन्होंने प्लेसमेंट एजेंसियों के खिलाफ क्या कदम उठाए थे। उत्पाद आयुक्त रहते हुए उन्होंने फजीवांड़े में शामिल प्लेसमेंट एजेंसियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की। क्या उन्होंने एजेंसियों द्वारा दी गई बैंक गारंटी की जांच कराई थी। अगर जांच नहीं कराई गई, तो इसके पीछे की वजह क्या थी।

आईआरसीटीसी घोटाला : मामले की सुनवाई कर रहे जज को बदलने की मांग

एजेंसी

पटना : बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज की कोर्ट में याचिका दायर कर आईआरसीटीसी घोटाले की सुनवाई कर रहे जज विशाल गोगने की अदालत से अपना केस किसी और जज के पास ट्रांसफर करने की अपील की है। राबड़ी ने मुकदमे में पक्षपात की आशंका जताई है। गोगने की अदालत में लालू यादव और राबड़ी देवी के परिवार से जुड़े चार मामले की सुनवाई चल रही है। 13 अक्टूबर को अदालत ने लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव समेत अन्य आरोपियों पर आरोप गठित किया था।

ऑपरेशन सिंदूर सशस्त्र बलों के तालमेल का बेहतर उदाहरण भारतीय सेना प्रमुख

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि सशस्त्र बलों की ताकत तालमेल में निहित है और ऑपरेशन सिंदूर इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। वे मुंबई में माहे श्रेणी के प्रथम पनडुब्बी रोधी उथले जल के युद्धपोत आईएनएस माहे के जलावतरण के मौके पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बहु-क्षेत्रीय परिचालन के युग में समुद्र की गहराई से लेकर ऊंचाई वाले सीमावर्ती क्षेत्रों तक एक साथ मिलकर कार्य करने की देश की क्षमता भारतीय गणराज्य के सुरक्षा प्रभाव को निर्धारित करेगी। इस मौके पर जनरल द्विवेदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर सशस्त्र बलों के तालमेल का बेहतर उदाहरण था। भारत ने अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर के तहत सैन्य कार्रवाई की थी।

धर्मेंद्र पंचतत्व में विलीन, अलविदा कहने पहुंचा पूरा बॉलीवुड

शांत हुए बॉलीवुड के 'शोले'!

बॉलीवुड के ही-मैन कहे जाने वाले दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने 89 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया। उन्होंने 'सत्यकाम से लेकर 'शोले' तक 300 से ज्यादा फिल्मों में काम करके मनोरंजन जगत में एक अलग मुकाम हासिल किया। उनका अंतिम संस्कार विले पार्ले श्मशान भूमि में हुआ, जिसमें अमिताभ बच्चन, आमिर खान, सलमान खान, संजय दत्त समेत कई सेलेब्स पहुंचे।

जन्म 8 दिसंबर 1935

निधन

24 नवंबर 2025

धर्मेंद्र ने 89 की उम्र में ली आखिरी सांस

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, शाह, राहुल समेत दिग्गज नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

बॉलीवुड, खेल जगत के अलावा देशभर ने जताया शोक

एजेंसी

मुबई:धर्मेंद्र पिछले कुछ वक्त से बीमार थे और मुंबई के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। परिवार ने इस महीने की शुरूआत में घर पर ही उनका इलाज जारी रखने का निर्णय लिया था। वह आठ दिसंबर को 90 वर्ष के हो जाते। उनका फिल्मी करियर 65 वर्षों का रहा। पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि धर्मेंद्र का आज सुबह निधन हो गया और मुंबई के विले पार्ले उपनगर स्थित पवन हंस श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। धर्मेंद्र के जुहू स्थित आवास से एक एंबुलेंस और कई कार रवाना हुई तथा हेमा मालिनी, एशा देओल, आमिर खान, अमिताभबच्चन और अभिषेक बच्चन को श्मशान घाट पर देखा गया। अक्षय कुमार, अजय देवगन और करण जौहर समेत कई मशहूर फिल्मी हस्तियों ने सोमवार को धर्मेंद्र को बद्धांजलि दी और उन्हें भारतीय सिनेमा का एक सितारा खामुश होगया।

लंबे समय से बीमार थे धर्मेंद्र

8 दिसंबर 1935 को जन्मे धर्मेंद्र कुछ दिला पहले बीच कैडों अस्पताल में भर्ती थे। कई दिनों तक जस्पताल में इलाज चला। इसके बाद उनका इलाज घर पर ही किया जाने लता। लेकिन वक्त के सथ तबीयत नहीं सुधरी और आज सोमवार याली 24 अकार 2025 को धर्मेंद्र का निधन हो गया। धरम सिंह देओल असली नामपांजाब में 1935 में जबसे धर्मद्र का असली नाम धरम सिंह देओल था और उनका फिल्मी करियर छह दशक से ज्यादा का रहा, जिसमें उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में काम किया। उन्होंने शोले छुपके-चुपके सत्यकाम, अनुपमा सीता और गीता जैसी कई हिट फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं निमाई। धर्मव के परिवार में उनकी परची प्रकाश कौर, हेमा मालिनी, बेटे सनी और बॉडी देओल तथा बेटियां विजेता अजीता, एशा और अहाना है।

आखिरी फिल्म होगी 'इक्कीस'

89 साल की उम्र में भी धर्मेद एक्टिंग में सक्रिय थे। अमिताभ बच्चन के माती अगस्त्य नंदा की आगामी फिल्म इक्कीस इस विजाज अभिनेता की आखिरी फिलम होगी। फिल्म इक्कीस की कहानी एक यंग आर्मी ऑफिसर अरुण खेतरपाल की है। महज 21 साल की उना में देश के लिए इस सैन्य अधिकारी ने बलिदान दिया था। फिल्म में अभिनेता धर्मेद ने आमी अफिसर के पिता का किरदार निभाया।

भारतीय सिनेमा के लिए बड़ी क्षति : मुर्मु

राष्ट्रपति दौपदी मुर्मू जे उनके निकाल पर दुख जताते हुए एकस पर फेस्ट किया और पूर्व सांसद धर्मेंद्र जी का विधान भारतीय सिकेगा के लिए एक बड़ी क्षति है।

अपूरणीय क्षति : राधाकृष्णन

उप राष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने एक्स पर पोस्ट किया पूर्व सांसद एवं दिठमाज अभिनेता धर्मेंद्र जी का ध्धन भारतीय सिनेमा के लिए एक अपूरणीय इति है। नाखों लोगों के लिए एक आदर्श के रूप में उन्होंने अपने उल्लेखनीय अभिनय और कला के प्रति दूद समर्पण के माध्यम से भारतीय सिनेमा को समृद्ध किया।

भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने धजेंद्र को एक प्रतिष्ठित पत्रपती शरियत और एक अद्भुत अभिनेत के रूप में याद करते हुए कहा कि उनके स्केब में एक युग का अत हो गया। उन्होंने स्वस पर एक पोस्टी में कहा. धर्मेद जी का निधन गारतीय उनेमा के एक युग का अंत है।

सदैव हमारे बीच रहेंगे: शाह

गृह मंत्री शाह ने कहा कि धर्मेंद्र ने अपनी फिल्मों के माध्यम से करोड़ों लोलों का दिल जीता तथा अपले अभिनय की बदौलत सदैव हमारे बीच

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दुमका एयरपोर्ट पर बने झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट का किया उद्घाटन, बोले

संथाल से खींची गई विकास की लकीर रांची और दिल्ली तक पहुंचेगी

संवाददाता

दुमका : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दुमका एयरपोर्ट पर बने झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट का उद्घाटन किया। इस मौके पर सीएम ने लोगों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। दुमका में विभिन्न विभागों की 190.647 करोड़ रुपये की 12 योजनाओं का उद्घाटन एवं 123.48 करोड़ रुपये की 14 योजनाओं की आधारशिला रखी। साथ ही 23 लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर झारखंड विकास के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है। संथाल परगना से खींची गई विकास की लकीर अब राजधानी रांची तक फैलेगी। यह सिर्फ भौगोलिक विस्तार नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है। आने वाले समय में यह फ्लाइंग इंस्टीट्यूट राज्य के युवाओं के सपनों को साकार करने के साथ-साथ झारखंड को विमानन प्रशिक्षण के क्षेत्र में देशभर में एक विशिष्ट पहचान दिलाएगा। वर्ष 2008 में जिसकी आधारशिला रखी गई थी,

फ्लाइंग इंस्टीट्यूट राज्य के युवाओं के सपनों को करेगी साकार

- बाबा दिशोम गुरु के सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : हेमंत
- पहले चरण में 30 पायलटों को दिया जाएगा प्रशिक्षण
- सीएम ने परिसंपत्तियों का किया वितरण
- विभिन्न विभागों की 190 .647 करोड़ की 12 योजनाओं का उद्घाटन
- सीएम ने 123 .48 करोड़ की 14 योजनाओं की रखी आधारशिला
- सीएम ने किया निरीक्षण

उस फ्लाइंग इंस्टीट्यूट ने आज अपने सपनों के पंख खोल दिए हैं। यह सिर्फ एक संस्थान नहीं बल्कि बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण से जुड़ी हर बारीकी को गहराई से समझा। उन्होंने स्वयं प्रशिक्षुओं और कैप्टन के साथ मिलकर विमानन प्रशिक्षण की तकनीकों, उपकरणों और ट्रेनिंग के हर पहलू का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान विमानन सुरक्षा, पायलटों को दी जाने वाली कड़ी थ्योरी कक्षाओं, सिम्युलेटर ट्रेनिंग, फ्लाइट ऑपरेशंस और आपात स्थितिप्रबंधन की विधियों को भी देखा।मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इस फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के माध्यम से पहले चरण में 30 पायलटों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इनमें से 15 पायलटों के प्रशिक्षण का पूरा खर्च राज्य सरकार स्वयं वहन करेगी। इससे झारखंड के युवाओं को न केवल उच्चस्तरीय विमानन प्रशिक्षण मिलेगा, बल्कि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान राज्य सरकार ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए ।

हेमंत सरकार उठाएगी 15 पायलटों के प्रशिक्षण का पूरा खर्च

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इस फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के माध्यम से पहले चरण में 30 पायलटों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इनमें से 15 पायलटों के प्रशिक्षण का पूरा खर्च राज्य सरकार स्वयं वहन करेगी। इससे झारखंड के युवाओं को न केवल उच्चस्तरीय विमानन प्रशिक्षण मिलेगा, बल्कि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान राज्य सरकार ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए हवाई जहाज से हजारों प्रवासी श्रमिकों को उनके घर सुरक्षित वापस लाया था। आज, उन्हीं श्रमिक परिवारों के बेटों और बेटियों में से पायलट और विमान इंजीनियर तैयार करने की दिशा में ठोस कदम उठाया जा रहा है। यह बदलाव की वह कहानी है जो झारखंड की नई उड़ान का संकेत दे रही है।

व्यापार | **भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में झारखंड पवेलियन की खास झलकियां**

परंपरागत पैतकर और सोहराय कला और खादी बने आकर्षण के केंद्र

संवादाता

रांची/नई दिल्ली। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में झारखंड पैवेलियन इस वर्ष कला, संस्कृति और कारीगर सशक्तिकरण का सबसे प्रभावशाली केंद्र बनकर उभर रहा है। झारखंड पैवेलियन में आज उद्योग सचिव-सहस्थ ानिकआयुक्त अरवा राजकमल ने सभी स्टॉलों का अवलोकन किया, उनकी सराहना की और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। पवेलियन में प्रदर्शित राज्य की समृद्ध लोककलाएँ, विशेषकर पैतकर और सोहराय कला और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाले सरकारी प्रयासों ने देशभर से आए दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित

किया है। पारंपरिक पैतकर और सोहराय कला झारखंड की विरासत झारखंड सरकार एवं मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड की निरंतर पहल के कारण पैवेलियन में पारंपरिक पैतकर और सोहराय कला की विरासत को जिस तरह जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है, वह बड़ी संख्या में विज़िटर्स के लिए प्रमुख आकर्षण बना हुआ है।पैवेलियन में प्रदर्शित सोहराय, कोहबर , जादोपटिया और पैतकर पेंटिंग्स न केवल राज्य की सांस्कृतिक पहचान को दशार्ती हैं, बल्कि स्थानीय कारीगरों की पीढ़ियों पुरानी कलाओं को नए बाजार अवसरों से भी जोड़ रही हैं। पैतकर कला, सिंहभूम की विशिष्ट कथात्मक शैली, सिंदूर, गेरू और खनिज रंगों से पुनर्नवीनीकृत कागज पर बनाई जाती है। इसके प्रमुख विषय लोककथाएँ, जीवनझमरण चक्र, जन्म वृत्तांत और कृष्ण लीला हैं। स्टॉल संचालक गणेश गायन व जंतु गोपे बताते हैं कि रंग पत्थर को चंदन की तरह घिसकर तैयार किए जाते हैं, जिनमें प्राकृतिक पेंट, नीम और बबूल का गोंद मिलाया जाता है, झारखंड के युवाओं को न केवल उच्चस्तरीय विमानन प्रशिक्षण मिलेगा, बल्कि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान राज्य सरकार ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए ।

सोहराय कोहबर पेंटिंग विश्व-प्रसिद्ध

झारखंड की विश्व-प्रसिद्ध सोहराय कोहबर पेंटिंग, अपनी विशिष्टरेखाओं, बिंदुओं और पशु आकृतियों के लिए जानी जाती है। प्राचीन शैल चित्रों के लिए प्रसिद्ध इसको गुफा में सोहराय कोहबर पेंटिंग की कड़ियां मौजूद हैं। वर्ष 2020 में इस कला को जीआई टैग प्रदान किया गया, जिससे इसकी पारंपरिक पहचान को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर नई मान्यता मिली। हाल के वर्षों में कोहबर कला का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। पारंपरिक दीवारों से निकलकर यह कला अब वस्त्रों, होम डेकोर और लाइफस्टाइल उत्पादों परबड़े पैमाने पर अपनाई जा रही है, जिससे स्थानीय कारीगरों को नए बाजार और पहचान मिल रही है। स्टॉल संचालक सन्तु कुमार ने बताया कि सोहराय कला की सबसे खास बात इसके प्राकृतिक रंग हैं,

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में ली शपथ

एजेंसी

नई दिल्ली : न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने न्यायमूर्ति बीआर गवई का स्थान लिया, जिनका कार्यकाल 23 नवंबर को समाप्त हुआ। न्यायमूर्ति सूर्यकांत 9 फरवरी, 2027 तक लगभग 14 माह से अधिक समय तक मुख्य न्यायाधीश रहेंगे। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा - न्यायमूर्ति सूर्यकांत के भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुआ। उनके सफल कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं।

मुख्यमंत्री ने मुरगुनी में सिद्धेश्वरी नदी पर निमार्णाधीन मसलिया-रानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना की कार्य प्रगति का किया निरीक्षण

हर खेत तक पानी पहुंचे, इसी सोच के साथ सिंचाई सुविधाओं का कर रहे विस्तार : हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री ने इस मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के शेष बचे कार्यों को अतिशीघ्र पूरा करने का दिया निर्देश

मुख्यमंत्री ने कहा - मसलिया - रानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना बहुउपयोगी होगी साबित, सिद्धेश्वरी नदी के पानी का होगा पूर्ण सदुपयोग

रांची, संवाददाता ।

हर खेत तक पानी पहुंचे, इसी संकल्प के साथ मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन राज्यभर में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। इस कड़ी में आधुनिक तकनीक आधारित कई मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं की जो नींव रखी गई है, उसमें एक अति महत्वपूर्ण योजना है- मसलिया - रानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना। मुख्यमंत्री ने आज दुमका जिला अंतर्गत रानेश्वर प्रखंड के मुरगुनी में सिद्धेश्वरी नदी पर निमार्णाधीन मसलिया - रानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना का निरीक्षण किया और कार्य प्रगति की पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान विधायक श्री आलोक कुमार सोरेन, मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार और सचिव श्री प्रशांत कुमार भी मौजूद थे।

तय समय सीमा में पूरी हो परियोजना

मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के क्रम में कहा कि यह मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना दुमका के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इससे इस जिले की मसलिया और रानेश्वर प्रखंड के 22 हजार हेक्टेयर से ज्यादा भूमि पर सिंचाई की सुविधा पहुंचाई जानी है। ऐसे में इस मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के शेष बचे कार्यों को शीघ्र पूरा करें, ताकि किसानों को यह समर्पित कर सकें।

पानी का पूर्ण सदुपयोग हो

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मसलिया- रानेश्वर मेगा सिंचाई परियोजना की योजना को इस तरह से धरातल पर उतारा जा रहा है ताकि यह बहुउपयोगी साबित हो। इससे जहां एक बड़े इलाके में पटवन की सुविधा उपलब्ध होगी, वहीं नदी में ज्यादा पानी होने पर उसे तालाबों और जलाशयों में भी डाइवर्ट किया जा सकेगा। इसके चालू होने से यहां पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। ऐसे में इस मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के जरिए सिद्धेश्वरी नदी के जल का पूरा सदुपयोग करने की जिस सोच के साथ राज्य सरकार ने यह योजना बनाई है, वह हकीकत में पूरी होनी चाहिए।

निर्माण कर रही कंपनी ने कहा - लगभग 80 प्रतिशत काम हो चुका है पूर्ण

मसलिया - रानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना का निर्माण कर रही एल. एंड टी. कंपनी के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस परियोजना का लगभग 80 प्रतिशत काम पूर्ण हो चुका है। इसके तहत एक बैराज बनाया जा रहा है, जो लगभग तैयार है। जबकि कुल 15 गेटों का भी 90 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है । वहीं, तीन पंप हाउस में एक पूर्ण हो चुका है और दो का कार्य प्रगति पर है। इसके साथ इसमें पांच डिलीवरी चैंबर बनाए जा रहे हैं, जिसमें तीन पूरे हो चुके हैं जबकि दो चैंबर भी बहुत जल्द पूरा हो जाएगा। मुख्यमंत्री को उन्होंने बताया कि अगले वर्ष जनवरी तक लगभग 6400 हेक्टेयर भूमि पर भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से सिंचाई की सुविधा शुरू कर दी जाएगी।

22,283 हेक्टेयर भूमि में पटवन के लिए पहुंचेगा पानी

मसलिया - रानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना राज्य सरकार की एक अति महत्वाकांक्षी योजना है। सिद्धेश्वरी नदी पर बन रही इस मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के जरिए मसलिया प्रखंड के 15 पंचायत और रानेश्वर प्रखंड के चार पंचायत के अंतर्गत आने वाले 226 गांवों के 22,283 हेक्टेयर भूमि में भूमिगत पाइपलाइन के जरिए पटवन की सुविधा उपलब्ध होगी।

झारखंड में जनगणना की तैयारी: सीएम ने जिला से लेकर ग्राम पंचायत के सीमाओं के परिवर्तन पर लगाई पाबंदी

रांची, संवाददाता ।

जनगणना को लेकर झारखंड सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी है. इसको लेकर सीएम ने जिला से लेकर ग्राम पंचायत के सीमाओं के परिवर्तन पर पाबंदी लगा दी है. 1 मार्च 2027 से शुरू हो रहे जनगणना को लेकर आज सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जनगणना अधिनियम 1948 के तहत जनगणना नियम 1990 के नियम-8 (५) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत की जनगणना- 2027 के लिए झारखंड राज्य की सभी प्रशासनिक इकाइयों यथा, जिला/ अनुमण्डल/ प्रखण्ड/ नगर निगम/ नगर परिषद/ नगर पंचायत/छावनी परिषद/ वार्ड/ पंचायत/ ग्राम आदि के प्रशासनिक क्षेत्राधिकार की सीमाओं में दिनांक-01.01.2026 से 31.03.2027 तक किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किए जाने का निर्देश दिया है. इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने क्षेत्राधिकार की सीमाओं में 31.12.2025 तक हुए परिवर्तनों से संबंधित सूचना एवं वांछित अधिसूचना निदेशक जनगणना कार्य निदेशालय झारखंड रांची को अग्रसारित किए जाने का निर्देश दिया है. सीएम के इस निर्देश को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने जारी किया है.

केंद्र ने जनगणना की संदर्भ 1 मार्च 2027 तय की

गृह मंत्रालय द्वारा कुछ महीने पहले जारी अधिसूचना के अनुसार जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और 26 मार्च, 2018 को गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना को निरस्त करते हुए, भारत सरकार ने घोषणा की है कि भारत की जनसंख्या की जनगणना वर्ष 2027 के दौरान की जाएगी. जनगणना की संदर्भ तिथि 1 मार्च, 2027 तय किया गया है. हालांकि केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के हिमपात प्रभावित गैर-सामयिक क्षेत्रों और हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड राज्यों के लिए जनगणना की संदर्भ तिथि 1 अक्टूबर, 2026 तय की गई है. इस बार जनगणना डिजिटल माध्यम से मोबाइल ऐप के जरिए की जाएगी. जिसमें नागरिकों के लिए स्वयं-गणना की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी. सरकार के द्वारा डेटा संग्रहण, प्रसारण और भंडारण के दौरान डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत कठोर सुरक्षा उपाय किए जाएंगे. इस जनगणना में पहली बार जातिगत गणना भी की जाएगी. इस कार्य में 34 लाख गणनाकर्मी और पर्यवेक्षक तथा लगभग 1.3 लाख जनगणना कर्मचारियों के शामिल होने की संभावना है. जनगणना दो चरणों में की जाएगी.

डीएसपीएमयू में फीस वृद्धि के खिलाफ छात्रों का उग्र आंदोलन, 6वें दिन भी जारी तालाबंदी

रांची, संवाददाता ।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कॉमर्स विभाग में फीस वृद्धि के विरोध में छात्रों का आक्रोश लगातार बढ़ता ही जा रहा है. सोमवार को आंदोलन के छठे दिन भी अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ तालाबंदी कर जोरदार धरना-प्रदर्शन जारी रखा. छात्रों का आरोप है कि वे कई महीनों से बढ़ाई गई फीस में कटौती और विभाग में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी समस्याओं पर ध्यान देने के लिए तैयार नहीं. छात्रों का कहना है कि न तो फीस कम की गई है और न ही विभाग में आवश्यक सुविधाओं में किसी प्रकार का सुधार किया गया है. प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने यह भी साफ कर दिया है कि जब तक कुलपति स्वयं आकर फीस घटाने का आदेश नहीं देते, तब तक आंदोलन किसी भी कीमत पर वापस नहीं लिया जाएगा. छात्रों को समझाने के लिए पुलिस प्रशासन भी कैंपस पहुंचा, लेकिन छात्रों ने कुलपति के अलावा किसी और से बात करने से इनकार कर दिया. इसी दौरान स्थिति तब गंभीर हो गई, जब एक प्रदर्शनकारी छात्र की तबियत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उसे तत्काल आरपीएस अस्पताल ले जाया गया. छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप लगाया कि कैंपस में फर्स्ट-एड की बुनियादी सुविधा तक उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण साथी छात्र को प्राइवेट कार से अस्पताल पहुंचाना पड़ा. फीस वृद्धि को लेकर छात्रों का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा.

एआईसीसी की तर्ज पर झारखंड में होगी जीपीसीसी और बीएलए की नियुक्ति, एसआईआर को लेकर कांग्रेस ने कसी कमर

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में मतदाता सूची का एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) का काम शुरू नहीं हुआ है लेकिन ज्यादातर राजनीतिक दलों का नेतृत्व यह मान चुका है कि झारखंड में भी एसआइआर के लिए किसी भी समय निर्वाचन आयोग निर्देश दे सकता है. झारखंड में सत्ताधारी गठबंधन का दूसरा दल यानी कि कांग्रेस ने रक्फ को लेकर अपने स्तर पर तैयारियां शुरू भी कर दी है.

जीपीसीसी गठन के लिए संगठन प्रमुख की नियुक्ति

झारखंड कांग्रेस ने इसके लिए पहली बार ग्राम पंचायत स्तर पर संगठन को तैयार करने के उद्देश्य से 15 दिसंबर तक जीपीसीसी गठित करने के साथ-साथ हर बूथ पर बीएलए फार्म-2 भरकर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है. झारखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने जीपीसीसी गठित करने के लिए राज्य स्तर पर जीपीसीसी संगठन प्रमुख की भी नियुक्ति की है. प्रदेश स्तर पर बनने वाले जीपीसीसी के झारखंड सांगठनिक प्रभारी सूर्यकांत शुक्ला बताते हैं कि झारखंड में 15 दिसंबर तक सभी ग्राम पंचायत में जीपीसीसी गठित करने के साथ साथ हर बूथ पर कांग्रेस का एजेंट नियुक्त होगा.

एसआईआर के दौरान हर बूथ पर तैनात होगा कांग्रेस का बीएलए

झारखंड जीपीसीसी के संगठन प्रमुख सूर्यकांत शुक्ला कहते हैं कि 15 दिसंबर तक सभी ग्राम पंचायत में जीपीसीसी के गठन के साथ-साथ बीएलए की नियुक्ति कर ली जाएगी. उन्होंने आगे बताया कि लोहरदगा, पाकुड़, गुमला, सिमेडगा में जीपीसीसी गठित कर ली गई है जबकि 10 जिलों में जीपीसीसी गठन की प्रक्रिया चल रही है. सूर्यकांत कहते हैं कि 10 जिलों में जीपीसीसी गठन की प्रक्रिया धीमी है और उसे तेज करने के प्रयास हो रहे हैं. कांग्रेस झारखंड में संगठन सृजन वर्ष में अपने संगठन को ग्रासरूट तक मजबूत कर रही है. हमारी कोशिश है कि झारखंड के हर वोटिंग बूथ पर पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता की मौजूदगी होनी चाहिए. इसे पूरा करने में जीपीसीसी और बीएलए अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

झारखंड के सरकारी विद्यालयों में परीक्षा व्यवस्था चरमराई : बाबूलाल

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि राज्य के सरकारी विद्यालयों में परीक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है. बेहद शर्मनाक है कि शैक्षणिक सत्र शुरू हुए आठ महीने हो चुके हैं, लेकिन अब तक एक भी कक्षा की परीक्षा नहीं हो पाई है. सवाल यह है कि यदि परीक्षाएं नहीं हुई तो बच्चे अगले कक्षा में प्रोन्नत कैसे होंगे? बिना परीक्षा के बच्चों का मूल्यांकन कैसे होगा? सरकार जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षा आयोजित करने में फिसड्डी है ही, लेकिन स्कूलों में परीक्षा न करा पाना सरकार की सबसे बड़ी नाकामी है, जिसका खामियाजा 45 लाख बच्चों को भुगतना पड़ेगा. सीएम से कहा कि अगर आपको शिक्षा विभाग की समीक्षा करने का समय नहीं मिल पा रहा है, तो बेहतर होगा कि इसकी जिम्मेदारी किसी सक्षम मंत्री को सौंप दें. आपके बच्चे तो महंगे निजी स्कूलों में बेहतरीन शिक्षा पा लेंगे, लेकिन गरीब परिवारों के लाखों बच्चे आपके नाकामी का बोझ उठाने को मजबूर हैं.

तोलोग सिकि लिपि के जनक डॉ नारायण उरांव को पद्मश्री देने की उठी मांग

रांची, संवाददाता ।

ट्राईबल एवेयरनेस मैनजमेंट टीम धुमकुड़िया के तत्वाधान में कोटवार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ. इसमें लातेहार, लोहरदगा, रामगढ़, गुमला समेत विभिन्न जिलों से लोग पहुंचे थे. इस दौरान कुडुख भाषा के तोलोड़ सिकी लिपि बनाने की प्रस्ताव को आभार जताया. इनके जनक डॉ नारायण उरांव को पद्मश्री देने की मांग की गई. कार्यक्रम की शुरूआत सरना प्रार्थना से शुरू हुई. संचालन फूलदेव भगत ने किया. मुख्य वक्ता साहित्यकार महादेव उरांव, दर्शनशास्त्र प्रोफेसर डॉ अभय सागर मिंज,लॉ कोलेज का प्रोफेसर रामचद्र उरांव शामिल थे.

कोटवार प्रशिक्षण को बड़े स्तर पर करने की जरूरत- महादेव टोप्पो

साहित्यकार महादेव टोप्पो ने कहा कि कोटवार प्रशिक्षण को राज्यभर में करने की जरूरत है. तभी आदिवासी संस्कृति को बचाया जा सकता है. कोटवार आदिवासी संस्कृति की हिस्सा है. ये पाहन का सहयोगी होता है. गांव का मुख्य कार्यक्रम को लोगों तक पहुंचाने का कार्य करता है. धुमकुड़िया संचालन के लिए लोगों को अवगत कराया गया. स्वरोजगार से जोड़ने का पहल किया गया ताकि आने वाली पीढ़ी को आधुनिक तरीकों से शिक्षा के माध्यम से जोड़ा जा सके.मौके पर डॉ अभय सागर मिंज अजय केरकेट्टा, शिवशंकर उरांव, ब्रज किशोर बेदिया, रवि कुमार तिर्की, डॉ विनीत कुमार भगत, सरिता उरांव और टाना भगत अतिथि गृह हॉल बनहोरा, रांची के संयोजक जर्नाधन टाना भगत, सुरेश उरांव ने किए.

झारखंड में नगर निकाय चुनाव पर झामुमो और कांग्रेस का बयान, बोले-

पिछड़ों के आरक्षण के साथ इस तारीख से पहले करा लिए जाएंगे चुनाव

रांची, संवाददाता ।

रांची। प्रदेश में लंबे समय से लंबित शहरी निकाय चुनाव को लेकर सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई. पूर्व वार्ड पार्षद रोशनी खलखो द्वारा दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रस्तुत की गई दलील पर झामुमो और कांग्रेस के नेताओं ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि झारखंड में चल रही महागठबंधन की सरकार, पिछड़े समुदाय को आरक्षण देने के साथ नगर निकाय चुनाव कराने के लिए कृत संकल्पित है.

ओबीसी के ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी

झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही महागठबंधन सरकार ने शहरी निकाय चुनाव से पहले ओबीसी आरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी तैयारियां कर ली हैं. ओबीसी के ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है. केंद्रीय समिति सदस्य मनोज पांडेय ने बताया कि अगर सब कुछ सामान्य रहा तो 30 मार्च 2026 तक राज्य के सभी नगर निकाय में चुनाव करा लिए जाएंगे.

विपक्ष की वजह से चुनाव में हुई देरी: कांग्रेस

झारखंड के 48 शहरी नगर निकाय चुनाव को लेकर झारखंड उच्च न्यायालय में हुई सुनवाई. सुनवाई के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा दी गई दलील पर प्रतिक्रिया देते कांग्रेस के प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि हमारी सरकार शुरू से ही जल्द चुनाव कराने के पक्ष में रही है लेकिन विपक्ष लगातार अड़चन डालता रहा. कांग्रेस के प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि हमने ट्रिपल टेस्ट कराकर और आरक्षण रोस्टर बनाकर राज्य निर्वाचन आयोग को सौंप दिया है. अब निर्वाचन आयोग जल्द से जल्द चुनाव कराएगा.

इरफान अंसारी ने मीडिया रिपोर्ट पर जताई आपत्ति, फर्जी बीएलओ पर की सख्त कार्रवाई की मांग

रांची, संवाददाता ।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने अपनी एक फेसबुक पोस्ट के गलत अर्थ निकाले जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि कुछ मीडिया संस्थानों ने उनके कथनों को गलत संदर्भ में प्रस्तुत किया, जिसकी वह कड़े शब्दों में निंदा करते हैं. डॉ अंसारी ने अपने संदेश में स्पष्ट किया कि उन्होंने केवल इस मुद्दे को उठाया था कि क्षेत्र में कुछ कथित फर्जी लोग इछड बनकर गरीब नागरिकों को डराने और पैसे वसूलने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति नाम काटने या किसी प्रकार का अवैध कार्य करता पाया जाए तो तत्काल इसकी सूचना प्रशासन को दी जानी चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि इछड सम्मानित पदाधिकारी होते हैं और वे चुनाव आयोग के अंग हैं. उनकी जगह कोई भी फर्जी व्यक्ति कार्य नहीं कर सकता. उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की है कि वह प्रक्रिया सही तरीके से संचालित करे ताकि किसी गरीब, वंचित या सामान्य नागरिक का नाम गलत तरीके से न काटा जाए. डॉ अंसारी ने आगे कहा कि किसी भी प्रस्ताव का प्रभाव झारखंड की करोड़ों जनता पर पड़ सकता है, इसलिए जनता की आवाज और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा बेहद आवश्यक है. उन्होंने दोहराया कि वह हमेशा लोकतंत्र, संविधान और जनता के अधिकारों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं.

वन भूमि व जमीन घोटाले में फंसे निलंबित आईएएस विनय चौबे, रिमांड पर हजारीबाग ले गई एसीबी

रांची, संवाददाता ।

निलंबित भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी विनय कुमार चौबे की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं. शराब घोटाले में गिरफ्तारी के बाद अब वह जमीन और वन भूमि घोटाले के मामलों में घिर गए हैं. एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) हजारीबाग की टीम सोमवार को उन्हें पुलिस रिमांड पर लेकर हजारीबाग ले गई. विनय कुमार चौबे, जो फिलहाल रिम्स के मेडिकल वार्ड में भर्ती थे, उन्हें एसीबी की टीम ने वहीं से रिमांड पर लिया है. एसीबी ने उन्हें वन भूमि घोटाले से जुड़े एक मामले में पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है.

वन भूमि घोटाले में नामजद आरोपी

विनय चौबे पर यह कार्रवाई एसीबी हजारीबाग थाने के कांड संख्या 11/25 के तहत दर्ज प्राथमिकी के सिलसिले में हुई है. यह प्राथमिकी 25 सितंबर को दर्ज की गई थी. इस मामले में हजारीबाग के तत्कालीन डीसी निलंबित विनय कुमार चौबे के अलावा, उनके करीबी माने जाने वाले नेक्सजेन ऑटोमोबाइल के संचालक विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह को भी नामजद आरोपी बनाया गया है.

लगातार बढ़ रही हैं मुश्किलें

निलंबित आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं. शराब घोटाले में गिरफ्तारी के बाद, वे अब जमीन घोटाले में जेल में हैं. एसीबी ने खासमहाल जमीन घोटाला और वन भूमि घोटाले में भी प्राथमिकी दर्ज की है, जिसमें चौबे आरोपी हैं. इसके अतिरिक्त, आय से अधिक संपत्ति का मामला भी दर्ज किया गया है, साथ ही 24 नवंबर को विनय चौबे के खिलाफ एक और प्राथमिकी दर्ज की है. इस नई प्राथमिकी में उनके रिश्तेदारों और दोस्त विनय सिंह समेत सात लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है. प्राथमिकी में भ्रष्टाचार करने और इसके जरिये अकूत संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगाए गए हैं.

खादी मेला 21 दिसंबर से, स्टॉल बुकिंग के रेट तय, 20 से 50 हजार तक के स्टॉल होंगे उपलब्ध

रांची, संवाददाता ।

झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड एवं ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय खादी, हस्तशिल्प एवं सरस महोत्सव 2025-26 का आयोजन 21 दिसंबर को राजधानी के मोरहाबादी मैदान में होगा. यह मेला छह जनवरी 2026 तक चलेगा. इसके लिए ऑनलाइन स्टॉल रजिस्ट्रेशन पांच दिसंबर तक होगा. इस महोत्सव में क्वीआइसी के द्वारा पंजीकृत खादी संस्था एवं खादी बोर्ड से पंजीकृत संस्थाओं को स्टॉल आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी. इसके लिए आवश्यक प्रमाण पत्र आवेदन के साथ जमा करना अनिवार्य होगा.

कितने में होगी किस तरह के स्टॉल की बुकिंग

- जेनरल स्टॉल - 40 हजार
- फ्रंट स्टॉल - 50 हजार
- सरकारी स्टॉल - 50 हजार
- फूड स्टॉल - 50 हजार
- ओपेन एरिया (कारपेट, क्रॉकरी, फर्नीचर) - 40 हजार
- दूसरे राज्य के खादी संस्था के लिए स्टॉल - 20 हजार

क्या है नियम व शर्तें

एक रजिस्ट्रेशन पर केवल एक ही स्टॉल दिया जायेगा.

स्टॉल की राशि का पूर्ण भुगतान के बाद ही स्टॉल आरक्षित किया जायेगा.

आवेदन फॉर्म में जिस व्यक्ति की विवरणी जैसे - व्यक्ति का नाम, आधार संख्या, मोबाइल नंबर और फोटो उपलब्ध कराया गया है, उसी व्यक्ति को उस महोत्सव में स्टॉल पर उपस्थिति अनिवार्य होगी. किसी अन्य व्यक्ति को उक्त स्टॉल पर पाए जाने की स्थिति में उसी समय आवंटित स्टॉल को तत्काल प्रभाव में रद्द कर दिया जाएगा.

महोत्सव में जिन प्रतिभागियों व संस्थाओं को स्टॉल आवंटित किए जाएंगे, उसी संस्था के द्वारा स्टॉल में, वही सामग्री बिक्री की जायेगी जो उनके द्वारा जमा किए गए फॉर्म में अंकित होगा. जांच के क्रम में यदि स्टॉल पर किसी अन्य संस्था व व्यक्ति द्वारा अन्य सामग्री बेची जाती है तो तत्काल प्रभाव से आवंटन रद्द कर दिया जाएगा एवं शुल्क के अतिरिक्त 10 हजार रुपए दंड वसूला जाएगा. साथ ही उनकी संस्था को ब्लैक लिस्ट करते हुए आगामी मेले में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा.

स्टॉल आवंटन में अंतिम निर्णय झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के पास सुरक्षित रहेगा.

53 वें नए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को बधाई, वक्फ के विरूध बनाए गए काले कानुन को निरस्त होनी की है उम्मीद. एदार ए शरीया झारखण्ड

- झारखंड पवेलियन में प्रदर्शित रांची स्मार्ट सिटी मॉडल बना आकर्षण काकेंद्र
- रांची को शिक्षा और कौशल विकास का नया केंद्र बनाने की तैयारी तेज

संवाददाता । रांची

रांची:- अंरतराष्ट्रीय उलेमा तंजीम भारत के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव सह एदार ए शरीया झारखण्ड के नाजिमे आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी ने देश के 53 वें उखकमाननीय जस्टिस सुर्यकांत को बधाई देते हुवे कहा है कि 24 नवंबर 2025

भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया देश की महामहिम राष्ट्रपति महोदिया श्रीमति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत को भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश (उखक) के रूप में राष्ट्रपति भवन में आयोजित भव्य समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। यह समारोह न केवल भारतीय न्याय व्यवस्था की मजबूती का प्रतीक है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसका महत्व रेखांकित करता है, जहां सात देशों के न्यायाधीशों ने इसमें भाग लिया।

राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में हुए इस समारोह में राष्ट्रपति मुर्मू ने जस्टिस सूर्यकांत को संविधान के अनुच्छेद 124 के तहत शपथ दिलाई। शपथ लेने के बाद जस्टिस सूर्यकांत ने अपने माता-पिता, बहन और बड़े भाई-भाभी के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद/दुआ लिया, जो उनकी पारिवारिक मूल्यों की गहरी जड़ों को दशार्ता है। पूर्व उखक जस्टिस बी.आर. गवई से गले मिलते हुए उन्होंने अपने पूर्ववर्ती के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

सपथ समारोह में सुप्रीम कोर्ट के अन्य न्यायाधीशों के अलावा ब्राजील, भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरीशस, नेपाल और श्रीलंका जैसे सात देशों के मुख्य न्यायाधीशों की मौजूदगी ने इस आयोजन को वैश्विक आयाम प्रदान किया, मौलाना रिजवी ने कहा कि

जस्टिस सूर्यकांत का जन्म 10 फरवरी 1962 को हरियाणा के हिसार जिले के एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय स्तर पर प्राप्त की और बाद में दिल्ली विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री हासिल की। 1989 में वकालत शुरू करने के बाद वे पंजाब एवं हरियाणा

हाईकोर्ट में सीनियर एडवोकेट बने। 2004 में हाईकोर्ट के जज नियुक्त हुए, 2018 में हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने और 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत हुए।अक्टूबर 2024 से वे सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विसेज कमेटी के चेयरमैन के रूप में कार्यरत थे, जहां उन्होंने गरीबों और हाशिए पर रहने वाले लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शपथ ग्रहण से ठीक पहले जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, ह्लसुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों को कम करना हमारी पहली प्राथमिकता होगी ह्व उनका यह बयान न्यायिक सुधारों की दिशा में उनकी प्रतिबद्धता को उजागर करता है ।नाजिमे आला ने कहा कि जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित मामलों की संख्या कम करने,डिजिटल न्याय प्रक्रिया को मजबूत बनाने और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने जैसी चुनौतियां हैं ।हमारा मानना है कि इनका कार्यकाल न्यायपालिका को और अधिक समावेशी और कुशल बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा ।यह नियुक्ति न केवल भारतीय संविधान की मजबूती का प्रतीक है, बल्कि एक ऐसे न्यायाधीश का उदाहरण भी है जो साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर सर्वोच्च पद पर पहुंचे। राष्ट्रपति मुर्मू ने शपथ ग्रहण के बाद कहा है कि ह्लन्यायपालिका लोकतंत्र का आधार स्तंभ है,और जस्टिस सूर्यकांत इसकी गरिमा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे ह्व मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी ने राष्ट्रपति महोदया के इस व्यकतव्य का स्वागत करते हुवे कहा है कि राष्ट्रपति महोदया संविधान व लोकतंत्र की इसी गरीमायम उदगार की सुरक्षा करते हुवे किंद्र सरकार को हेदायत करती रहेंगी एसी उम्मीद है, मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी ने कहा कि नए उखकसे उम्मीद है कि देश,संविधान,सामाजिक सुरक्षा व औकाफ के उद्देश के विपरित बनाए गए वक्फ संसोधन अधिनियम 2025 काले कानुन जिस का मामला सुप्रिम कोर्ट में लम्बित है इस अन्यायपुर्ण कानुन को रिरस्त करके देश व जमहुरीयत को बचाएंगे एवं किसी के बुन्यादी होकूक को बरबाद होने से बचाने के लिए बगैर राजनितिक दबाव के निर्णय लेकर सुप्रिम कोर्ट के वेकार को बचाएंगे, मौलाना रिजवी ने निर्बंधित औकाफ जाएदाद को दोबारा उमीद सेट्रल पोर्टल पर अपलॉड करने की अनिवार्यता को समाप्त करने की गुजारिश नए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया से की है चुंकी देश लाखों निर्बंधित दानपत्र सम्पति,निर्बंधित स्कुल व कम्पनियां हैं जिन को दोबारा रि-रेजिस्ट्रेशन करने का आदेश केंद्र सरकार ने नहीं दिया तो फिर किनल वक्फ सम्पतियों को हि क्युं अपलॉड करनी की अनिववर्ता रखी गई है? इस का मतलब साफ है कि देश के मुसलमानों को परेशान किया जा रहा है !

आइडियल इंटरनेशनल स्कूल मे शिकागो से आए विश्व प्रसिद्ध मोटीवेट फहद सरफराज अहमद ने बच्चों को प्रेरित किया

शिकागो से आए फहद सरफराज अहमद बोले—बच्चों में आग जगाना ही असली शिक्षा

संवाददाता । रांची

रांची। आइडियल इंटरनेशनल स्कूल, दलादली में सोमवार को शिकागो से आए युवा प्रेरक वक्ता फहद सरफराज अहमद ने बच्चों और अभिभावकों को संबोधित किया। कार्यक्रम में डॉ. सरफराज अहमद, आइडियल ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के अध्यक्ष डॉ. माजिद आलम, स्कूल के निर्देश डॉ. तनवीर आलम, डॉ. सुम्बुल आलम प्राचार्य मंजू बाग अरोड़ा प्रशासनिक अधिकारी प्रणय सिंह सहित विद्यालय के कई शिक्षक व अभिभावक उपस्थित थे ।फहद अहमद ने कहा कि बच्चों की वास्तविक क्षमता तब विकसित होती है, जब उन्हें ना नहीं, बल्कि ह्लहाँह्व कहकर प्रयास करने दिया जाए। उन्होंने कहा कि गलतियाँ सीखने की पहली सीढ़ी हैं, इसलिए अभिभावकों को बच्चों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करना चाहिए।उन्होंने अपनी प्रेरक वेबसाइट ह्लद? लैडर का परिचय भी दिया, जिसमें बच्चे अपनी फोटो और सपनों की नौकरी डालकर भविष्य की रूपरेखा देख सकते हैं और लक्ष्य तक पहुँचने का मार्ग समझ सकते हैं ।फहद ने बताया कि आने वाले दिनों में वे रांची के अन्य स्कूलों में भी ऐसे ही प्रेरक सत्र आयोजित करेंगे।

चटवल के रहने वाले नौशाद आलम के पुत्र ने अपने मां बाप और मदरसे का नाम रोशन किया

संवाददाता । रांची

चान्हो। जामिया अरबिया मदी नतुल उलुम कस्बा टांगर चान्हो रांची झारखंड में एक और छात्र ने पवित्र कुरआन को अपने सीने में पिरोकर चटवल के रहने वाले नौशाद आलम के पुत्र ने अपने मां बाप और मदरसे का नाम रोशन किया ।इस मौके पर मदरसे के नाजिम हाफिज तजम्मुल हुसैन मौलाना रफीक साहब हाफिज अब्दुल अजीज मौलाना मोती उल हक मौलाना फुरकान हाफिज शमशाद हाफिज शाहबाज हाजी एहसान डॉक्टर जुल्फिकार अली शकील अलवर वकील अंसारी तस्लीम अंसारी ने घरवालों की मौजूदगी में हाफिज अब्दुल अजीज पंडरी के द्वारा कुरआन को मुकम्मल कराया गया , और इस मुबारक घड़ी में तमाम लोगों के मौजूदगी में महफूज आलम को पगड़ी बांधकर हौसला दिया गया, और साथ ही साथ डॉक्टर जुल्फिकार अली रांची जिला कांग्रेस पार्टी के उपाध्यक्ष, शकील अलवर ने तमाम स्टाफ और बाहर

से आए हुए मेहमानों को रुमाल देकर और छात्र एवं छात्राओं को कलम और बैग देकर तमाम लोगों का हौसला बढ़ाया, यह जानकारी मदरसा जामिया के सदर मौलाना अबुल कलाम आजाद के हवाले से ।

थैलेसीमिया पीड़ितों के परिजनों एवं रक्तवीरों का प्रतिनिधिमंडल झारखंड सरकार के माननीय पूर्व मंत्री बंधु तिर्की से मिला

संवाददाता । रांची

लहू बोलेगा रक्तदान संगठन रांची एवं झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन सहित झारखंड राज्य स्वैच्छिक रक्तदान संगठन कॉर्डिनेशन कमेटी का संयुक्त प्रतिनिधिमंडल नदीम खान के नेतृत्व में झारखंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष/झारखंड सरकार के समन्वय समिति सदस्य एवं झारखंड सरकार के पूर्व माननीय मंत्री श्रीमान बंधु तिर्की महोदय के रांची स्थित मोराबादी आवास पर बीती रात में थैलेसीमिया पीड़ितों एवं उनके परिजनों सहित रक्तवीरों,समाजसेवी की उपस्थिति में दो स्मार-पत्र दिया,पहला स्मार-पत्र थैलेसीमिया पीड़ितों पर 14 सूत्री एवं दूसरा स्मार-पत्र रक्तदान संगठनों द्वारा 19 सूत्री अध्यनरत स्थिति व्यवहारिक/मानवीय/तार्किक/न्यायोचित मांगों भरा स्मार-पत्र दिया गया। माननीय पूर्व मंत्री ने कहा कि इस स्मार-पत्र पर सुनिश्चित आवश्यक कार्रवाई होगी ।माननीय को थैलेसीमिया पीड़ित छात्र ऐलेक्स टोप्पो ने बंधु तिर्की का पेंसिल से चित्र बनाकर भेंट किया और प्रतिनिधिमंडल ने बुके और शॉल उठाया ।प्रतिनिधिमंडल में नदीम खान,रक्तवीर थैलेसीमिया परिजन संजय टोप्पो,देवकी देवी, संजय महतो,बिनको बाड़ा,रीना सुचिता टोप्पो, मजीदन खातून,हसीब अंसारी,अशोक कुमार, थैलेसीमिया पीड़ित अनीस टोप्पो,ऐलेक्स टोप्पो, बरखा लिल्ली बाड़ा,रक्तवीर इंजीनियर शाहनवाज अब्बास,समाजसेवी अकरम राशिद शामिल थे ।लहू बोलेगरक्तदान संगठन रांची/झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन/झारखंड राज्य स्वैच्छिक रक्तदान संगठन कॉर्डिनेशन कमेटी....

(संस्थापक नदीम खान द्वारा जारी)

मांडर कॉलेज में अव्यवस्था के खिलाफ एनएसयूआई का आंदोलन

7 दिन में कार्रवाई नहीं तो अनिश्चितकालीन धरना

संवाददाता । रांची

मांडर। मांडर कॉलेज में शिक्षकों की भारी कमी और मूलभूत सुविधाओं के अभाव को लेकर आज एनएसयूआई ने कॉलेज परिसर में धरना दिया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ इस आंदोलन में शामिल हुए और कॉलेज प्रशासन तथा रांची विश्वविद्यालय से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। धरना प्रदर्शन का नेतृत्व एनएसयूआई मांडर कॉलेज अध्यक्ष अमन शहजाद, रांची विश्वविद्यालय महासचिव अबू राफे, कॉलेज उपाध्यक्ष अबू सानीब, तथा एनएसयूआई रांची जिला अध्यक्ष अक्षय महतो ने किया। छात्र नेताओं ने बताया कि कॉलेज में उर्दू, नागपुरी,इंग्लिश, एंथ्रोपॉलॉजी, संस्कृत सहित

कॉमर्स विभाग में भी एक भी शिक्षक मौजूद नहीं है, जिसके कारण नियमित कक्षाएं बाधित हो रही हैं और छात्रों की पढ़ाई पर गंभीर असर पड़ रहा है। सुविधाओं की स्थिति भी बेहद खराब बताई गई। कॉलेज में पीने योग्य पानी की व्यवस्था नहीं है, शौचालय जर्जर हालत में हैं, और नए छात्रों को अब तक आई-कार्ड उपलब्ध नहीं कराए गए, जिससे वे लाइब्रेरी की सेवाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। धरने के दौरान एनएसयूआई रांची जिला अध्यक्ष अक्षय महतो ने कहा कि कॉलेज प्रशासन को 7 दिनों का समय दिया जा रहा है। यदि 7 दिनों के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो छात्र अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने को बाध्य होंगे। धरना स्थल पर अब्दुल राजिक, तनवीर आलम, अरबाज अंसारी, शाद, अल्ताफ, शहीद,एकरामुल, साहिल, आलमिन सहित बड़ीसंख्या में छात्र उपस्थित थे।

अब मेदांता हॉस्पिटल, रांची के इलाज व सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे झारखण्ड के राज्यकर्मी

- मेदांता हॉस्पिटल रांची को झारखण्ड राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के पैनल में शामिल किया गया, अब राज्यकर्मी सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल का लाभ उठा सकेंगे

संवाददाती

रांची, 22 नवम्बर 2025: मेदांता हॉस्पिटल, इरबा,राँची को झारखण्ड राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के पैनल में शामिल करने के बाद अब राज्यकर्मियों को सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल की सुविधाएं मिलनी शुरू हो गई है । मेदांता हॉस्पिटल के सभी विभागों में और अनुभव डॉक्टर ट्रेंड नर्स तथा पारा मेडिकल स्टाफ के अलावा अत्याधुनिक विश्वस्तरीय इलाज जांच के लिए अत्याधुनिक मशीनें और उपकरण तथा अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसका सीधा लाभ राज्यकर्मियों को मिल सकेगा।

यहां हृदय रोग, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, आर्थोपेडिक्स, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, जेनरल सर्जरी, समेत कई विभाग मौजूद है। अब पैनल में शामिल होने के साथ, मेदांता अस्पताल, रांची ने सुपर-स्पेशियलिटी और उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शुरू की है।

आरएसबीवाई के तहत मेदांता अस्पताल, इरबा रांची को शामिल किया जाना झारखंड के भीतर उच्च गुणवत्ता, उन्नत चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करके राज्य के स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे मरीजों को विशेष उपचार के लिए राज्य के बाहर यात्रा करने की आवश्यकता कम हो जाएगी ।मेदांता, रांची के हॉस्पिटल डायरेक्टर श्री विश्वजीत कुमार ने बताया कि हमारे हॉस्पिटल के सभी विभागों में मरीजों के ठीक होने का प्रतिशत सबसे ज्यादा है क्योंकि यहां इलाज के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर के साथ विश्वस्तरीय अत्याधुनिक मशीन और सुविधाएं उपलब्ध हैं। अब झारखण्ड राज्य के कर्मचारियों को हमारे हॉस्पिटल की सुविधाएं मिलनी शुरू होगई है । हमलोग उन्हें बेहतर से बेहतर इलाज और सुविधाएं देने का हर संभव प्रयास करेंगे।

ब्रीफ न्यूज

मंत्री की गीदड़ भभकी से बीएलओ डरें नहीं, झारखण्ड को बंगाल नहीं बनने देंगे - जदयू

संवाददाता ।

जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य में लगे राज्य के सभी बीएलओ से अपील की है कि वह निडर रहें और एसआईआर की प्रक्रिया में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि झारखण्ड को बंगाल नहीं बनने देंगे, कोई इस मुगालते में न रहें। एसआईआर प्रक्रिया को बाधित करने की मंशा से मंत्री इरफान अंसारी झूठी और खोखली धमकी दे रहें, ऐसे बयानों से डरने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं। आम जनता का उन्हें सहयोग अवश्य मिलेगा। झारखण्ड में डंके की चोट पर एसआईआर होगा, किसी में दम है तो वह रोक के दिखाए।उन्होंने कहा की एसआईआर एक सामान्य और साफ प्रक्रिया है। मतदाता सूची में त्रुटियों के सुधार के लिए समय - समय पर यह अनिवार्य है। देश के अन्य राज्यों में भी एसआईआर का कार्य जारी है, वहाँ कोई विरोध नहीं है। जो वास्तव में मतदाता है उन्हें कागजात दिखाने और उसकी जाँच से कोई परेशानी नहीं है लेकिन इंडी गठबंधन के लोग मतदाताओं को भ्रमित कर रहे हैं, वह चुनाव में फजीर्वाड़ा चाहते हैं। वह जानते है कि एसआईआर हुआ तो दोबारा चुनाव जीत के नहीं आयेंगे। जामताड़ा में सरकारी कार्यक्रम के दौरान जिला निवार्ची पदाधिकारी की उपस्थिति में मंत्री ने सार्वजनिक रूप से बीएलओ को धमकाने का प्रयास किया जो असहनीय और दंडनीय है। झारखण्ड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी इस पर संज्ञान लेते हुए कड़ी कार्यवाही करें।

रांची के जाने-माने कलाकार मोहम्मद साबिर हुसैन ने धर्मेंद्र की मृत्यु पर एक पेंटिंग बनाकर श्रद्धांजलि दी

संवाददाता ।

रांची के जाने-माने कलाकार मोहम्मद साबिर हुसैन ने धर्मेंद्र की मृत्यु पर एक पेंटिंग बनाकर श्रद्धांजलि दी और उन्होंने कहा की बचपन से धर्मेन्द्र जी मेरे पसंदीदा कलाकार रहे हैं। आज उनके निधन ने करोड़ों दिलों की तरह मुझे भी गहराई से प्रभावित किया है।एक छोटे कलाकार के रूप में मैंने उनकी स्मृति में उनकी पेंटिंग बनाकर श्रद्धांजलि अर्पित की है।यह पेंटिंग मेरे सम्मान, प्रेम और प्रेरणा का प्रतीक है। धर्मेन्द्र जी हमेशा भारतीय सिनेमा के स्वर्णिम अध्याय के रूप में याद किए जाते रहेंगे।

धर्मेंद्र मेरी शादी में आए थे : देवेश खान

संवाददाता ।

रांची रांची । धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को 89 साल की उम्र में निधन हो गया। जिससे बॉलीवुड एक्टर देवेश खान ने अफसोस जताया है।धर्मेंद्र के निधन से हमें बहुत दुख हुआ है। वह एक महान अभिनेता और एक अच्छे इंसान थे। उनकी कमी हमें हमेशा खलेगी।ह्र 1986 में अपनी शादी का इन्विटेशन देने उनके घर गया था। उन्होंने शादी में आने का वादा किया था और वह मेरी शादी में आकर हम लोगों काभी दुआएं दी । वह सदाबहार कलाकार के साथ-साथ एक बहुत अच्छे इंसान भी थे मेरे उनसे संबंध बहुत अच्छे थे । बॉलीवुड एक्टर और रांची निवासी देवेश खान ने कहा कि वह मुझे अपने भाई की तरह मानते थे । धर्मेंद्र ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी, जिनमें शोले, चुपके चुपके, ड्रीम गर्ल, और मेरा गांव मेरा देश शामिल हैं। उन्हें बॉलीवुड के ही-मैन के नाम से भी जाना जाता था।

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार के तहत वार्ड 11 में आज कैंप लगाया गया

संवाददाता ।

आज 24 नवंबर 2025 आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार के तहत वार्ड 11 में आज कैंप लगाया गया जिसमें रांची निगम निगम रांची, श्रम एव नियोजन, निःशुल्क दावा जांच शिविर, शहर अंचल रांची और सरकार से जुड़े संबंधित विभाग के लोग कैंप में उपस्थित थे। इस दौरान विभिन्न आवेदन लिए गए और जनता को झारखंड सरकार से जुड़ी योजनाओं से लोग लाभान्वित हुए। शहर अंचल रांची के द्वारा सर्वजन पेंशन योजना के तहत वृद्धा, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन के लिए 100 से ज्यादा आवेदन लिए गए। मौके राजीव जी शहर अंचल, सहयोग के लिए पार्षद प्रतिनिधि सदाम कुरैशी मिट्ठू विशेष रूप से उपस्थित थे।

कल दिनांक 25.11.2025 को निम्न वार्डों में शिविर का आयोजन किया गया है।

वार्ड 16, वार्ड कार्यालय, कर्बला चौक
वार्ड 17, गुदड़ी चौक, HYDT टंकी के पास
वार्ड 18, घोष पाड़ा, थरपखना
वार्ड 19, हरिमती मंदिर, बर्धमान कंपाउंड
वार्ड 20, निगम धर्मशाला, वार्ड कार्यालय
वार्ड 21, रोटरी पार्क, लेक रोड
वार्ड 22, मानी टोला वार्ड कार्यालय
वार्ड 23, इदरीसिया हाई स्कूल, हिंदपीढ़ी.

नोट : जिन लोगों का केंद्र सरकार से जुड़ा सामाजिक सुरक्षा पेंशन का सत्यापन नही हो पाया है,पेंशन रुका हुआ है, वे सदाम कुरैशी से संपर्क सहायता ले सकते है ।दिनांक 26 नवंबर 2025 को र.कफऔर वोटर कार्ड के लिए विशेष रूप से कांटा टोली सुलतान कॉलोनी मुजीब कुरैशी के अवासीय कार्यालय में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 2003 का लिस्ट में नाम , फॉर्म और र.कफसे जुड़े दस्तावेज बनाने और इससे जुड़ी जानकारी दी जाएगी। आप सभी इसका लाभ उठाए। धन्यवाद....

सप्ताह भर चले बाल मेला की सरयू राय ने की समीक्षा, बोले

बाल बजट को दोगुना करने की घोषणा स्वागत योग्य, मद में ही खर्च हो धनराशि

जमशेदपुर, संवाददाता

इनका हुआ सम्मान

गोविंद दोदराजका, शिवशंकर सिंह, अशोक गोयल, आशुतोष राय, मंजू सिंह, अमृता मिश्रा, सुधीर सिंह, सुबोध श्रीवास्तव, शिव पूजन सिंह, हरेराम सिंह, नीरज सिंह, अनिकेत सावरकर, मार्शल मुर्मू, सुशील खड़का, अभय सिंह उज्जैन, शैलेन्द्र सिंह, प्रसेनजीत तिवारी, चितरंजन वर्मा, हरेन्द्र पाण्डेय, उपेन्द्र सिंह मस्तान, अजय श्रीवास्तव, राजकुमार श्रीवास्तव, नित्यानंद सिन्हा, श्रीमन त्रिगुण, सुर रंजन राय, ललन द्विवेदी, पप्पू सिंह, प्रशांत पोद्दार, भीम सिंह, संजय तिवारी, बजरंगी पाण्डेय, बिनोद राय, रविन्द्र सिंह सिसोदिया, फातिमा शाहीन, चुन्नु भूमिज, तारक मुखर्जी, लालू गौड़, प्रवीण सिंह, धर्मेंद्र प्रसाद, संजीव सिन्हा, राजीव कुमार सिंह, अशोक चौहान, अमित शर्मा, ब्रजेश सिंह मुन्ना, रवि शंकर सिंह, शंकर रेड्डी, कविता परमार, नीरू सिंह, उषा यादव, सुशीला शर्मा, रवि ठाकुर, अनुज चौधरी, राकेश सिंह, टीटू दास, अजय श्रीवास्तव, माणिक सिंह, वंदे शंकर सिंह, अनिल राय, राकेश पाण्डेय, अजय कुमार, कुलविंदर सिंह पन्नू, हरेराम सिंह, एम चन्द्रशेखर राव, दुर्गा राव, भास्कर मुखी, नीरज सिंह, प्रकाश कोया, राजेश प्रसाद, ममता सिंह, विजय राव, प्रेम सक्सेना, कन्हैया ओझा, मृत्युंजय कुमार सिंह, आकाश साह, विकास साहनी, जीतेन्द्र सिंह, संजीव सिंह, भरत पाण्डेय, राजेश कुमार, विजय सिंह, विनोद सिंह-सोनारी, विनोद सिंह मानगो, दीपक गौड़, मृत्यंजय शर्मा, विनीत कुमार, विकास रजक, दिनेश कुमार सिंह, भागवत मुखर्जी, अजीत कुमार, बबलू कुमार, शमशाद खान, अर्जुन यादव शंकर कर्मकार, विनोद राय, राकेश कुमार, शत्रुघ्न गिरी, मनोज सिंह (गरमनाला), सत्येन्द्र सिंह, मनोरंजन सिन्हा आदि।

विगत 14 से 20 नवंबर तक चले चतुर्थ बाल मेला को लेकर जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय के बिस्टुपुर स्थित आवासीय कार्यालय में समीक्षा बैठक हुई। जिसमें कई सुझाव भी आए। एक सुझाव यह आया कि बाल मेला में बच्चों के लिए भी कोई स्टॉल लगाना चाहिए था। जहां जाकर बच्चे खेल-कूद या अपनी जरूरत की अन्य चीजों को खरीद सकें। यह सुनिश्चित किया गया कि भविष्य में जो भी बाल मेला लगेगा, उसमें बच्चों के स्टॉल पर ध्यान दिया जाएगा। समीक्षा बैठक में भविष्य में मेले की बेहतरी के लिए कई सुझाव आए, जिन्हें नोट किया गया। इन सुझावों पर आने वाले बाल मेला में सकारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया गया। इस मौके पर बाल मेला का संचालन करने वाली समिति के तमाम लोगों को सम्मानित भी किया गया। इस दौरान विधायक सरयू राय ने कहा कि बाल मेला आप लोगों की मेहनत से सफल रहा। कुछ कमियां रह गईं। उनपर हम लोग गंभीरता से मनन करेंगे। उन्होंने कहा कि बाल मेले के उद्घाटन के दिन राज्य के वित्त मंत्री ने बड़ी घोषणा की कि वो बाल बजट को दोगुना कर देंगे। उन्होंने उस वक्त भी उनके इस निर्णय का स्वागत किया था और आज भी कर रहा हूं।

बस इतना ध्यान जरूर रखा जाए कि बच्चों के लिए जो बजट आवंटित हो, वह बच्चों के काम में ही खर्च हो। कई बार ऐसा होता है कि किसी और मद की धनराशि किसी और मद में खर्च कर दी जाती है। ऐसा नहीं होने चाहिए। अगर बच्चों के बजट की धनराशि बच्चों के काम में खर्च होगी तो बड़ा फर्क आएगा, बेहतरी की दिशा में। उन्होंने कहा कि आने वाले बाल मेलों में इस बात का हमें ध्यान रखना होगा कि बच्चों के लिए पर्याप्त संख्या में मौज-मस्ती के लिए झूला और मनोरंजन के अन्य साधनों का इंतजाम किया जाए। इससे बच्चों का बढ़िया मनोरंजन होता है। उन्होंने कहा कि बाल मेले का मकसद सिर्फ बच्चों का मनोरंजन करना ही नहीं है। अपितु जच्चा-बच्चा स्वस्थ कैसे रहे, इसके लिए भी चिंतन करना है। गर्भ में पल रहे शिशु का स्वास्थ्य तभी बढ़िया हो सकता है। जब जच्चा यानी मां को भरपूर पौष्टिक आहार मिले। यह देखना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर बचपन कमजोर होगा तो जवानी मजबूत नहीं हो सकती है। यह बेहद जरूरी है कि हमारे समाज में जितने भी बच्चे हैं, वो कुपोषित न हों। उन्हें पर्याप्त पौष्टिक आहार मिले। वे तंदरुस्त रहें।

तंदरुस्त बच्चा ही मेधावी मस्तिष्क का स्वामी हो सकता है। इसपर योजना बना कर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब दौर-जमाना बदल रहा है। देश के कई राज्यों की सरकारों ने महिलाओं पर, बच्चों पर ध्यान देना शुरू किया है। सरकार के पास बजट है। वह अगर अंशदान करे तो बच्चों और माताओं की स्थिति सुदृढ़ हो सकती है। सरकार अगर अंशदान कर रही है, तो भी उस अंशदान का मतलब तब समझ में आएगा, जब काम धरातल पर दिखे। काम अगर धरातल पर नहीं दिखेगा तो उस अंशदान का भी बंदरबांट हो जाएगा। इसलिए जो स्वयंसेवक हैं, जो कल्याण के भाव से काम करना चाहते हैं, यह उनकी जिम्मेदारी बनती है कि वो काम को धरातल पर लाने में अपना योगदान करें। उन्होंने कहा कि बाल कल्याण के क्षेत्र में काम करने की काफी गुंजाइश है और करना भी चाहिए। बाल अधिकार संरक्षण पर भी काम करने की जरूरत है।

हमारे आस-पास बहुत कुछ ऐसा घटता रहता है, जो बाल अधिकारों के खिलाफ है। मूक दर्शक बने रहने का वक्त अब गया। अब हम सभी को आगे आना चाहिए। रोजमर्रा के जीवन में ऐसे बहुत सारे उधाहरण आपको देखने को मिल जाएंगे, जब आप अपनी भूमिका वहां निभा सकते हैं। उसके लिए किसी दिन विशेष की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि स्लम क्षेत्र में रहने वाले बच्चों को मेला से जोड़ना सही कदम है। लेकिन ये सिर्फ मेला तक ही सीमित न रहे। जो बच्चे किसी भी कारण से स्कूल नहीं जा पा रहे हैं, हमें उनकी मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आप कार्यकताओं के दम पर ही यह मेला सफल हुआ है। भविष्य में भी बाल मेला सफल होगा। लेकिन उसके लिए हमें मेले को उद्देश्यपूर्ण और तमाम सुविधाओं से युक्त बनाना होगा। बच्चों को मेले में जो जरूरी सुविधाएं चाहिए, हमें देना चाहिए। इसलिए यह जरूरी है कि हम लोग दूरगामी योजनाओं को तैयार करें। उसपर काम करें और उसके कार्यान्वयन को लेकर बेहद सतर्क रहें। निरंतरता भी बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि मेला को मेला के भाव से देखने की जरूरत नहीं। मेला को सेवा भाव से देखने की जरूरत हस्तिष्क मेला सफल होगा, जिसमें सेवा भाव होगा। बिना सेवा भाव के हम लोग मेला को आगे नहीं बढ़ा सकते। सेवा भाव ही वह भाव है, जो इंसान को इंसान से जोड़ता है। हमें दरअसल ऐसे मेधावी मस्तिष्क चाहिए, जो संस्कारवान हों। जिनमें भारतीय संस्कृति कूट-कूटकर भरी हो। जो सेवा भाव से ओत-प्रोत हो। ऐसे मेधावी मस्तिष्क जोड़ने में पीढ़िया लग जाएंगी। लेकिन जब हमारा प्रयास सकारात्मक भाव से चलेगा तो संख्या बल बढ़ता चला जाएगा। कार्यक्रम का संचालन बाल मेला के सह संयोजक आशुतोष राय ने किया।

झारखंड सरकार के भूमि सुधार विभाग के सचिव चन्द्रशेखर ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया

लातेहार, संवाददाता

लातेहार : आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत आज चंदवा प्रखंड की बरवाटोली पंचायत में आयोजित विशेष शिविर का शुभारंभ राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव चन्द्रशेखर ने सोमवार को दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया , इस अवसर पर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने प्रदेश के भूमि सुधार सचिव को पौधा भेंट कर स्वागत किया गया, शिविर में धोती-साड़ी, कंबल, भू लगान रशीद वितरण, जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, स्थानीय प्रमाण पत्र, जेएसएलपीएस आईडी कार्ड, हरा राशन कार्ड, स्कूल यूनिफॉर्म, साईकिल वितरण, ई-श्रम कार्ड, जॉब कार्ड का वितरण लाभुकों के बीच किया गया। साथ ही जेएसएलपीएस से जुड़ी दीदियों को ऋण से लिंकेज प्रदान किया गया एवं पीएम विश्वकर्मा लोन, सर्वजन पेंशन योजना सहित विभिन्न परिसंपत्तियों का वितरण सुयोग्य लाभुकों के बीच किया गया, मौके पर सचिव श्री चन्द्रशेखर के द्वारा शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया , सचिव ने सीधे ग्रामीणों से संवाद भी किया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी पात्र लाभुक को योजनाओं से वंचित न रहने दिया जाए, मौके पर उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, अपर समाहर्ता रामा रविदास, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, प्रखंड विकास पदाधिकारी उपस्थित थे।

पूर्वी विधानसभा में विकास कार्यों ने पकड़ी रफ्तार

बिरसानगर में 82 लाख की विकास योजनाओं का विधायक पूर्णिमा साहू ने किया शुभारंभ

जमशेदपुर, संवाददाता

पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने की दिशा में विधायक पूर्णिमा साहू लगातार सक्रिय हैं। इसी क्रम में सोमवार बिरसानगर के विभिन्न क्षेत्रों में करीब 82 लाख रुपए की महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का उन्होंने शिलान्यास किया। जिसके पूरे होने से क्षेत्र में सड़क, नाली, सामुदायिक ढांचे और सार्वजनिक सुविधाओं को नई मजबूती मिलेगी। शिलान्यास की गई योजनाओं में गोविन्द कॉलोनी रोड नंबर 5, मोहरदा बारीडीह में नालियों का निर्माण, संथाल बस्ती सरकारी विद्यालय में चहारदिवारी एवं शौचालय निर्माण, जोन नंबर 1बी में गुप्ता स्टोर के बगल से भोला दत्ता के घर तक नाली निर्माण, जोन नंबर 4 पुराना थाना रोड के पास सड़क एवं नाली निर्माण, जोन नंबर 5 काली मंदिर के पास सामुदायिक भवन का मरम्मती करण, जोन नंबर 6 साईं सरस्वती स्कूल के सामने गार्डवाल निर्माण, जोन नंबर 6 सार्वजनिक महादेव-हनुमान मंदिर के समीप सामुदायिक भवन का मरम्मती करण, जोन नंबर 7 में सड़क निर्माण समेत जोन नंबर 8 में बच्चों की पढ़ाई के लिए शेड निर्माण जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इस दौरान पूर्णिमा साहू ने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं से भी अवगत हुई। वहीं स्थानीय लोगों ने भी विकास कार्यों और जनसमस्याओं के प्रति विधायक पूर्णिमा साहू की सक्रियता की सराहना करते हुए संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विधानसभा के कई इलाकों में लोगों की सुविधा और सहूलियत को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है। आगामी दिनों में कई और महत्वपूर्ण परियोजनाएं जनता को समर्पित की जाएंगी। साथ ही उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि पूर्वी विधानसभा के प्रत्येक घर, हर बस्ती और हर मोहल्ले तक विकास की रोशनी पहुंचे। इसके लिए वे पूरी प्रतिबद्धता से प्रयासरत रहेंगी। मौके पर विधायक प्रतिनिधि गुंजन यादव, भाजपा बिरसानगर मंडल अध्यक्ष बबलू गोप, जितेंद्र मिश्रा, श्रीराम प्रसाद, बोल्टू सरकार, तापस कर्मकार, गौतम दास, कृपा गोप, ईशान प्रधान, मृणाल बनर्जी, अनुप टोप्पो, सुदर्शन दास, केके नायक, ओंकार सिंह, गोलक गोप, बापन बनर्जी, कृष्णा बारिक, चांदू दास, उर्मिला दास, सत्यनारायण पाल, लक्ष्मी मिर्धा, ममता भूमिज, मोहन पाण्डेय, रतन साहू, रूप साहू, मोहन कर्मकार, सुनील सिंह, आयुष, दीपक रविदास, रामू राव, शिशिर सरकार, प्रवेश गोप समेत स्थानीय महिलाएं एवं कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

लातेहार जिले में होने वाली अवैध अफीम की खेती को बंद कर ही दम लूंगा : लातेहार एसपी कुमार गौरव

हेरहंज, लातेहार : लातेहार पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के निर्देश पर हेरहंज थाना क्षेत्र में ग्रामीणों के बीच सोमवार को कई गांवों में चलाया जागरूकता अभियान , नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अफीम की खेती और उससे होने वाले दुष्परिणाम के बारे में लोगों को बताया ,यह कार्यक्रम हेरहंज थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती क्षेत्र सिकुड़ ,ख और हेसातू गांव में ग्रामीणों के बीच कानून में सजा का प्रावधान को बताया ,और सरकार के दिशा निर्देश के बारे में भी बताया ,थानेदार ने बताया कि अपलोग सरकार के निदेर्शों का पालन करें,अफीम की खेती करने की गलती करने पर कड़ी कानूनी कारवाई की जाएगी।

झामुमो जिला प्रक्ता सुशील यादव ने आपके द्वार शिविर का निरीक्षण कर ,जनता का काम ऑन स्पोर्ट करने का दिया निर्देश

लातेहार : सोमवार को झारखंड सरकार की आपकी योजना आपके सरकार आपके द्वार कार्यक्रम लातेहार सदर प्रखंड के भूसुर पंचायत के पंचायत भवन में आयोजन किया गया , इस शिविर का निरक्षण करते हुए झामुमो जिला प्रवक्ता सुशील कुमार यादव ने सभी शिविर स्टॉल पर कार्यरत कर्मियों को सख्त हिदायत दिया कि , ग्रामीण जनता की कोई समस्या का निराकरण ऑन स्पोर्ट होना चाहिए ,जिसका लाभ पंचायत के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे , कार्यक्रम में उपस्थित अनुमंडल पदाधिकारी अजय कुमार रजक ने कहा कि यह कार्यक्रम सरकार की प्रमुख कार्यक्रम है जिसे हमारे अधिकारी और कर्मी पूरी निष्ठा से कर रहे हैं, मौके प्रखण विकाश पदाधिकारी मनोज कुमार तिवारी, जिला परिषद सदस्य श विनोद उरांव, भूसुर मुखिया सुरेन्द्र भगत, पंचायत सचिव संतोष कुजूर, पंचायत समिति पुनीत भुइयां उपस्थित थे।

आपकी योजना आपकी सरकार की योजनाओं का लाभ लें ग्रामीणचितरपुर उत्तरी मे 11लाख 23 हजार चेक का वितरण किया गयां

रामगढ, संवाददाता

रामगढ़ के कुंदरू कला पंचायत चितरपुर पूर्वी पंचायत एवं चितरपुर उत्तरी के पंचायत सचिवालय में आपकी योजनाआपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जनहित में विशाल जनता दरबार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक ममता देवी,रामगढ़ बीडीओ रीना कुजूर सीओ रामगढ़ रमेश पासवान तथा कुंदरू कला मुखिया किसुन राम मुंडा के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन कर शुभारम्भ किया गया। इस मुख्य अतिथि विधायक ममता देवी ने उपस्थित ग्रामीणों को वृद्धावस्था पेंशन, राशन, आवास, किसान योजना, स्वरोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।उन्होंने कहा कि यह अभियान जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने और सरकारी लाभ सीधे पात्र लोगों तक पहुँचाने का प्रभावी माध्यम है।कार्यक्रम के दौरान कुंदरू कला मे फूलो-झानो योजना के तहत एक महिला को 20 ,हजार रुपये का चेक प्रदान को खरछढर के माध्यम से चेक प्रदान किए गए।इसके अलावा चितरपुर उत्तरी पंचायत मे 11 लाख 23 हजार का चितरपुर पूर्वी मे 18 हजार रुपए चेक का वितरण किया, जॉब कार्ड का वितरण भी हुआ, उपस्थित को महिलाओं स्वरोजगार एवं आजीविका संवर्धन में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।कार्यक्रम में कई लाभुकों के बीच लेबर कार्ड का वितरण किया गया ग्रामीणों ने जन्म प्रमाण पत्र आय प्रमाण पत्र,अबुआ आवास कूप निर्माण ग्रामीण विकास हेतू सैकड़ों ग्रामीणों ने आवेदन दिया। जिससे उन्हें विभिन्न सरकारी सुविधाओं तक पहुँच में सरलता हो सके। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने आवेदनों,निस्तारण तथा योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कार्यक्रम में भाग लिया और इसे जनहित में उपयोगी बताया। एवं दो महिलाओं का गोद भराई किया गया।मौके पर रामगढ़ अंचल सहायक मासूक अली चितरपुर बीडीओ दीपक मिंज,चितरपुर पूर्वी मुखिया भानु प्रकाश महतो, चितरपुर उत्तरी मुखिया मंजू देवी, उप मुखिया मोहराय महतो आदि थे।

माननीय मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

रामगढ, संवाददाता

नवंबर को माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन के रामगढ़ जिला अंतर्गत गोला प्रखंड के लुकैयाटांड़ बरलंगा में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर सोमवार को उपायुक्त रामगढ़ श्री फैज अक अहमद मुमताज ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारीयों का जायजा लिया। मौके पर उपायुक्त ने कार्यक्रम के आयोजन को लेकर अब तक की गई तैयारियों का जायजा लेते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उपायुक्त ने अतिथियों व आम जनों के बैठने की व्यवस्था, मंच, डी एरिया, हेलीपैड, पार्किंग व्यवस्था सहित कार्यक्रम के दौरान स्थल पर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने सहित अन्य दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त श्री आशीष अग्रवाल, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा श्री रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला शिक्षा अधीक्षक श्री संजीत कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी गोला डॉक्टर सुधा वर्मा, एसएमपीओ श्री विक्रम सोनी सहित अन्य उपस्थित थे।

उच्च विद्यालय चिलगड़ा में बेटियों के सशक्तिकरण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बोकारो, संवाददाता

उच्च विद्यालय चिलगड़ा में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, जरीडीह के नेतृत्व में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएँ और अभिभावक बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने बेटियों के महत्व और उनके भविष्य निर्माण में शिक्षा की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। प्राध्यापक अनुज कुमार महतो ने कहा कि समाज की प्रगति तभी संभव है जब बेटियाँ शिक्षित हों। शिक्षक अघनु गोराई ने बताया कि बेटियाँ आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और परिवार तथा स्कूल दोनों को मिलकर उनका समर्थन करना चाहिए। शिक्षक संजय कुमार दांगी ने इसे सामाजिक परिवर्तन का अभियान बताते हुए भेदभाव मिटाने पर जोर दिया। शिक्षिका रूबी कुमारी ने कहा कि बेटियों में अद्भुत प्रतिभा होती है और सही मार्गदर्शन मिलने पर वे हर लक्ष्य हासिल कर सकती हैं। शिक्षक विक्रम कुमार ने जागरूकता कार्यक्रमों को आवश्यक बताया, जबकि सहायक अध्यापक अजय कुमार नायक ने स्कूल में बेटियों के लिए बेहतर वातावरण सुनिश्चित करने की बात कही। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ने उपस्थित लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बेटियों की शिक्षा और अधिकारों के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी के सहयोग के लिए आभार जताया।

हीसिम पंचायत में भव्य जनसेवा शिविर, ग्रामीणों को मिली विविध सेवाएं

बोकारो, संवाददाता

कसमार प्रखंड के हीसिम पंचायत सचिवालय में सोमवार को आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत भव्य जनसेवा शिविर आयोजित किया गया, जिसमें सुबह से ही ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी। मनरेगा रोजगार कार्ड, बागवानी योजना, खेसारी बीज वितरण, आयझजाति प्रमाण पत्र सहित कई सेवाओं का मौके पर निस्तारण किया गया। लंबित मामलों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि जिला भू-अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा उपस्थित रहे। उनके साथ कसमार उड नरेंद्र कुमार सिंह, इञ्ड नम्रता जोशी, विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद शेरे आलम, 20 सूत्री अध्यक्ष दिलीप हेंब्रम, मुखिया बबिता देवी और पंचायत समिति सदस्य जागेश्वर मुर्मू मौजूद थे। अधिकारियों ने कहा कि सरकार की मंशा है कि सभी सेवाएँ सीधे ग्रामीणों के द्वार तक पहुंचें। उड और इञ्ड ने बड़ी संख्या में जारी प्रमाण पत्रों की जानकारी दी, वहीं जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम को जनता के लिए लाभकारी बताया। ग्रामीणों ने एक ही जगह पर सभी सुविधाएँ मिलने पर प्रशासन की सराहना की।

न्यायालय प्रांगण से 21 अपराधियों को पुलिस कप्तान की गठित टीम ने किया गिरफ्तार

रामगढ़, संवाददाता

जप्त समानों की विवरणी:-

(1) मोबाइल फोन कुल- 26	
(2) स्कॉर्पियां - 01	
(3) वॉकी-टॉकी- 02	
(4) चांदी जैसा ब्रेसलेट-01	
(5) स्मार्ट वॉच - 03	

टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारियों की सूची

1. गौरव गोस्वामी, सहायक पुलिस अधीक्षक-सह-अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, पतरातु।
2. श्री अजय कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, सीoसीoआरo ।
3. पुoनिo नवीन प्रकाश पाण्डेय, पुoनिo-सह-थाना प्रभारी, रामगढ़।
4. पुoनिo सत्येन्द्र कुमार, पुलिस निरीक्षक, पतरातु अंचल ।
5. पुoअoनिo शिवलाल कुमार गुप्ता, थाना प्रभारी, पतरातु।
6. पुoअoनिo उमाशंकर वर्मा, ओoपीo प्रभारी बरकाकाना।
7. पुoअoनिo उपेन्द्र कुमार, ओoपीo प्रभारी मुरकुण्डा।
8. पुoअoनिo अखतर अली, ओoपीo प्रभारी मदानीनगर।
9. पुoअoनिo प्रदीप रजक, पतरातु थाना।
10. पुoअoनिo जोनी कुमार, रामगढ़ थाना।
11. पुoअoनिo बिरबल हेम्ब्रम, रामगढ़ थाना।
12. पुoअoनिo कुणाल कुमार, मुरकुण्डा थाना।
13. पुoअoनिo दिगम्बर पाण्डेय, साईंबर थाना।
14. पुoअoनिo रंजीत यादव, माननीय व्यवहार न्यायालय, रामगढ़।
15. सoअoनिo जसमुद्दीन अंसारी, पतरातु थाना।
16. अन्य सशस्त्र बल।

रामगढ़ के पुलिस कप्तान अजय कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी देते हुए बताया किरामगढ़ पुलिस के द्वारा संगठित अपराध गिरोह के पाण्डेय गिरोह, अमन साहु गिरोह एवं श्रीवास्तव गिरोह के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि संगठित अपराधी गिरोह के अपराधी माननीय व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ के आस-पास एकत्रित हुये है, जो अपराध कर सकते हैं। उक्त प्राप्त सूचना पर कार्रवाई हेतु श्री गौरव गोस्वामी, सहायक पुलिस अधीक्षक-सह-अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पतरातु के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा छोटे-छोटे ग्रुपों में बाँटकर माननीय व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ एवं आस-पास के क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखी जा रही थी एवं सूचना संकलन किया जा रहा था। इसी क्रम में अपराधिक ग्रुप के कुछ लोगों के द्वारा माननीय व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ में घुसकर हल्ला हंगामा करने की सूचना प्राप्त हुई। इस प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सिविल दस्ते के रूप में तैनात पुलिस पदाधिकारी एवं जवानों की टीम के द्वारा श्रीवास्तव गिरोह के सदस्यों को कोर्ट परिसर एवं बाहर से हिरासत में लेते हुए पूछताछ किया गया। हिरासत में लिये गये कुल 21 अपराधियों के द्वारा न्यायालय में हल्ला-हंगामा करने की बात को स्वीकार किया गया है, इनमें से कई अपराधी ऐसे हैं, जिस पर दर्जनों काण्ड अंकित हैं। अग्रतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। संगठित अपराध गिरोह के विरूद्ध रामगढ़ पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी किसी भी गिरोह के सदस्यों / अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।

जेएसएलपीएस कर्मियों की मांगों को लेकर हड़ताल शुरू

बोकारो, संवाददाता

झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी संघ, बोकारो इकाई के बैनर तले एल-5 से एल-8 तक के जेएसएलपीएस कर्मियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 21 नवंबर 2025 से अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। बोकारो जिलाध्यक्ष जानकी महतो के नेतृत्व में यह धरना पलाश जेएसएलपीएस जिला कार्यालय के समक्ष आयोजित किया जा रहा है। संघ ने सरकार के समक्ष अपनी लंबित मांगों को दोहराते हुए कहा कि वर्षों से उठाए जा रहे मुद्दों पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। संघ की प्रमुख मांगों में एनएमएमयू नीति को बिना संशोधन लागू करना, पलाश जेएसएलपीएस को सोसायटी एक्ट से हटाकर कर्मियों को राज्य कर्मचारी का दर्जा देना, एल-5 से एल-8 तक के कर्मियों को वरिष्ठता एवं योग्यता के आधार पर आंतरिक प्रोन्नति प्रदान करना शामिल है। इसके साथ ही प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत स्वचालित वेतन वृद्धि लागू करने तथा स्तर-7 व स्तर-8 के कर्मियों की पदस्थापना गृह जिले के नजदीकी प्रखंड में किए जाने की मांग भी प्रमुख है। हड़ताल के दौरान डीएफएम समकृष्ण पाठक, डीएमएफआई अमरनाथ सहित सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे। संघ ने स्पष्ट किया है कि जब तक सभी मांगों पर सरकार सकारात्मक निर्णय नहीं लेती, तब तक हड़ताल अनवरत जारी रहेगी।

धरती पर डायनासोर आ सकता है, बिहार में RJD नहीं

जीतनराम मांझी का तंज; जेपी सेतू का निरीक्षण करने पहुंचे CM नीतीश

पटना। केंद्रीय मंत्री HAM सुप्रीमो जीतन राम मांझी ने RJD पर तंज कसा है। उन्होंने पर लिखा, 'जो धरती पर डायनासोर का हुआ, आने वाले वक्त में वही हश्र बिहार में राजद का होगा। अब तो सब लोग कहने लगें हैं- धरती पर दोबारा डायनासोर आ सकता है, लेकिन बिहार में राजद के लोग नहीं आ सकते..। इधर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को अचानक नवनिर्मित MLA फ्लैट का निरीक्षण करने पहुंच गए। इसके बाद वे जेपी गंगा पथ पहुंचे, जहां उन्होंने सौंदर्यीकरण कार्य का जायजा लिया।AIMIM प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बिहार में नीतीश सरकार को समर्थन देने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वो नीतीश सरकार को अपना समर्थन देने के लिए तैयार हैं, बशर्ते सीमांचल के साथ न्याय किया जाए।'ओवैसी ने कहा, 'समर्थन तभी देंगे जब बिहार सरकार सीमांचल के लोगों को वह अधिकार देगी और वहां का विकास करेगी, जिसका वह सालों से इंतजार कर रहे हैं।'केंद्रीय मंत्री बोले- क्रिमिनल्स अपराध छोड़ दें या फिर बिहार मंत्रिमंडल में विभाग का बंटवारा होने के बाद से ही नई सरकार चर्चा में है। सबसे ज्यादा चर्चा गृह विभाग को लेकर हो रही है। दरअसल, 20 साल में नीतीश कुमार ने पहली बार गृह विभाग अपने पास नहीं रखा है। अब ये सम्राट चौधरी के पास है। गृह विभाग बीजेपी को मिलने को लेकर केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने रविवार को कहा कि वह किसी तरह का विवाद या असहमति का विषय नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि 2005 से ही बिहार में कानून का राज कायम है, लेकिन सम्राट चौधरी के गृह मंत्री बनते ही अपराधियों के लिए बिहार की जमीन और तंग हो जाएगी। सरकार उनसे निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।सतीश चंद दुबे एक अस्पताल के उद्घाटन के दौरान मीडिया से बात कर रहे थे, जहां उन्होंने यह भी कहा कि NDA में गृह विभाग को लेकर किसी तरह का कोई बवाल नहीं है। हम सभी एकजुटता के साथ और मजबूती से सरकार चला रहे हैं।हिंदुस्तान की जम्हूरियत सुरक्षित और संरक्षित है: JDU जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी के बयान पर जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, मौलाना अरशद मदनी साहब, ये हिंदुस्तान है, हिंदुस्तान की जम्हूरियत इतनी सुरक्षित और संरक्षित है और आप 'न्यूयॉर्क' जा रहे हैं? लोकतंत्र है, संविधान है और यहां देश के हर जाति और धर्म के लोगों को काम करने का अधिकार है। दरअसल, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रेसिडेंट मौलाना अरशद मदनी ने एक कार्यक्रम में कहा कि लंदन या न्यूयॉर्क जैसे बड़े विदेशी शहरों में मुसलमान मेयर बन सकते हैं, लेकिन भारत में मुसलमान किसी यूनिवर्सिटी का कुलपति तक नहीं बन सकता। मदनी ने आगे कहा कि अगर कोई मुसलमान बड़ा पद हासिल भी कर ले तो उसका अंजाम आजम खान जैसा हो सकता है। जिसे जेल तक भेज दिया गया। उन्होंने ये कहा कि बिना किसी वजह के देश के लोगों को धार्मिक आधार पर बांटा जा रहा है।रविवार को डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी तारापुर पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद डिप्टी सीएम ने नवगाई समेत कई पंचायतों और गांवों का दौरा किया। सोमवार को वे असरगंज प्रखंड के विभिन्न गांवों का दौरा करेंगे और आम लोगों से संवाद करेंगे।कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा, ‘सम्राट चौधरी को गृह मंत्रालय मिला है। हम उम्मीद करते हैं कि गुंडाराज का समापन होगा और बिना किसी डर-भय के आम जन जीवन चलेगा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को अचानक नवनिर्मित MLA फ्लैट का निरीक्षण करने पहुंच गए। इसके बाद वे जेपी गंगा पथ पहुंचे, जहां उन्होंने सौंदर्यीकरण कार्य का जायजा लिया। मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा, नीतीश कुमार के नेतृत्व में काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। उनसे मुलाकात हुई और उन्होंने आशीर्वाद दिया और हम आगे अच्छा काम करें इसके लिए शुभकामनाएं दीं। हम काफी कुछ सीख रहे हैं मुझे सभी वरिष्ठ नेताओं से काफी कुछ सीखना है। इस बारे में काफी कुछ बातचीत हुई। हैदराबाद से सांसद और AIMIM के चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, हम पटना में बैठी सरकार को समर्थन देने के लिए तैयार हैं, लेकिन शर्त है कि सीमांचल को उनका हक मिलना चाहिए। सिर्फ राजगीर का, नालंदा का विकास न हो, सीमांचल दशकों से उपेक्षा का शिकार हो रहा है। अब स्थिति सुधरनी चाहिए।

8 दिन से कहां गायब हैं तेजस्वी यादव

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में सबसे ज्यादा चर्चा जिस नेता ने बटोरी, वह थे तेजस्वी यादव। क्योंकि वे जीत को लेकर इतने आश्वस्त थे कि उन्होंने तारीख भी तय कर दी थी- 14 नवंबर रिजल्ट, 18 को शपथ। लेकिन जब नतीजे आए, घटनाक्रम उलट गया। NDA ने 202 सीटें जीतकर सत्ता में वापसी की और RJD सिर्फ 25 सीटों पर सिमट गई। पूरे महागठबंधन का आंकड़ा भी 35 से आगे नहीं बढ़ा। चुनावी हार के बाद एक और बात चर्चा में रही- तेजस्वी यादव का सार्वजनिक जीवन से अचानक गायब हो जाना। 20 नवंबर को पटना के गांधी मैदान में ऐतिहासिक शपथ समारोह हुआ। प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, 11 राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद थे, लेकिन तेजस्वी यादव गायब। आमंत्रण भी गया था, सीट भी रिजर्व थी, लेकिन तेजस्वी नहीं दिखे। 14 से 23 नवंबर तक वे ना रोड पर, ना मीडिया के सामने, ना प्रेस कॉन्फ्रेंस में नजर आए। बस राबड़ी आवास तक सीमित रहे। सोशल मीडिया पर तेजस्वी ने नीतीश सरकार को सिर्फ एक औपचारिक रूप से बधाई दी। इन 8 दिनों में RJD में विवाद, परिवार में नाराजगी, हार की समीक्षा को लेकर उथल पुथल चलती रही।14 नवंबर को नतीजों की घोषणा शुरू हुई तो तेजस्वी अपने 1, पोलो रोड आवास में ही रहे। RJD की सीटें घटती गईं, लेकिन पूरे दिन उन्होंने मीडिया से दूरी बनाए रखी। रात में वे राबड़ी आवास पहुंचे, लेकिन कोई बयान नहीं दिया। 15-16 नवंबर के दिन भी सन्नाटा देखने को मिला। इस चुनावी हार के बाद परंपरा रही है कि विपक्ष का नेता जनता और समर्थकों को संदेश दे, लेकिन तेजस्वी बाहर ही नहीं आए। सबसे बड़ा सवाल शपथ ग्रहण समारोह को लेकर उठा, क्योंकि बिहार के राजनीतिक इतिहास में ऐसा शायद ही हुआ होगा कि नेता प्रतिपक्ष इस मौके पर मौजूद ना हो। नीतीश कुमार 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले रहे थे। मंच पर प्रधानमंत्री सहित दर्जनों राष्ट्रीय नेता थे, लेकिन पक्षऊ की खाली कुर्सी सभी का ध्यान खींच रही थी। क्या तेजस्वी निमंत्रण से नाखुश थे या कोई रणनीति थी या परिवार में चल रहे विवाद ने सार्वजनिक उपस्थिति रोक ली? पक्षऊनेताओं ने भी इस मामले पर चुप्पी साध रखी थी। तेजस्वी की यही चुप्पी चर्चा का सबसे बड़ा विषय बन गई है। 14 नवंबर की सुबह चुनावी गिनती के दौरान शुरुआत में RJD कार्यकर्ता उत्साहित थे। सेट ट्रेंड देख उम्मीदें बनीं, लेकिन धीरे-धीरे तस्वीर बदलने लगी। पोलो रोड आवास के बाहर मीडिया, समर्थक, राजनीतिक विश्लेषक जुटे। सभी को केवल तेजस्वी के बयान का इंतजार था, लेकिन पूरे दिन ना कोई प्रेस नोट, ना अपीयरेंस, ना सोशल मीडिया संदेश। देर रात तक जब हार तय हो गई थी, तेजस्वी राबड़ी आवास पहुंचे, लेकिन वहां भी सन्नाटा पसरा था। लालू परिवार में क्या हुआ, रणनीति पर क्या चर्चा हुई, इसको लेकर बाहर किसी को भी जानकारी नहीं दी गई। यह पहली बार हुआ, जब तेजस्वी ने चुनावी हार पर फौरन कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इससे यह सवाल उठा कि क्या RJD की हार उम्मीद के विपरीत थी, क्योंकि वे जीत को निश्चित मान बैठे थे या पार्टी के भीतर असंतोष को शांत करने में देरी हुई। RJD के कुछ कैडर लगातार पूछते रहे- दिशा क्या है? लेकिन जवाब नहीं मिला। उस रात RJD की चुप्पी ने कहानी बदल दी।चुनाव में हार के बाद 15-16 नवंबर के दिन मीडिया ने तेजस्वी को खोजने की कोशिश की। इसी दौरान जानकारी आई कि वे पासपोर्ट ऑफिस गए थे, लेकिन मुख्य गेट से नहीं, पीछे के गेट से। यह खबर जैसे ही फैली, राजनीतिक अफवाहें शुरू हो गईं। क्या विदेश जाने की तैयारी है? क्या मेडिकल इमरजेंसी है या क्या यह मीडिया से दूरी बनाए रखने की रणनीति है? इस पर RJD ने सफाई दी-पासपोर्ट रिन्यूअल था पर सवाल खत्म नहीं हुए। इससे यह भी साबित हुआ कि तेजस्वी सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं देना चाहते थे। यह वो तेजस्वी थे, जिन्होंने चुनाव से पहले सबसे ज्यादा 171 रैलियां कीं, नीतीश से भी दोगुनी।

थाईलैंड में जॉब के नाम पर मानव तस्करों को बेचा

गयाजी। के रहने वाले धर्मेंद्र (35) जॉब के नाम पर थाईलैंड में मानव तस्करों के चंगुल में फंस गया। थाईलैंड से उन्हें म्यांमार ले जाया गया, जहां उन्हें मानव तस्कर के चंगुल में फंसने का एहसास हुआ।धर्मेंद्र वहां से निकलने का जुगाड़ लगा रहा था। इसी दौरान म्यांमार की सेना ने छापेमारी की। धर्मेंद्र के साथ 7 लोगों का रेस्क्यू किया। फिर उन्हें इंडियन एंबेसी के हवाले किया गया, जहां से धर्मेंद्र अपने घर गयाजी लौटे। गयाजी पहुंचे धर्मेंद्र ने बताया कि तीन दिनों तक मानव तस्करों के चंगुल में था। खाना छोड़िए, पीने को पानी भी नहीं देते थे।गयाजी के छोटकी डेल्हा के रहने वाले धर्मेंद्र ने बताया कि, 2014 में ग्रेजुएशन करने के बाद पुणे चले गए थे। कुछ साल बाद शादी और दो बच्चे होने के बाद कोरोना में नौकरी चली गई। नौकरी ढूंढ रहे थे, इसी दौरान तीसरा बच्चा हुआ। घर में बुजुर्ग माता-पिता हैं। मां हाउस वाइफ हैं, पिता का सैलून है। घर की आर्थिक स्थिति खराब हो रही थी तो नौकरी के लिए एक दोस्त से बात की। उसने मुजफ्फरपुर के शुभम का नंबर दिया। शुभम ने थाईलैंड में 27 हजार थाई करेंसी (करीब 76 हजार रुपए) की सैलरी, फाइव स्टार होटल और मल्टीनेशनल कंपनी का ऑफर दिया। धर्मेंद्र बताते हैं कि, ऑफर अच्छा था तो हमने हां बोल दिया। कंपनी के बुलाने पर थाईलैंड चला गया। वहां से म्यांमार भेजा गया, लेकिन वहां कुछ ऐसा हुआ कि मानो सपना ही टूट गया। पता चला कि मैं साइबर स्कैम वाले गिरोह के चंगुल में फंस चुका हूं। थाईलैंड जाने के लिए एक लाख रुपए खर्च किए थे। वहां से घर आते-आते एक एजेंसी ने 50 हजार रुपए और ठग लिए। 7 राउंड इंटरव्यू, थाईलैंड में जॉब का ऑफरधर्मेंद्र के मुताबिक, दोस्त ने मुजफ्फरपुर के शुभम का नंबर दिया और कहा कि तुम इससे बात करो। तुम्हारी मदद करेगा। मुझे पैसे की जरूरत थी तो शुभम को कॉल किया। शुभम ने मेरा इंटरव्यू लिया। इसके बाद इसी साल जुलाई में करीब 7 राउंड इंटरव्यू के बाद थाईलैंड की एक कंपनी ने मुझे सिलेक्ट कर लिया। मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब का ऑफर मिला। धर्मेंद्र बताते हैं कि जिस कंपनी में मेरा सिलेक्शन हुआ था, उसका नाम 'केके-5' था। इस कंपनी को गुगल पर सर्च किया, लेकिन कुछ पता नहीं चला। फिर शुभम को कॉल कर इसकी जानकारी दी, तो उसने बताया कि केके-5 एक पार्क है, जिसके अंदर कई बड़ी कंपनियां हैं। ये सुनकर मुझे तसल्ली हुई। 14 अक्टूबर को टिकट मिला, 19 अक्टूबर को मैं गयाजी से पटना पहुंचा और फिर फ्लाइट से 20 अक्टूबर को थाईलैंड पहुंच गया। धर्मेंद्र ने बताया कि 20 अक्टूबर को थाईलैंड पहुंचने के बाद मुझे फाइव स्टार होटल में ठहराया गया। यहां भी फाइनल इंटरव्यू के नाम पर कुछ लोगों ने मुझसे बात की और कहा कि आपका सिलेक्शन प्रोसेस पूरा हो चुका है। फिर मैं अपने कमरे में आराम करने लगा।थोड़ी देर बाद दरवाजे पर एक शख्स पहुंचा और कहा सारा सामान पैक कर लो। ऑफिस चलना है। फिर मुझे महंगी गाड़ी में बैठाया गया। मेरे साथ 7 लोग और थे। हम लोगों को शहर से दूर जंगल और पहाड़ों की ओर ले जाया गया। जंगल और पहाड़ देखकर ड्राइवर से पूछा ऑफिस कितनी दूर है। इतना कहने के बाद ड्राइवर और उसके साथ मौजूद एक शख्स ने पिस्टल निकाल ली और कहा कि चुपचाप बैठे रहो नहीं तो गोली मार देंगे। कार रुकी तो बाइक सवारों के हवाले किया, सभी के हाथ में पिस्टल थाधर्मेंद्र ने बताया कि जंगलों के बीच कार रुकी तो हमलोगों को बाइकर्स के हवाले कर दिया गया। इन लोगों ने जंगल के बीच एक कमरे में रखा। वहां कुछ अजीब लग रहा था। इस दौरान शुभम से बात की तो उसने कहा तुम लोगों को साइबर स्कैम वाले गिरोह के हाथों बेच दिया गया है और तुम्हारी लोकेशन फिलहाल म्यांमार में है। 23 अक्टूबर को अचानक म्यांमार की आर्मी ने कमरे पर छापा मारा और हम सभी 8 लोगों का रेस्क्यू कर मिसार्ट नाम की जगह लेकर आया। धर्मेंद्र के पिता उपेंद्र शर्मा ने बताया कि, सैलून का काम एक साल से बंद है। आमदनी का कोई स्रोत नहीं है। मुझे जैसे ही पता चला कि मेरा बेटा धर्मेंद्र म्यांमार में बंधक बना लिया गया है। तो मेरे होश उड़ गए। मेरी पत्नी दमयंती देवी बार-बार बेसुध हो रही थी। मैं तत्काल गयाजी के एसएसपी आनंद कुमार के पास पहुंचा। उन्होंने पहले भरोसा दिया कि आपके बेटे को कुछ नहीं होगा। मैं जांच कराता हूं। धर्मेंद्र की मां दमयंती ने कहा कि मेरा बेटा छोटी दिवाली के दिन घर से निकला था। तीन दिन बाद ही पता चला कि उसे बंधक बना लिया गया है। घर में 9 दिन का बच्चा है। जब उसे देखती थी तो और भी डर लगता था। मेरे बेटे को कुछ हो जाएगा, तो पोते-पोती का क्या होगा। लेकिन भगवान ने हमारी सुन ली और मेरे बेटे को सही सलामत भेज दिया।

ठाकुरगंज विधायक ने नशा, खनन के खिलाफ भरी हुंकार

किशनगंज। के ठाकुरगंज विधानसभा 53 से नव निर्वाचित जदयू विधायक गोपाल कुमार अग्रवाल ने पौआखाली थाना क्षेत्र के नगर पंचायत बाजार में ड्रग्स नशा और अवैध खनन के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने घोषणा की कि 24 घंटे के भीतर इन गतिविधियों पर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।विधायक अग्रवाल ने इस अवसर पर अपनी जीत के लिए मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद उन्हें दोबारा सेवा का मौका मिला है और वे चौतरफा विकास कर अपना फर्ज निभाएंगे। उन्होंने नशा मुक्ति अभियान में सभी से भागीदारी निभाने और एक-दूसरे को जागरूक करने की अपील की। विधायक ने लोगों से प्रशासन का सहयोग लेने का आग्रह किया और कहा कि यदि रोकथाम नहीं होती है, तो वे सीधे उनसे संपर्क कर ऐसे लोगों की जानकारी दें, जिस पर वे स्वयं कार्रवाई करेंगे। उनका उद्देश्य समाज के उज्जवल भविष्य को सुनिश्चित करना है। इस कार्यक्रम में जदयू नगर अध्यक्ष हबीबुर रहमान, प्रोफेसर विष्णु कांत झा, पूर्व मुखिया अजय सिन्हा, वार्ड पार्षद दिलीप दास, पूर्व जिला परिषद धनपति सिंह, शमीम, जदयू नेता इस्राफील उर्फ मौलवी, शिवचंद्र शर्मा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

पटना, खगड़िया समेत 10 शहरों में घना कोहरा

2-3 डिग्री गिरेगा पारा, 7 से ज्यादा ट्रेनें लेट; अररिया गयाजी और राजधानी की हवा खतरनाक

पटना। बिहार में धीरे-धीरे न्यूनतम तापमान गिर रहा है और ठंड बढ़ रही है। सुबह-सुबह पटना, खगड़िया, गोपालगंज, सारण, बेगूसराय समेत 10 शहरों में घना कोहरा देखने को मिला मौसम विज्ञान के अनुसार, अगले 2 से 3 दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जाएगी। इससे बढ़ेगी।पिछले 24 घंटे में सबसे कम न्यूनतम तापमान किशनगंज में 12.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, अधिकतम तापमान की बात करें तो अररिया में 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।मौसम विज्ञान के अनुसार, फिलहाल दोपहर में धूप निकलने से लोगों को ठंड से राहत मिल रही है। लेकिन, 27- 28 नवंबर के बाद से ठंड और बढ़ जाएगा। धूप में भी हल्की ठंड महसूस होने लगेगी। खासकर उत्तर बिहार और पहाड़ी इलाकों में तापमान तेजी से गिर सकता है।राजधानी में इन दिनों सुबह और रात का तापमान लगातार नीचे जा रहा है। दिन में धूप निकलने से सामान्य स्थिति बनी हुई है, लेकिन अगले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना है। सुबह-शाम हल्का कोहरा भी छाया रह सकता है। ठंड बढ़ने के साथ ही हवा भी दूषित हो रही है।पिछले 24 घंटे में बिहार के कई शहरों में अतिखराब श्रेणी में दर्ज किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि ठंड के मौसम में प्रदूषित कण नीचे की परत में जमा हो जाते हैं, जिससे हवा की गुणवत्ता खराब हो जाती है। ऐसे में सुबह-शाम मास्क पहनकर बाहर निकले। बच्चों और बुजुर्गों को प्रदूषण से बचाने की सलाह दी गई है।लखीसराय में फिलहाल मौसम साफ है। तापमान में लगातार गिरावट देखी जा रही है। मौसम विभाग की मानें तो 4-5 दिनों में ठंड बढ़ेगी। अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।नालंदा में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री है। सुबह-सुबह हल्का कोहरा है। पौधों पर भी ओस है। हवा की रफ्तार कल से थोड़ी कम हुई है। इससे लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिली है।गोपालगंज में हल्की धुंध छाई है। लोगों को दिन में गाड़ियों का लाइट जलाकर जाना पड़ रहा है। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले समय में ठंड बढ़ने वाली है। यहां न्यूनतम तापमान 14 डिग्री के आसपास है।सारण में न्यूनतम तापमान 16 डिग्री है। अधिकतम 28 डिग्री के आसपास है। कोहरे की वजह से लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। मौसम विभाग ने 5-7 दिनों में कड़ाके की ठंड का अनुमान जताया है।

संक्षिप्त डायरी

मदनपुर में ऑटो और बाइक की भीषण टक्कर

औरंगाबाद। के मदनपुर थाना क्षेत्र में रविवार को एक ऑटो ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। यह हादसा शिवनाथ बिगहा मोड़ स्थित एनएच 19 पर हुआ, जिसमें बाइक चालक घायल हो गया।घायल बाइक चालक की पहचान औरंगाबाद के सिमरा गांव निवासी श्यामसुंदर सिंह के 42 वर्षीय पुत्र विनय कुमार के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद उन्हें मदनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर कुमार जय ने विनय कुमार का प्राथमिक उपचार किया। विनय कुमार ने बताया कि वह औरंगाबाद से मदनपुर किसी निजी काम से आए थे, तभी यह दुर्घटना हुई। उनके दाहिने पैर और बाएं हाथ में चोटें आई हैं।

महिला से सोने के ज्वेलरी की ठगी

किशनगंज। सदर थाना क्षेत्र के सुभाषपल्ली चौक के पास शनिवार को एक महिला से दिनदहाड़े ठगी की घटना सामने आई है। अज्ञात ठगों ने महिला को डराकर और अंधविश्वास का सहारा लेकर उसके सोने के जेवरात ठग लिए। पीड़िता के पति सुदीप्तो दास ने तुरंत सदर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्राथमिकी के अनुसार, पीड़िता अपने घर की ओर जा रही थी। सुभाषपल्ली चौक के पास दो युवक, जिन्होंने साधु का वेश धारण किया हुआ था, उनके पास आए। उन्होंने महिला को डराने वाली बातें कहना शुरू कर दिया, जैसे 'आपके घर में बहुत बड़ी अनहोनी होने वाली है' और 'आपके बहुत बड़ा खतरा मंडरा रहा है।' 'अगर घर-परिवार को बचाना है तो एक खास मंत्र पढ़वाना होगा।'महिला इन बातों से घबरा गई। इसके बाद ठगों ने उसे अपनी बातों में उलझाते हुए कहा कि अगर घर-परिवार को बचाना है तो एक खास मंत्र पढ़वाना होगा। इसके लिए महिला को अपने सभी धातु के जेवर (सोने-चांदी) निकालकर उन्हें सौंपने होंगे। डर और भ्रम में आकर महिला ने अपने गले से सोने का चेन, दोनों हाथों से दो सोने की चूड़ी और उंगली से एक अंगूठी उतारी। उसने अपना चेन भी ठगों को थमा दिया। जैसे ही महिला पीछे मुड़ी, दोनों ठग जेवरात लेकर तेजी से मौके से फरार हो गए। घर पहुंचकर महिला ने अपने पति सुदीप्तो दास को पूरी घटना बताई। इसके बाद दोनों तुरंत सदर थाना पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई।महिला से ठगी की लिखित शिकायत मिली - सदर थानाध्यक्षसदर थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार रंजन ने बताया कि महिला से ठगी की लिखित शिकायत मिली है। इसके आधार पर अज्ञात ठगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है और जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने की उम्मीद है।पुलिस का कहना है कि यह ठगी का एक नया तरीका है, जिसमें अंधविश्वास और डर का सहारा लेकर महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में किशनगंज और आसपास के इलाकों में ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि कोई भी अजनबी यदि इस तरह की बात करे तो तुरंत नजदीकी थाने या पुलिस हेल्पलाइन 112 पर सूचना दें और अपने जेवरात किसी को न सौंपें।

इंडियन क्रिकेटर मुकेश कुमार पहुंचे पूर्णिया

पूर्णिया। इंडियन क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार रविवार को पूर्णिया पहुंचे। वे दिवंगत शिक्षाविद् रमेश चंद्र मिश्र की 74वीं जयंती समारोह में शिरकत करने VVRS परोरा पहुंचे थे। इंडियन क्रिकेटर मुकेश कुमार खुद इसे लेकर काफी उत्साहित दिखे। यहां पहुंचकर उन्होंने शिक्षाविद् को सच्ची श्रद्धांजलि दी। T 20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रैंड फिनाले में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस दौरान पूरा स्टेडियम लोगों की भीड़ से भरा नजर आया।इस दौरान मीडिया से बात करते हुए इंडियन क्रिकेटर मुकेश कुमार ने कहा कि मैं पहली बार पूर्णिया आया हूं। मुझे पूर्णिया और इस ग्राउंड पर आकर काफी अच्छा लग रहा है। मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं पूर्णिया में नहीं बल्कि बाहर हो हूं। यहां का वातावरण और माहौल बहुत अच्छा है।गेंदबाज ने VVRS को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्कूल दुगुनी और रात चौगुनी तरक्की करता रहे। जैसे मैं निकला हूं, हर डिस्ट्रिक्ट से हर युवा का सपना होता है खेलने का। यहां के बच्चों में भी आगे बढ़ने की प्रतिभा है। खेलकूद के साथ पढ़ाई भी बहुत जरूरी है। हमेशा ऑप्शन लेकर चलना चाहिए। आज के जमाने में आईपीएल के जैसा मंच भी आ गया है। हर कोई अच्छे से मेहनत करेगा वो आईपीएल तक चला जाएगा। साथ ही बच्चों को मेरी शुभकामनाएं भी हैं।इससे पहले ढोल-नगाड़ों के साथ क्रिकेटर मुकेश कुमार का जोरदार स्वागत हुआ। उन्होंने दिवंगत शिक्षाविद् रमेश चंद्र मिश्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय के छात्रछात्राओं ने वेलकम गीत गाए। विद्या विहार समूह के सचिव राजेश चंद्र मिश्र और उनके भाई ब्रजेश चंद्र मिश्र ने स्वागत भाषण देते हुए संस्थापक के मूल्यों, शिक्षा-दर्शन और व्यक्तित्व को याद किया।विद्या विहार आवासीय विद्यालय की टीम को मिली जीतफाइनल मैच में विद्या विहार आवासीय विद्यालय की टीम ने रोमांचक संघर्ष के बाद डीएवी कहलगांव को 19 रन से पराजित कर लगातार दूसरी बार चैंपियनशिप अपने नाम की।क्रिकेटर मुकेश कुमार ने विजेता टीम को 60 हजार कैश और विजेता ट्रॉफी, उपविजेता टीम को 40 हजार और ट्रॉफी भेंट किया। सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली मिलिया कॉन्वेंट इंग्लिश स्कूल, बनभाग और पार्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय, हरदा इन दोनों टीमों को 15,15 हजार कैश और ट्रॉफी दी गई। सुधांशु शेखर फाइनल के मैन ऑफ द मैच और अनुकूल चंद्र टूर्नामेंट के मैन ऑफ द सीरीज रहे।संस्थापक की प्रतिमा पर पुष्पांजलि दीवहीं VVRS परोरा के संस्थापक दिवंगत रमेश चंद्र मिश्र की 74वीं जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। विद्यालय, महाविद्यालय, कोचिंग संस्थान और ब्रजेश ऑटोमोबाइल्स के सभी सदस्यों ने विद्यालय के मुख्य द्वार स्थित स्मारक और स्टेडियम में स्थापित संस्थापक की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया। इसी के साथ दिनभर चलने वाले आयोजन का शुभारंभ हुआ।संस्थापक के जयंती के अवसर पर विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन वीवीआईटी प्रांगण में किया गया। जहां विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों, अभिभावकों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

टायर की हवा जांचने के लिए रुके वाहन में घुसा मिनी ट्रक, एक की मौत

औरैया, एजेंसी। औरैया जिले में रविवार रात 2.30 बजे कानपुर-इटावा हाईवे पर टायर का हवा चेक करने के लिए चालक ने मिनी ट्रक रोक दिया। तभी इटावा की ओर से आ रहा दूसरा मिनी ट्रक जा भिड़ा। चालक के बगल में बैठी कानपुर देहात निवासी युवक की मौत हो गई। घटना पता लगते ही चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। वाहनों को क्रेन से किनारे कराया गया। हादसा जनेतपुर गांव सुदिति ग्लोबल स्कूल के सामने हुआ। मध्य प्रदेश प्रांत के भिंड जनपद अमायन निवासी चालक अर्पित सिंह पुत्र प्रमेश सिंह चौहान जनेतपुर गांव के सामने हाईवे किनारे गाड़ी को खड़ा करके टायर की हवा जांच रहा था। पीछे से आ रहा मिनी ट्रक वाहन से टकरा गया। चालक वाहन को छोड़कर भाग गया और बैठी सवारी योगेंद्र सिंह (37) निवासी गांव कसोलर थाना मंगलपुर जिला कानपुर देहात की मौत हो गई।

गंगा में 19 किलोमीटर के दायरे से हटाए जाएंगे बड़े पत्थर, मालवाहक व क्रूज के संचालन होंगे आसान

वाराणसी, एजेंसी। जल परिवहन में गाजीपुर से बनारस के

बीच 19 किमी तक बड़े पत्थर बाधक बने हुए हैं। इसकी वजह से गंगा में मालवाहक और क्रूज का संचालन नहीं हो पा रहा है। गंगा किनारे बसे इस शहर में कोलकाता से लेकर हल्दिया तक और अन्य जगहों से भी बड़े-बड़े जल वाहनों को लाना आसान है। इन बड़े पत्थरों व अन्य अवरोध को हटाने के लिए भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण के मुख्यालय ने निविदा प्रक्रिया शुरू हो गई है। जल्द ही इस पर काम शुरू होगा। रामनगर में करीब 184 करोड़ रुपये की लागत से साल 2018 में बनकर तैयार हुए बंदरगाह को आज भी बड़े जहाजों का इंतजार रहता है। इसकी बड़ी वजह गंगा में पानी की कमी और गाजीपुर से बनारस के बीच 19 किलोमीटर तक बड़े पत्थर व अवरोध हैं। वह बड़े जहाजों को बनारस आने से रोक रहे हैं। इसकी वजह से 6 साल में महज 6 मालवाहक जहाज ही वाराणसी पहुंच सके हैं। आईडब्ल्यूएआई के अधिकारियों के अनुसार दिक्कत यह है कि गाजीपुर से बनारस के बीच लगभग 19 किलोमीटर का एरिया बेहद ही डेंजर जोन में है। अधिकारियों ने बताया कि जब नदी में पानी कम हो जाता है तो बालू भी ऊपर आने लगता है। बालू का खनन तो कराया जा सकता है लेकिन पत्थर के जो बड़े-बड़े टुकड़े आ रहे हैं, उनको हटाना ज्यादा महत्वपूर्ण है। विस्फोट या कटर के जरिये ही उन्हें काटकर अलग किया जा सकता है। आईडब्ल्यूएआई वाराणसी के निदेशक संजीव कुमार ने बताया कि दिल्ली मुख्यालय से इन पत्थरों को हटाने के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू है। जल्द ही इस पर काम शुरू होगा।

यूपी में दूल्हे की मौत: हाईवे पर सुबोध की ऐसे आई मौत; चढ़त से पहले अचानक हुई थी तबीयत खराब

मेरठ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले से दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां चढ़त से पहले दूल्हे की मौत हो गई। शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। पुलिस ने दूल्हे के शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सरूरपुरकलां गांव में रविवार रात को चढ़त से पहले दूल्हे सुबोध (25) निवासी बिनौली को ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। वह तबीयत खराब होने पर दिल्ली–सहारनपुर नेशनल हाईवे किनारे खड़े होकर उल्टी कर रहा था, तभी यह हादसा हुआ। उसे टक्कर मारने के बाद चालक ट्रक को लेकर भाग गया। बिनौली गांव के फिजियोथेरेपिस्ट सुबोध की बरात रविवार को सरूरपुरकलां गांव में आई थी। बरात के स्वागत व नाश्ते के बाद चढ़त की तैयारी होने लगी। चढ़त शुरू होने से पहले दूल्हे सुबोध की तबीयत खराब हो गई और वह सड़क किनारे खड़ा होकर उल्टी करने लगा। तभी दिल्ली की तरफ से आए ट्रक ने सुबोध को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से सुबोध सड़क पर गिर गया। तभी बराती उसे जिला अस्पताल लेकर जाने लगे मगर उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना पर पुलिस वहां आई और घटना की जानकारी ली गई। जांच अधिकारी दीक्षित त्यागी के अनुसार ट्रक का पता लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी जाएगी, जिससे उसको पकड़ा जा सके। सुबोध की चढ़त की तैयारी चल रही थी और बराती खुशी मना रहे थे, दुल्हन के घर भी खुशियां मनाई जा रही थी। हादसे का पता चलते ही दोनों घरों में मातम छा गया। अस्पताल पहुंचे कई बरातियों ने बताया कि हादसे में सुबोध की मौत का काफी बरातियों को पता ही नहीं था और सभी खुशियां मनाने में लगे थे। जिनको मौत के बारे में बताया भी गया तो उनको शुरूआत में विश्वास नहीं हुआ।

राम मंदिर ध्वजारोहण: हनुमानगढ़ी दर्शन करने नहीं जाएंगे पीएम मोदी, कार्यक्रम में किया गया आंशिक बदलाव

अयोध्या, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले रामनगरी का हर मोड़, मंदिर-मार्ग और घर-आंगन दिव्यता से झिलमिला उठा है। कार्यक्रम में आंशिक बदलाव के चलते पीएम मोदी इस बार हनुमानगढ़ी दर्शन करने नहीं जाएंगे। ध्वजारोहण समारोह राम मंदिर की पूर्णता का संदेश है और मंदिर में राजाराम भी विराजित हो गए हैं। ऐसे में राजाराम के स्वागत को लेकर रामनगरी वैसे ही सजधज रही है जैसे राम आगमन पर अवधपुरी निखरी होगी।

हनुमानगढ़ी के पुजारी रमेश दास ने बताया कि हनुमानगढ़ी में पीएम के आगमन की कोई सूचना नहीं है, पहले उन्हें हनुमानगढ़ी दर्शन के लिए आना था। उधर राम मंदिर परिसर में मेहमानों के बैठने के लिए बनाए गए ब्लॉकों की संख्या 15 से बढ़ाकर 19 कर दी गई है।

रविवार को हर एक ब्लॉक में कुर्सियां लगाने का काम चलता रहा। मेहमानों को प्रवेशिका भी दी जाने लगी है, इस पर अंकित क्यूआरकोड को स्कैन करने के बाद उनकी पहचान होगी, फिर उन्हें मंदिर में प्रवेश मिलेगा। मेहमानों का आगमन सोमवार से शुरू हो जाएगा। कारसेवक पुरम व तीर्थ क्षेत्र पुरम में मेहमानों की सुविधा के लिए कार्यालय भी खोल दिए गए हैं। अवध, काशी, गोरख व कानपुर प्रांत के अलग-अलग कार्यालय बनाए गए हैं।

मेहमानों को इन कार्यालयों से हर जरूरी जानकारी व सुविधा के लिए मार्ग दर्शन प्राप्त होगा। वहीं राम मंदिर ट्रस्ट की ओर आठ स्थानों पर सात भोजनालय का शुभारंभ भी रविवार से हो गया है।

अंगद टीला पर संचालित सीता रसोई में रामलला का प्रसाद पाकर श्रद्धालु तृप्त हो रहे हैं। राम मंदिर में रविवार रात लेजर शो का रिहर्सल भी किया गया। मंदिर के शिखर से लेकर मंडपों पर लेजर शो के जरिये राम विवाह के दृश्य दर्शाए गए।

विदेशी फूलों से दमक रहा राम मंदिर

राम मंदिर अभी ऐसा लग रहा है मानो स्वर्ग की बगिया धरती पर उतर आई हो। थाईलैंड, वियतनाम आदि देशों से आए दुर्लभ पुष्पों की सुगंध से प्रांगण दिव्यमय हो उठा है। गुलाबी और सफेद लिलियम, आर्किड की मोहक पंखुड़ियां, ट्यूलिप के कोमल रंग, स्टार, डहेलिया आदि मिलकर मंदिर को एक भव्य आभा दे रहे हैं।

राम मंदिर परिसर को सजाने में 50 क्विंटल व आद्य शंकराचार्य द्वार, रामानंदाचार्य द्वार, माध्वाचार्य द्वार को सजाने में कुल 30 क्विंटल फूलों का प्रयोग किया गया है। पूरे मंदिर परिसर को सजाने में 80 क्विंटल देशी-विदेशी फूलों का प्रयोग हुआ है।

कई समाज के प्रतिनिधि होंगे शामिल

ध्वजारोहण समारोह के लिए संघ ने पूरी ताकत झोंक दी है। मैराथन बैठकों का दौर जारी है। रविवार को भी राममंदिर के यात्री सुविधा केंद्र में बैठक हुई। बैठक में जिन समाज के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं उसकी भी जानकारी दी गई।

इनमें कहार, बारी, बसोर, नाई, कुम्हार, गड़ेरिया, लोधी, यादव, माली, धोबी, लोहार, तमोली, पासी, वाल्मीकि, रविदास, बहेलिया, कसौंधन, नट, कुर्मी, सिख और अन्य समुदायों के प्रतिनिधि शामिल हैं। इसके अलावा मुस्लिम, सिख व जैन धर्म से भी मेहमान आमंत्रित हैं।

पीएम करेंगे रोड शो, समूहों की 5 हजार महिलाएं करेंगी अगवानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहराकर ध्वजारोहण समारोह का शुभारंभ करेंगे। उनका एयरपोर्ट से साकेत महाविद्यालय तक हेलीकॉप्टर से पहुंचना प्रस्तावित है। साकेत महाविद्यालय से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक भव्य रोड शो भी आयोजित होगा। रोड शो के एक किमी लंबे रामपथ को आठ जोन में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जोन में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं पारंपरिक तरीके से थाली, आरती, फूल-माला और नमस्कार मुद्रा के साथ पीएम की अगवानी करेंगी। जिला प्रशासन ने इसके लिए अलग-अलग समाज और समूहों की महिलाओं को जिम्मेदारी सौंपी है। जोनवार व्यवस्था के तहत जोन-एक में एसडीएम श्रेया की निगरानी में 150 महिलाएं, जोन-दो (पीएचसी चक्रतीर्थ के पास) एसडीएम गजेंद्र सिंह की देखरेख में 200 महिलाएं, जोन-तीन में निषाद समाज की 300 महिलाएं, जोन-चार (अरुंधती पार्किंग के पास) 1200 महिलाएं, जोन-पांच (सारा इंटरप्राइजेज प्लांट) पर 300 महिलाएं, जोन-छह (दर्शन सेल) पर 1000 महिलाएं, जोन-सात (यूसुफ आरा मशीन) पर 300 महिलाएं व जोन-आठ (खटीक समाज की भूमि) पर 1500 महिलाएं स्वागत के लिए तैनात रहेंगी। जोनवार जिम्मेदारी भी तय कर दी गई है। जोन एक व दो की जिम्मेदारी डीडीओ महेंद्र देव, जोन तीन व चार की डीआईओएस डॉ. पवन तिवारी, जोन पांच व छह की बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चंद व डीपीओ अजय त्रिपाठी और जोन सात व आठ की जिम्मेदारी डीपीआरओ अविनाश कुमार को सौंपी गई है। सभी अधिकारी लगातार रिहर्सल और तैयारियों की मॉनीटरिंग कर रहे हैं।

राम मंदिर में ध्वजारोहण: आयोजन के बाद मोदी करेंगे रोड शो; 5 हजार महिलाएं करेंगी अगवानी

प्रधानमंत्री के स्वागत व अभिनंदन की तैयारियों के लिए भाजपा का संपर्क व संवाद अभियान जारी है। ध्वजारोहण समारोह के आयोजन को अद्वितीय स्वरूप देने के लिए हजारों संतों की मौजूदगी सुनिश्चित की जा रही है। संतों की ओर से वैदिक मंत्रोच्चारण, शंखनाद और घंटों की ध्वनि से प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया जाएगा। इसी कड़ी में अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्त और भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने रंगमहल मंदिर पहुंच कर महंत रामशरण दास से मुलाकात की। अन्य प्रमुख मंदिरों के महंतों व संतों से भी संपर्क कर उन्हें स्वागत-अभिनंदन कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। इसमें जगन्नाथ मंदिर व अमावा मंदिर के संत शामिल हैं। संतों के साथ हर प्रतिष्ठान पर जाकर विधायक व महानगर अध्यक्ष ने व्यापारियों से संपर्क स्थापित किया।

विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री का आगमन रामनगरी के लिए सौभाग्य और गौरव का अवसर है। उनका स्वागत अयोध्या की आध्यात्मिक गरिमा और परंपरा के अनुरूप भव्य करने की तैयारी की जा रही है। हजारों संतों की उपस्थिति इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाएगी। अभिनंदन कार्यक्रम के दौरान अयोध्या की सनातन संस्कृति की दिव्यता प्रधानमंत्री के समक्ष अपने श्रेष्ठतम रूप में प्रकट होगी। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वागत के दौरान संतों की उपस्थिति के स्थान को चिह्नित कर दिया गया है। भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी भी सौंप दी गई है।

आपको अब तक नहीं मिला फॉर्म... बीएलओ से तत्काल संपर्क करें

लखनऊ, एजेंसी। एसआईआर फॉर्म भरने के लिए अब सिर्फ 10 दिन बाकी हैं। इसलिए जिस किसी को अब तक फॉर्म नहीं मिला या फिर जिसने फॉर्म लेने के बाद भरकर जमा नहीं किया है, वह बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें। जल्द से जल्द फॉर्म भरकर बीएलओ के पास वापस जमा कर दें। वहीं, जिनसे बीएलओ ने अब तक संपर्क नहीं किया है, ऐसे मतदाता खुद भी संपर्क कर लें, ताकि उनका फॉर्म भर जाए।

दरअसल, चार नवंबर से एसआईआर फॉर्म भरने की प्रक्रिया जारी है। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों सुविधाएं उपलब्ध हैं, चूंकि अधिकतर मतदाताओं का मोबाइल नंबर वोटर आईडी कार्ड से लिंक नहीं है, इसलिए ऑनलाइन फॉर्म भरने में दिक्कत आ रही है। ऐसे सभी लोग ऑफलाइन फॉर्म भर सकते हैं। 20 दिन से प्रक्रिया जारी है।

प्रशासन के आंकड़ों के मुताबिक, अधिकतर लोगों ने फॉर्म जमा कर दिए हैं। सहायक निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जो मतदाता शेष हैं, उनसे बीएलओ संपर्क कर रहे हैं। इसके बावजूद अगर किसी को फॉर्म नहीं मिला है तो वह खुद बीएलओ से संपर्क करें।

चार दिसंबर तक एसआईआर फॉर्म भरकर जमा करने की प्रक्रिया खत्म हो जाएगी। 9 दिसंबर को मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। जो मतदाता फॉर्म नहीं भरेंगे, उनका नाम सूची में नहीं होगा। एसआईआर फॉर्म, प्रक्रिया या फिर बीएलओ संबंधी कोई जानकारी चाहिए हो तो 0522-1950 हेल्पलाइन पर कॉल कर सकते हैं।

हर दिन हो रही समीक्षा: राजधानी में कुल मतदाता 39 लाख 94 हजार 535 हैं। 3,783 बीएलओ हैं। हैं। सभी प्रशासनिक अधिकारी एसआईआर प्रक्रिया में लगे हैं। प्रत्येक दिन समीक्षा की जा रही है कि कितने फॉर्म बांटे गए, कितने भरकर जमा किए गए और कितनों का डाटा फीड किया गया। डीएम विशाख जी ने सभी बीएलओ को निर्देश दिए हैं कि एक-एक मतदाता का फॉर्म भरवाएं। कोई भी प्रक्रिया से न छूटे।

ट्रेनों से देशभर में भेजे जा रहे जूते...सीजीएसटी ने पकड़ी कारोबारियों की चालाकी, 16 हजार जोड़ी जब्त

आगरा, एजेंसी। आगरा में बनने वाले जूतों को कारोबारी बिना सरकार को टैक्स दिए फर्जी बिलों के बल पर ट्रेनों के जरिये यूपी के अन्य जिलों व विभिन्न राज्यों में भेज रहे हैं। इस काम को एजेंटों की मदद से किया जा रहा है। इसका खुलासा केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) आगरा की रविवार को की गई कार्रवाई से हुआ।

विभाग की टीम ने कलेक्ट्रेट के नजदीक एक गोदाम से 16 हजार जोड़ी से ज्यादा जूते जब्त किए हैं। टीम अब जूतों के कारोबारियों का पता लगा रही है। सीजीएसटी आगरा की एंटी इवेजन शाखा को सूचना मिली कि फर्जी बिलों के सहारे रेलवे पार्सल सेवा के जरिये देशभर में जूते भेजे जा रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने कलेक्ट्रेट के नजदीक राधा वल्लभ की बगीची स्थित एक गोदाम पर शनिवार रात छापा मारा। रविवार रात तक चली कार्रवाई के दौरान गोदाम से बिना बिल के करीब 16 हजार जोड़ी पैक किए हुए जूते जब्त किए गए। इन जूतों की अनुमानित कीमत करीब सवा करोड़ रुपये है।

सूत्रों के अनुसार गोदाम संचालक अमित सिंह से हुई शुरुआती पूछताछ में पता चला है वह लंबे समय से जीएसटी से बचने के लिए जूतों की खेप फर्जी बिल के सहारे रेलवे पार्सल सेवा के माध्यम से लखनऊ, कानपुर, मेरठ व दिल्ली, पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक तक भेज रहा है। अब सीजीएसटी पकड़े गए माल के असली मालिक का पता लगा रही है।सूत्रों के अनुसार कार्रवाई के दौरान सीजीएसटी अधिकारियों ने गोदाम से कंप्यूटर, लैपटॉप और एजेंट अमित सिंह के मोबाइल जब्त किए हैं। इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के पूरे डाटा को खंगालकर यह जानने का प्रयास किया जाएगा कि वह कहां और किन लोगों से माल लेकर किन कारोबारियों को सप्लाई करता था। इन उपकरणों की जांच से जूतों की कालाबाजारी के नेटवर्क के राज खुलेंगे।

भागवत और योगी की मुलाकात से सनातनी चेतना के एजेंडे को रफ्तार, दोनों नेताओं के भाषण से मिले संकेत

लखनऊ, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रविवार को दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम के मंच पर मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों के बीच हुई गुफ्तगू और फिर भाषणों में सनातन व हिंदुत्व के जिक्र ने सनातनी चेतना के एजेंडे की भावी दिशा का संकेत दे दिया। भागवत से गुफ्तगू के बाद योगी ने घुसपैठ से लेकर धर्मांतरण पर तीखा निशाना साधा।

इन सबके पीछे छिपे चेहरों को न सिर्फ चेताया बल्कि ललकारा। इन मुद्दों पर सरकार की रीति-नीति में किसी नरमी की संभावनाओं को नकार दिया। उनके तेवर बताते हैं कि यह मुलाकात सनातनी चेतना के एजेंडे को रफ्तार देगी।

सीएम ने घुसपैठियों को वापस उनके देश भेजने और प्रदेश के हर जिले में अस्थायी डिटेंशन सेंटर बनाने का भी एलान कर दिया। योगी ऐसे सभी एजेंडों पर अधिक मुखरता से बात रख रहे हैं और नरमी के मूड में नहीं दिख रहे हैं। ये वही मुद्दे हैं, जिन पर संघ भी सक्रियता से काम कर रहा है। इसलिए माना जा रहा है कि संघ प्रमुख से सीएम योगी की यह मुलाकात आने वाले समय में इन्हीं एजेंडों को प्रमुखता से आगे बढ़ाएगी।

माना जा रहा है कि राममंदिर पर पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों होने वाले ध्वजारोहण से करीब 48 घंटे पहले राजधानी में संघ प्रमुख से सीएम की मुलाकात में इन एजेंडों पर चर्चा जरूर हुई है। गीता के ज्ञान के सहारे योगी ने साफ कर दिया कि उनकी सरकार सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उस एजेंडे पर गंभीरता से काम करने का संकल्प ले चुकी है जिसका उल्लेख पीएम मोदी ने अयोध्या में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा में किया था। मोदी ने आज से करीब 22 माह पहले जो कुछ कहा था उसकी तैयारी का संकेत आज योगी के भाषण में दिखा।

सभी एजेंडे पूरे करने की तैयारी की मिली झलक

पीएम नरेंद मोदी ने तब कहा था कि यह सिर्फ एक मंदिर नहीं बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्र गौरव का प्रतीक है। योगी ने उसी मंदिर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम से पहले जब संघ प्रमुख की मौजूदगी में मिशनरियों की भूमिका पर सवाल उठाया, घुसपैठ खत्म करने का संकल्प जताया, धर्मांतरण पर हमला बोला, सियासी लाभ के लिए देश व समाज को बांटने और बहुसंख्यकों यानी हिंदुओं के हितों पर कुठाराघात करने वालों को न बख्शने की बात की तो साफ हो गया कि सनातनी सरोकारों पर सरकार आगे ज्यादा आक्रामक दिख सकती है। महाभारत और गीता के उल्लेख के साथ योगी ने धर्म और अधर्म के संघर्ष तथा आखिर में धर्म की जीत के उल्लेख के साथ साफ कर दिया कि सरकार अपने एजेंडे को अंजाम तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह कमर कस चुकी है।

कार की टक्कर के बाद सड़क पर गिरा जूता कारीगर, गाड़ी में फंसकर 200 मी. घिसटती गई बाइक, खौफनाक मौत

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र में रविवार दोपहर शाहदरा फ्लाईओवर पर एक कार ने बाइक सवार जूता कारीगर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि बाइक सहित सवार कार में फंस गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि चालक रुकने के बजाय कार को दौड़ाने लगा। इस पर युवक भी करीब 200 मीटर तक कार के साथ घिसटता हुआ चला गया। यह देखकर आसपास के निकल रहे लोग चीखने लगे। उन्होंने शोर मचा दिया। बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। घटना के बाद गुस्साए परिजन शाहदरा पुलिस चौकी पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उन्हें वहां से हटा दिया। आरोप है कि हादसे के बाद पकड़े गए आरोपी को छोड़ दिया।

बाई का बाजार, सिकंदरा निवासी प्रेम कुमार (21) जूता फैक्टरी में कारीगर था। रविवार सुबह वह दोस्तों के साथ फिरोजाबाद घूमने गया था। दोपहर करीब तीन बजे लौटते समय एत्मादपुर की ओर से तेजी से आ रही कार ने उसकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि टक्कर इतनी भीषण थी कि प्रेम कुमार सीधे कार के बोनट के नीचे फंस गए। इसके बावजूद चालक ने कार को रोका नहीं। युवक को सड़क पर घसीटता हुआ ले गया।

हादसा देखकर लोग पीछा करने लगे। बाद में कार से बाइक और प्रेम कुमार अलग हुए। इसके बाद चालक कार लेकर भाग गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। एक संदिग्ध कार को पकड़ लिया गया। वह पंक्चर खड़ी हुई थी। लोगों ने इसी कार से हादसे की आशंका जाहिर की। इस पर पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों को देखा। डीसीपी सिटी अली अब्बास ने बताया कि हादसा करने वाली कार का पता नहीं चला है। इस पर संदेह के घेरे में आई कार को छोड़ दिया गया।

बहन की शादी की तैयारी कर रहे थे प्रेम कुमार

मृतक प्रेम कुमार बड़ी बहन की शादी की तैयारी कर रहा था। उसकी मौत से परिवार में कोहराम है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

घर में घुसकर प्रेमिका की नृशंस हत्या, शादी से इन्कार करने पर नाराज था प्रेमी

मोहनलालगंज। धर्मावतखेड़ा गांव में रविवार दोपहर प्रेमी ने घर में घुसकर थर्माकोल काटने वाले कटर से बीएससी की छात्रा की गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर उसे हिरासत में लिया है। पुलिस ने हत्या के पीछे दोनों के बीच चल रहे मनमुटाव को वजह बताया है।

धर्मावतखेड़ा गांव निवासी पूनम रावत एक निजी अस्पताल में काम करती है। रविवार दोपहर पूनम काम पर गई थी। उनकी बड़ी बेटी प्रियांशी (19) और छोटी बेटी महक घर पर थीं। दोपहर लगभग 12.30 बजे बीबीडी लोनापुर निवासी आलोक रावत उनके घर पहुंचा। घर के भूतल पर मौजूद महक से प्रियांशी के बारे में पूछकर पहली मंजिल पर पहुंचा। यहां किचन में मौजूद प्रियांशी से किसी बात पर उसकी बहस हो गई। इस बीच आरोपी ने कटर निकाल कर प्रियांशी की गर्दन पर ताबड़तोड़ कई वार कर गला रेत दिया। गर्दन की नस कटने से खून से लथपथ प्रियांशी गला पकड़े चीखती हुई सीढ़ियों से नीचे उतरकर बरामदे तक पहुंची और दम तोड़ दिया। इस बीच आलोक बुलेट से भाग निकला।प्रियांशी की मां पूनम के मुताबिक, दो वर्ष पहले एक रिश्तेदार के तिलक में बेटी प्रियांशी (19) की मुलाकात आलोक रावत से हुई थी। इसके बाद दोनों में बातचीत होने लगी। कुछ दिन बाद आलोक ने शादी का प्रस्ताव रखा तो सभी लोग तैयार हो गए। बहन महक के मुताबिक, आलोक का घर आना जाना शुरू हो गया। लेकिन आलोक ने कई बार शराब के नशे में प्रियांशी के साथ मारपीट की। इस पर प्रियांशी ने शादी से इन्कार कर दिया।

दूरदर्शन केंद्र लखनऊ की 50वीं वर्षगांठ पर पांच विभूतियों का सम्मान

लखनऊ, एजेंसी। दूरदर्शन केंद्र लखनऊ की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में मशहूर संगीतकार केवल कुमार समेत अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान करने वाली पांच विभूतियों को डीडी यूपी सम्मान से नवाजा गया। मुख्य अतिथि प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत सहगल ने सभी को स्मृति चिह्न और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। सांस्कृतिक संध्या में मशहूर गायक उस्ताद अहमद हुसैन और मोहम्मद हुसैन ने अपनी दिलकश आवाज से संवारा। शायर शमीम अब्बासी ने गजलों से वाहवाही लूटी। डीडी यूपी कृषि सम्मान सैयद कल्बे हसन को, खेल सम्मान अंतरराष्ट्रीय धाविका व शूटर रचना गोविल को, चिकित्सा सम्मान डॉ. निशांत कुमार, संगीत सम्मान केवल कुमार को और डीडी यूपी साहित्य सम्मान प्रो. हरि शंकर मिश्र को दिया गया। चयन प्रक्रिया से जुड़े तीन जूरी सदस्यों पद्मश्री डॉ. विद्या बिंदु सिंह, पद्मश्री प्रो. एसएन कुरील और पद्मश्री रामशरण वर्मा को भी सम्मानित किया गया। केंद्राध्यक्ष अनुपम स्वरूप और कार्यक्रम प्रमुख आत्म प्रकाश मिश्र ने अपने संबोधन में दूरदर्शन की जनसेवा में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

अमेरिकी प्रतिबंध से भारत का रूसी तेल आयात 75 फीसदी घटेगा

- पहले भारत रोजाना 17-18 लाख बैरल रूसी तेल ले रहा था

नई दिल्ली ।

अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और ल्यूकोइल पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं, जो 21 नवंबर 2025 से पूरी तरह लागू हो चुके हैं। इन प्रतिबंधों के बाद भारत का रूसी कच्चा तेल आयात तेजी से घटने वाला है। पहले भारत रोजाना 17-18 लाख बैरल रूसी तेल ले रहा था, लेकिन दिसंबर-जनवरी में यह घटकर लगभग 4 लाख बैरल रोज हो सकता है। यानी आयात में लगभग 75 फीसदी कटौती संभव है। भारत की बड़ी रिफाइनरियां रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचपीसीएल, मित्तल एनर्जी और मंगलोर रिफाइनरी ने रोसनेफ्ट और ल्यूकोइल से तेल लेना रोक दिया है। केवल नयारा एनर्जी ही रोसनेफ्ट से तेल ले रही है, क्योंकि उसकी रिफाइनरी पहले से यूरोपीय प्रतिबंधों के दायरे में है। रिलायंस ने 20 नवंबर से अपनी सेज रिफाइनरी में रूसी तेल लोडिंग पूरी तरह बंद कर दी है। अमेरिका ने केवल रोसनेफ्ट और ल्यूकोइल को निशाना बनाया है। रूस की अन्य कंपनियां जैसे सर्गुटनेफ्टेगाज और गज्प्रोम नेफ्ट भारत को तेल सप्लाई कर सकती हैं, यदि वे प्रतिबंधित बैंक या जहाज का उपयोग न करें। रूस नए व्यापारियों, शैडो फ्लीट और

शिप-टू-शिप ट्रांसफर के जरिए सप्लाई बनाए रख सकता है। पिछले दो सालों में सस्ता रूसी तेल मिलने की वजह से रिफाइनरियों ने अच्छा मुनाफा कमाया। अब जब यह तेल कम आएगा, रिफाइनरियां सऊदी अरब, इराक, यूएई और अमेरिका से तेल खरीदेंगी। तकनीकी रूप से इनको प्रोसेस किया जा सकता है, लेकिन मार्जिन कुछ कम हो सकता है।

अफगानिस्तान से भारत का व्यापार तेजी से बढ़ा

- 34 अरब रुपये के सूखे मेवे और मसाले खरीदे गए

नई दिल्ली ।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच व्यापार लगभग बंद होने के बाद भारत के साथ अफगानिस्तान का व्यापार लगातार बढ़ रहा है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सात महीनों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 525 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा अफगानिस्तान के निर्यात का रहा, जो लगभग 379 मिलियन डॉलर (34 अरब रुपये) तक पहुंचा। अफगानिस्तान के उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता अखुंदजादा अब्दुल सलाम जवाद के अनुसार, भारत को भेजे जाने वाले प्रमुख निर्यात में सूखे अंजीर, केसर, हींग और इसके बीज, किशमिश, जीरा, पिस्ता और बादाम शामिल हैं। ये उत्पाद भारत में घरेलू और प्रीमियम खाद्य बाजार में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होते हैं। अफगानिस्तान की ये निर्यात वस्तुएं भारतीय त्योहारों और विशेष अवसरों के लिए भी काफी मांग में रहती हैं। भारत ने आधिकारिक रूप से दोनों देशों के बीच कार्गो फ्लाइट्स बहाल कर दी हैं। यह

कदम अफगान कारोबारियों के लिए राहत भरा माना जा रहा है क्योंकि वाघा बॉर्डर रूट के अनुपलब्ध होने से व्यापार प्रभावित हो रहा था। विशेषज्ञों का कहना है कि एयर-कार्गो उच्च मूल्य वाले उत्पादों जैसे सूखे मेवे के लिए सबसे लाभकारी विकल्प है, हालांकि इसकी लागत सुलभ होनी चाहिए।

इस हफ्ते चार बड़ी कंपनियों के आईपीओ शेयरों का लॉक-इन खत्म

- बाजार में बढ़ सकती है हलचल

नई दिल्ली ।

इस हफ्ते एनटीपीसी ग्रीन इनर्जी, ब्रोराना वेब्ज गोडिजिट जनरल इंश्योरेंस और मंगल इले क्ट्रिकल के आईपीओ शेयरों की लॉक-इन अवधि समाप्त हो रही है। कुल 57,124.63 करोड़ रुपए के शेयर अब बाजार में उपलब्ध होंगे।

लॉक-इन अवधि खत्म होने के बाद प्रमोटर और शुरुआती निवेशक अपने शेयर बेच सकते हैं, जिससे बाजार में शेयरों की आपूर्ति बढ़ती है और शुरुआती दिनों में कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। 24 नवंबर को मंगल इले क्ट्रिकल की तीन महीने की लॉक-इन अवधि खत्म हो रही है। इसके बाद 11 लाख शेयर, जिनका कुल मूल्य 46.75 करोड़ रुपए है, बाजार में उपलब्ध होंगे। कंपनी 28 अगस्त 2025 को लिस्ट हुई थी। 25 नवंबर को गो डिजिट की छह महीने की लॉक-इन अवधि पूरी हो जाएगी। इसके बाद 1.858 करोड़ शेयर, जिनकी कुल कीमत 654.28 करोड़ रुपए है। यह कंपनी 23 मई 2024 को लिस्ट हुई थी। 26 नवंबर को इस हफ्ते का सबसे बड़ा अनलॉक होने वाला है। एनटीपीसी ग्रीन इनर्जी के 5,806 मिलियन शेयर बाजार में खुलेंगे, जो कंपनी की कुल इक्विटी का 69 फीसदी है। इन शेयरों का कुल मूल्य 56,347.42 करोड़ रुपए है। कंपनी 27 नवंबर 2024 को लिस्ट हुई थी।

27 नवंबर को ब्रोराना वेब्ज की लॉक-इन अवधि खत्म होगी। इस दिन 26 लाख शेयर, जिनकी कीमत 76.18 करोड़ रुपए है, बाजार में उपलब्ध होंगे। कंपनी 27 मई 2025 को लिस्ट हुई थी।

टीसीएस को अमेरिकी कोर्ट में 1600 करोड़ का जुर्माना

- पुराने डेटा इस्तेमाल की रोक हटाई

नई दिल्ली।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) को अमेरिकी कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कंप्यूटर साइंसेज कॉर्पोरेशन (के साथ लंबे समय से चल रहे ट्रेड सीक्रेट्स विवाद में अमे रिकी कोर्ट ने टीसीएस के खिलाफ 194.2 मिलियन डॉलर (लगभग 1600 करोड़ रुपये) के हर्जाने को बरकरार रखा है। साथ ही कोर्ट ने पहले लगी स्थायी रोक हटा दी है, जिससे अब टीसीएस बिना डर के सीएससी के पुराने मटेरियल और डेटा का इस्तेमाल कर सकेगी। मामला दोबारा टेक्सास की निचली अदालत में समीक्षा के लिए भेजा गया है। यह विवाद 2019 में शुरू हुआ था। सीएससी ने आरोप लगाया कि टीसीएस ने उनके ट्रेड सीक्रेट्स का गलत फायदा उठाया। ट्रांसअमेरिका ने 2 बिलियन डॉलर का बड़ा आउटसोर्सिंग प्रोजेक्ट टीसीएस को दिया, उस दौरान कई कर्मचारी सीएससी से टीसीएस में शामिल हुए। सीएससी का कहना था कि इन कर्मचारियों की वजह से टीसीएस ने उनके सॉफ्टवेयर का अनुचित लाभ उठाया और नया इंश्योरेंस प्लेटफॉर्म विकसित किया, जो सीएससी से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। टीसीएस ने कोर्ट के फैसले को चुनौती देने की योजना बनाई है और ऊपरी कोर्ट में अपील करेगी। कंपनी ने यह भी कहा कि जो भी हर्जाना अंतिम रूप से तय होगा, उसके लिए अकाउंटिंग प्रोविजन पहले से तैयार है। टीसीएस ने भरोसा दिलाया कि वह पूरी ताकत से अपना पक्ष रखेगी और भविष्य में कानूनी लड़ाई जारी रखेगी।

भारत की जीडीपी 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान: एसएंडपी ग्लोबल

- कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा

नई दिल्ली ।

रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। एजेंसी ने कहा कि कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा। एसएंडपी ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है, जो पिछले पांच तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)) ने इस वर्ष की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वर्ष 6.5 प्रतिशत से बेहतर है। एजेंसी ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में आयकर छूट बढ़ाकर 12 लाख रुपये करने से लगभग एक लाख करोड़ रुपये की कर राहत मिली है। इसके अलावा, आरबीआई ने जून में प्रमुख ब्याज दर

5.5 प्रतिशत तक घटा दी। इन उपायों से निवेश की अपेक्षा उपभोग वृद्धि प्रमुख चालक बनेगी। एसएंडपी ने कहा कि अमेरिकी शुल्क में वृद्धि से भारत के निर्यातोन्मुखी विनिर्माण पर असर पड़ रहा है। हालांकि, अमेरिका भारतीय उत्पादों पर शुल्क घटा सकता है। एजेंसी ने यह भी कहा कि व्यापार नीति के प्रति अमेरिका के नए दृष्टिकोण के कारण सरकारें और कंपनियां छूट के लिए समय और संसाधन खर्च कर रही हैं।

बिटकॉइन में तेज गिरावट, क्रिप्टो मार्केट हिला

मुंबई । अक्टूबर में बिटकॉइन ने 1,26,000 डॉलर का सार्वज निक उच्च स्तर बनाया था, लेकिन यह 80,000 डालर तक गिर गया। यह गिरावट लगभग 36 फीसदी की है। बिटकॉइन ने थोड़ी रिकवरी दिखाई और रविवार शाम 6.15 बजे 86,583.24 पर कारोबार कर रहा था, जो 2.25 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। हालांकि, 2025 में बिटकॉइन ने -7.36 फीसदी का नेगेटिव रिटर्न दिया है और पिछले 1 महीने में 20.14 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, बाजार का मनोबल लालच से डर में बदल चुका है और लिक्विडिटी तेजी से बाहर जा रही है। अक्टूबर के हाई से गिरावट यह दर्शाती है कि बाजार की दिशा अब पलट चुकी है और टेक्निकल इंडिकेटर अभी भी कमजोर हैं।

भारत और कनाडा एफटीए वार्ता फिर से शुरू

- 2030 तक व्यापार बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर वार्ता फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं। इस समझौते का लक्ष्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाना है। गोयल ने कहा कि इस तरह के समझौते दोनों देशों के निवेशकों और कारोबारियों के बीच विश्वास को मजबूत करते हैं। गोयल ने बताया कि भारत और कनाडा स्वाभाविक सहयोगी हैं और एक-दूसरे के साथ प्रतिद्वंद्विता नहीं करते। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की ताकतें व्यापार और निवेश के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अवसर पैदा कर सकती हैं। 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत पर आरोपों के कारण वार्ता रोक दी गई थी। भारत ने इन आरोपों को खारिज किया। मार्च 2022 में दोनों देशों ने अंतरिम प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौता (ईपीटीए) के लिए वार्ता शुरू की थी। गोयल ने कहा कि दोनों देश उच्च महत्वाकांक्षी सीईपीए पर वार्ता करके 2030 तक व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखते हैं। जून 2024 में जी-7 सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई समकक्ष की बातचीत से दोनों देशों के संबंधों में नई ऊर्जा आई है।

इक्विलिब्रेटेड वेंचर ने पैसालो में बढ़ाया स्वामित्व, खरीदे 54 लाख शेयर

नई दिल्ली । पैसालो डिजिटल लिमिटेड के प्रवर्तक समूह का हिस्सा इक्विलिब्रेटेड वेंचर ने पिछले सप्ताह खुला बाजार लेनदेन के जरिए लगभग 54 लाख शेयर खरीदे। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इकाई ने 13 नवंबर को 43.94 लाख, 18 नवंबर को 8.37 लाख और 19 नवंबर को 1.4 लाख शेयर खरीदे। इस खरीदारी के बाद इक्विलिब्रेटेड की हिस्सेदारी 19.94 फीसदी से बढ़कर 20.53 फीसदी हो गई। यह प्रवर्तक समूह के स्वामित्व में वृद्धि का संकेत है। पैसालो डिजिटल के वर्तमान में 1.14 लाख से अधिक शेयरधारक हैं। इस खरीदारी का समय कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति के बीच हुआ, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा सकता है।

इंगरसोल-रैंड इंडिया ने शेयरधारकों के लिए घोषित किया 550 फीसदी डिविडेंड

- डिविडेंड 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले शेयर पर आधारित

नई दिल्ली ।

इंगरसोल-रैंड (इंडिया) लिमिटेड ने 14 नवंबर 2025 को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अंतरिम डिविडेंड 55 रुपये प्रति शेयर घोषित किया। यह डिविडेंड 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयर पर आधारित है, यानी 550 फीसदी का रिटर्न। कंपनी ने अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि यह निर्णय बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग में लिया गया। डिविडेंड पाने के लिए रिकॉर्ड डेट 25 नवंबर तय की गई है। यानी इस दिन जिनके डीमैट अकाउंट में इंगरसोल-रैंड के शेयर होंगे, वही लाभार्थी होंगे। डिविडेंड की राशि सीधे 11 दिसंबर 2025 को शेयरधारकों के खाते में ट्रांसफर कर दी जाएगी। 30 सितंबर 2025 को खत्म हुई तिमाही में कंपनी की आय 321.94 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की समान तिमाही के 318.35 करोड़ रुपये से थोड़ी अधिक है। टोटल इनकम बढ़कर 330.92 करोड़ रुपये हुई। वहीं, कुल खर्च 247.38 करोड़ से बढ़कर 250.07 करोड़ रुपये हो गया। इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा 60.35 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के बराबर है। बीते शुक्रवार कंपनी का शेयर बीएसई पर 0.05 फीसदी गिरकर 3,888.60 रुपये पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में शेयर में 0.83 फीसदी की गिरावट रही। लंबी अवधि में कंपनी के शेयर ने शानदार प्रदर्शन किया है। 1 साल, 2 साल और 5 साल के रिटर्न क्रमशः -6.98, 32.03 और 510.17 फीसद रहे। 10 साल में शेयर ने 402.44 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी का मार्केट कैप 12,275.53 करोड़ रुपये है, जबकि 52-वीक हाई और लो क्रमशः 4,699.90 रुपये और 3,060.80 रुपये हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 331, निफ्टी 108 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 331.21 अंक नीचे आकर 84,900 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 108.65 अंक टूटकर 25,959.50 पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट धातु और और रियल्टी शेयरों के टूटने से आई है। अधिकतर सूचकांकों में गिरावट रही। निफ्टी रियल्टी 2.05 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.23 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 1.18फीसदी, निफ्टी कमोडिटीज 1.14 फीसदी, निफ्टी पीएसई 1.42 और निफ्टी एफएमसीजी 0.66 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। मुख्य सूचकांकों में केवल निफ्टी आईटी ही 0.41 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 194.70 अंक टूटकर 60,081.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 151 अंक फिसलकर 17,696.50 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा और कोटक महिंद्रा बैंक गेनर्स थे। बीईएल, टाटा स्टील, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और एनटीपीसी के शेयर गिरे। पूरे सत्र में बाजार ने एक

सीमित दायरे में कारोबार किया। हालांकि, आखिरी कारोबारी सत्र में बिकवाली हावी रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। सेंसेक्स करीब 100 अंक की बढ़त के साथ 85,320 पर खुला और कुछ ही मिनटों में इसमें और मजबूती देखने को मिली। इसी तरह निफ्टी-50 भी 26,122.80 पर हरे निशान में खुला और यह 43.85 अंक की बढ़त के साथ 26,112 पर पहुंच गया। वहीं एशियाई बाजारों में भी सोमवार को सकारात्मक माहौल देखने को मिला। फेडरल रिजर्व द्वारा संभावित ब्याज दर कटौती की उम्मीदों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 1 फीसदी ऊपर रहे, जबकि जापानी बाजार अवकाश के चलते बंद रहा।

दिल्ली में सर्किल रेट में बड़े बदलाव की तैयारी

- बाजार और सरकारी मूल्य में तालमेल होगा

नई दिल्ली । दिल्ली में सर्किल रेट में एक दशक बाद बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। राजधानी में सर्किल रेट आखिरी बार 2014 में तय किए गए थे, तब से रियल एस्टेट की कीमतों में भारी वृद्धि हो चुकी है। खासकर लुटियंस दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और शहरीकृत इलाकों में संपत्तियों की कीमतें कई गुना बढ़ चुकी हैं, लेकिन आधिकारिक सर्किल रेट अब भी पुराने स्तर पर हैं। सरकार का मकसद अब संपत्तियों के सरकारी मूल्य को वास्तविक बाजार दरों के करीब लाना है। वर्तमान में दिल्ली के सर्किल रेट आठ कैटेगरी में विभाजित हैं। कैटेगरी ए में रेट 7.74 लाख रुपए प्रति वर्गमीटर तक है, जबकि कैटेगरी एच में यह 23,280 रुपए प्रति वर्गमीटर तक है। हालांकि एक ही कैटेगरी में शामिल इलाकों में बाजार दरों और सुविधाओं के अंतर काफी हैं। उदाहरण के लिए, गोल्फ लिंक और कालिंदी कॉलोनी दोनों कैटेगरी ए में हैं, लेकिन दोनों की संपत्ति दरों में जमीन-आसमान का अंतर है। सरकार अब इस कैटेगरीकरण को अधिक वैज्ञानिक और यथार्थवादी बनाने पर काम कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सर्किल रेट के पुराने आंकड़े सरकार को भारी राजस्व हानि पहुंचाते हैं। जहां बाजार मूल्य कई गुना अधिक होता है, वहीं दस्तावेजों में कम मूल्य दिखाने से स्टाम्प ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस कम होती है और कैश लेन-देन बढ़ते हैं। इसके विपरीत, कुछ क्षेत्रों में सर्किल रेट अधिक होने से लेन-देन धीमा पड़ जाता है।

पेट्रोल-डीजल के दाम कुछ शहरों में बढ़े तो कुछ में कम हुए

- गुरुग्राम में पेट्रोल की कीमत 8 पैसे बढ़कर 95.65 रुपए प्रति लीटर

नई दिल्ली ।

देश की पेट्रोलियम कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल और डीजल के नए रेट जारी किए। इसमें कई शहरों में ईंधन की कीमतों में बदलाव देखा गया। उत्तर भारत के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल महंगे हुए, जबकि दक्षिण और कुछ पूर्वी शहरों में कीमतें कम हुईं। दिल्ली के नजदीकी गुरुग्राम में पेट्रोल की कीमत 8 पैसे बढ़कर 95.65 रुपए प्रति लीटर हो गई, जबकि डीजल 7 पैसे महंगा होकर 88.10 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। जयपुर में पेट्रोल 68 पैसे बढ़कर 105.40 रुपए प्रति लीटर और डीजल 61 पैसे बढ़कर 90.82 रुपए प्रति लीटर हो गया। लखनऊ में पेट्रोल और डीजल क्रमशः 5 और 6 पैसे महंगे हुए। पटना में पेट्रोल 29 पैसे और डीजल 27 पैसे बढ़ा। प्रयागराज में पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 1 रुपए महंगा हो गया। भुवनेश्वर में पेट्रोल और डीजल के दाम 18-18 पैसे घटकर क्रमशः 100.93 और 92.51 रुपए प्रति लीटर पर आ गए। तिरुवनंतपुरम में पेट्रोल 18 पैसे और डीजल 30 पैसे सस्ता हुआ। आगरा में पेट्रोल और डीजल क्रमशः 5-5 पैसे सस्ते हुए, वहीं अंबेडकरनगर में पेट्रोल 29 पैसे और डीजल 26 पैसे घटकर बिक रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम

और स्थानीय कर संरचना के आधार पर यह बदलाव हुआ है। उत्तर भारत में महंगाई का दबाव और तेल की मांग बढ़ने के कारण कीमतें बढ़ीं, जबकि दक्षिण भारत में कर घटाव और बाजार में आपूर्ति बढ़ने के कारण रेट घटे।

राइट्स पहली बार चालू डीजल लोकोमोटिव दक्षिण अफ्रीका को निर्यात करेगी

- गेज परिवर्तन सहित तकनीकी बदलाव के बाद वित्त वर्ष 26 तक भेजेगी पहली खेप

नई दिल्ली । रेल मंत्रालय की सार्वजनिक कंपनी राइट्स लिमिटेड (आरआईटीईएस) ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए पहली बार चालू डीजल लोकोमोटिव निर्यात करने की मंजूरी पाई है। कंपनी ने दक्षिण अफ्रीका से 18 ऐसे लोकोमोटिव का ऑर्डर हासिल किया है, जिन्हें वहां की केप गेज प्रणाली (1,067 मिमी) के अनुरूप तकनीकी रूप से संशोधित किया जा रहा है। भारत में ये लोकोमोटिव ब्रॉड गेज (1,676 मिमी) पर चलने के लिए बनाए गए थे, लेकिन आवश्यक बदलाव के बाद वे पूरी तरह उपयुक्त होंगे। राइट्स के एक अधिकारी ने बताया कि क्योंकि भारतीय रेल अब लगभग पूरी तरह विद्युतीकृत हो चुकी है, इसलिए 15 साल से अधिक शेष सेवा-आयु वाले डीजल इंजन निर्यात के लिए उपयुक्त बने हुए हैं। पहली संशोधित खेप वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही तक दक्षिण अफ्रीका भेज दी जाएगी। गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता की उम्मीद के साथ, राइट्स भविष्य में दक्षिण अफ्रीका के पड़ोसी देशों से भी इसी तरह के ऑर्डर की संभावनाओं की बात कर रही है।

नागरिक कर्तव्यों के अनुपालन से आर्थिक विकास को दी जा सकती है गति

प्रहलाद सबनानी

भारत के समस्त नागरिक यदि उक्त मौलिक कर्तव्यों का अनुपालन करते है तो भारत की आर्थिक विकास दर को 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष के ऊपर ले जाने में किसी प्रकार की अन्य कठिनाई आने वाली नहीं है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें अपनी ओर से देश के लिए हितकारी आर्थिक नीतियां बनाने की पूरी कोशिश कर रही हैं परंतु भारतीय नागरिक होने के नाते हमें भी अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा तभी हम सब मिलकर मां भारती को एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ कर पाएंगे।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार ने भारतीय नागरिकों पर करों का बोझ कम करने का ईमानदार प्रयास किया है। सबसे पहिले आयकर की सीमा को 12 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया (जिसका मतलब है कि 12 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वाले नागरिकों को अब आयकर नहीं देना होगा), इसके बाद वस्तु एवं सेवा कर की दरों का युक्तिकरण करते हुए पूर्व में लागू चार दरों (5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत) को केवल दो दरों (5 प्रतिशत एवं 18 प्रतिशत) में परिवर्तित कर दिया गया। इससे भारत में 90 प्रतिशत से अधिक उत्पाद एवं सेवाओं पर करों की दर में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों की दरों में की गई उक्त कमी के चलते नागरिकों के हाथों में खर्च करने हेतु अधिक राशि की बचत हुई है और इसका प्रभाव इस वर्ष दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के शुभ अवसर पर उपभोक्ता वस्तुओं एवं सेवाओं की बिक्री में हुई भारी भरकम वृद्धि के रूप में देखने को मिला है। वर्ष 2025 के दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के समय 5.40 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि के उत्पाद एवं 65,000 करोड़ रुपए की राशि की सेवाओं की बिक्री हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी ब्याज दरों में कटौती की है। वर्ष 2025 में रेपो दर को 6.50 प्रतिशत से घटाकर 5.50 प्रतिशत तक नीचे लाया गया है, इससे भारत में नागरिकों एवं उद्योग जगत को सस्ती दरों पर ऋण की सुविधा उपलब्ध हो रही है। दिसम्बर 2025 में भी रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी किये जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे ऋणों पर ब्याज दर में और अधिक कमी हो सकती है। साथ ही, अब तो केंद्र सरकार एवं कई राज्य सरकारों द्वारा भी किसानों, बुजुर्गों एवं महिलाओं के बैंक खातों में सीधे ही सहायता राशि जमा की जा रही है, जिससे भारतीय नागरिकों के हाथों में अधिक मुद्रा उपलब्ध हो रही है और वे अधिक मात्रा में बाजार से उत्पादों को खरीदने में सक्षम हो रहे हैं। भारत में, हाल ही के समय में, आम जनता की क्रय शक्ति इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि मुद्रा स्फीति की दर पर भी नियंत्रण स्थापित किया जा सका है और खुदरा महंगाई की दर 2 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है, जो 10/12 वर्ष पूर्व तक 10 प्रतिशत के आसपास रहती थी। कुल मिलाकर, अब यह कहा जा सकता है कि भारत 10 प्रतिशत वार्षिक विकास दर को हासिल करने की ओर तेजी से अपने कदम बढ़ा रहा है।

केंद्र सरकार द्वारा 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज भी उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे भारत में अति गरीब नागरिकों की संख्या तेजी से कम हो रही है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले करोड़ों नागरिकों को गरीबी की रेखा से ऊपर लाया जा सका है। भारत में लगातार कम हो रही अति गरीब नागरिकों की संख्या की प्रशंसा वैश्विक वित्तीय संस्थानों, विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष आदि, द्वारा भी समय समय पर की गई है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि भारतीय नागरिकों को करों में उक्त वर्णित रियायतें देने एवं गरीब वर्ग को मुफ्त अन्न उपलब्ध कराने एवं उनके खातों में सीधे सहायता राशि जमा कराने जैसी योजनाओं को चलाने के बावजूद केंद्र सरकार के बजटीय घाटे को लगातार कम करने में सफलता मिल रही है। केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के खंडकाल में लगभग 10 प्रतिशत तक पहुंच गया था जो प्रतिवर्ष लगातार कम होते होते वर्ष 2026 में 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आने का अनुमान लगाया गया है। यह सम्भव हो सका है क्योंकि भारत के नागरिकों द्वारा अपने नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर की राशि को ईमानदारी से सरकार के खजाने में जमा कराया जा रहा है। भारत में हाल ही के वर्षों में कर अनुपालन में काफी सुधार दिखाई दिया है।

यह सही है कि किसी भी देश में आर्थिक विकास की दर को तेज करने में, उस देश में, इस संदर्भ लागू की जाने वाली आर्थिक नीतियों का प्रभाव पड़ता है परंतु यदि उस देश में समाज भी सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का प्रयास करे तो आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज किया जा सकता है। अर्थात, समाज को अपने नागरिक कर्तव्यों पर आज और अधिक विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में संघ के स्वयंसेवकों द्वारा पंच परिवर्तन नामक कार्यक्रम को समाज के बीच ले जाने का प्रयास बड़े उत्साह से किया जा रहा है। पंच परिवर्तन कार्यक्रम में 5 बिंदु शामिल हैं - नागरिक कर्तव्य, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, समरसता एवं स्व के भाव का जागरण (इसमें स्वदेशी अर्थात देश में निर्मित उत्पादों का उपयोग भी शामिल है)। इन 5 आयामों के माध्यम से समाज परिवर्तन के कार्य को गति देने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें भारतीय नागरिकों को अपने नागरिक कर्तव्यों के अनुपालन पर भी विशेष ध्यान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। देश के कानूनों का पालन करना और उनका सम्मान करना नागरिकों की जिम्मेदारी है। इस कर्तव्य को पूरा करने से समुदाय में अनुशासन और सुरक्षा की भावना पैदा होती है। दैनिक जीवन के छोटे छोटे नियमों का पालन करने से सामाजिक अनुशासन का विकास होता है। जैसे, यातायात नियमों का पालन करना। जहां आवश्यक हो वहां वाहन कतार में लगाना। नागरिक कर्तव्य के अंतर्गत नागरिकों से अपेक्षा की जाती है कि वे विभिन्न करों का भुगतान समय पर करें एवं सही राशि का भुगतान करें। यह देश की आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक है। यदि समस्त नागरिक अपने इस कर्तव्य का पालन करते हैं तो भारत में करों की दरों को निश्चित ही और अधिक नीचे लाया जा सकता है। इसी प्रकार, राष्ट्रीय सम्पत्ति की सुरक्षा एवं रखरखाव करना भी नागरिकों का परम कर्तव्य है, जैसे सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता बनाए रखना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना। कभी कभी आम जनता को गुमराह कर आंदोलन हिंसक रूप लेते नजर आते हैं एवं परिणामस्वरूप देश में आगजनी, लूटपाट और राष्ट्रीय सम्पदा की हानि देखने को मिलती है। इस सम्बंध में समाज में जागरूकता पैदा किए जाने की आज सख्त आवश्यकता है। वैसे भी लोकतंत्र की सफलता और स्थिरता नागरिकों की भागीदारी और कर्तव्यों के प्रति सजगता पर निर्भर करती है। जब नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील होते हैं और उनका ईमानदारी से पालन करते हैं तो समाज में सकारात्मक बदलाव आते हैं और देश के आर्थिक विकास की गति तेज होती है। समाज की प्रगति, सुरक्षा और समृद्धि के लिए नागरिकों की अपने कर्तव्यों प्रति संवेदनशीलता तथा कटिबद्धता आवश्यक है। देशभक्ति न केवल अपने देश के प्रति प्रेम और निष्ठा है, बल्कि अपने देश के उत्थान और सुरक्षा में योगदान भी है। एक देशभक्त नागरिक अपने नागरिक कर्तव्यों के प्रति सदैव संवेदनशील एवं जागरूक रहता है। नागरिक एवं सामाजिक अनुशासन का पालन करना ही स्वतंत्र देश में प्रतिदिन प्रकट होने वाली देशभक्ति है।

नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों में मुख्य रूप से शामिल है, (1) संविधान का पालन करना एवं उसके आदर्शों और संस्थाओं, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना। (2) जिसने हमारे राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम को जन्म दिया प्रेरित होने पर उन ऊंचे आदर्शों को विकसित करना और उनका पालन करना। (3) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता उनका रख-रखाव एवं संरक्षण करना। (4) देश की रक्षा करना और आह्वान किए जाने पर राष्ट्रीय सेवा करना। (5) धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय या वर्ग मतभेदों को पार करना, भारत के लोगों के बीच एकता और भाईचारे को बढ़ावा देना, महिलाओं की गरिमा को कम करने वाली प्रथाओं को त्यागना। (6) हमारी विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना और इसे बचाना। (7) वनों, झीलों, नदियों, वन्य जीवों और प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना, जीवित प्राणियों के प्रति दया दिखाना। (8) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद, जिज्ञासा और सुधारवाद का विकास करना। (9) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करना एवं हिंसा का कठोर त्याग करना। (10) देश में ही निर्मित वस्तुओं का उपयोग करना एवं सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करना।

भारत के समस्त नागरिक यदि उक्त मौलिक कर्तव्यों का अनुपालन करते है तो भारत की आर्थिक विकास दर को 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष के ऊपर ले जाने में किसी प्रकार की अन्य कठिनाई आने वाली नहीं है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें अपनी ओर से देश के लिए हितकारी आर्थिक नीतियां बनाने की पूरी कोशिश कर रही हैं परंतु भारतीय नागरिक होने के नाते हमें भी अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा तभी हम सब मिलकर मां भारती को एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ कर पाएंगे।

संपादकीय

'इंडिया' अस्तित्व में या नहीं?

बिहार में करारी पराजय के बाद विपक्ष एक बार फिर विभाजित होता लग रहा है। 'इंडिया' ब्लॉक अथवा महागठबंधन कभी अस्तित्व में थे अथवा नहीं, यह भी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि उनके घटक दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते रहे हैं। बिहार इसका ताजातरीन उदाहरण है। अब दो विरोधाभासी बयान सामने आए हैं। एक तो 'इंडिया' गठबंधन को लेकर है कि अब उसकी कोई जरूरत नहीं है, लिहाजा कांग्रेस ने राजद और सपा से अलग होने की घोषणा की है। जिन सूत्रों से यह खबर सार्वजनिक हुई, उनका दावा है कि यह खुद गांधी परिवार का निर्णय है। लेकिन कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस निर्णय का खंडन किया है। अलबत्ता यह घोषणा जरूर की गई है कि पश्चिम बंगाल, असम के चुनाव में कांग्रेस 'एकला' ही लड़ेगी। केरल में न तो 'इंडिया' था और न ही गठबंधन संभव है, क्योंकि वहां कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल है और 10 साल से सत्ता के बाहर है। वाममोर्चा सरकार में है। तमिलनाडु में भी चुनाव 2026 के अप्रैल-मई में होने हैं। अभी तक द्रमुक सरकार के सहारे कांग्रेस सत्ता में भागीदार है। नए समीकरणों की फिलहाल कोई घोषणा नहीं है। कांग्रेस बीते 58 साल से तमिलनाडु में अपना मुख्यमंत्री निर्वाचित नहीं करा पाई है। बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस आधी-अधूरी ही 'इंडिया' गठबंधन में है। वह इस गठबंधन के घटक होने का दावा तो करती रही है, लेकिन कांग्रेस सरीखे प्रमुख घटक दल के साथ गठबंधन नहीं करती। दोनों संसदीय और विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ते हैं। इस बार भी गठबंधन के कोई आसार नहीं हैं, क्योंकि अब कांग्रेस 'एकला' ही अपनी राजनीतिक लड़ाई लड़े? के मूड में है या उसकी राजनीतिक बाध्यता है। सवाल है कि जब ऐसी स्थिति है, तो बिहार की पराजय के बाद ममता बनर्जी के चंपुओं ने यह शोर मचाना क्यों शुरू किया कि ममता को 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व सौंपना चाहिए। एक और आवाज उप्र से गूंजने लगी है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को 'इंडिया' ब्लॉक का प्रमुख चुनना चाहिए। उप्र में 2027 में विधानसभा चुनाव हैं। लोकसभा में भाजपा के 240 और कांग्रेस के 99 सांसदों के बाद सपा 37 सांसदों वाली तीसरी बड़ी पार्टी है। उप्र में 1989 और बंगाल में 1977 के बाद कांग्रेस सत्ता में नहीं है, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन का आकलन किया जाए, तो कांग्रेस के बिना विपक्षी गठबंधन के अस्तित्व की कल्पना ही नहीं की जा सकती। कांग्रेस बनाम सपा, तृणमूल, द्रमुक के दरमियान, निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों के आधार पर, फासले बेहद व्यापक हैं। यदि 'इंडिया' के अस्तित्व को बरकरार रखना है, तो कांग्रेस के नेतृत्व को नकारना असंभव है। फिर वह नेतृत्व मल्लिकार्जुन खड़गे का हो अथवा राहुल गांधी का हो! दरअसल कांग्रेस ही 'इंडिया' गठबंधन की बुनियाद है। उसकी अपनी तीन राज्य सरकारें हैं और 650 से अधिक विधायक हैं।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानो

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?

महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?

वह बोला- नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञात है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?

अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि यह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

मात्र 51 रुपये मिले थे धर्मेंद्र को पहली फिल्म के!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने 89 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। धर्मेंद्र के निधन से देओल परिवार समेत पूरे सिनेमा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। धर्मेंद्र ने सन 1960 में फिल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे से बॉलीवुड में कदम रखा था। शुरुआती दौर में उन्होंने अनपढ़, बंदिनी, अनुपमा और आया सावन झूम के जैसी फिल्मों में आम आदमी के किरदार निभाए। बाद में वे एक्शन और कॉमेडी के बड़े स्टार बने, शोले, धरम वीर, चुपके चुपके, मेरा गांव मेरा देश और ड्रीम गर्ल जैसी सुपरहिट फिल्मों में उन्होंने लीड रोल किए। हाल ही में वे शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में वे नजर आए थे। उनकी अगली फिल्म इक्कीस है, जिसमें अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होगी। धर्मेंद्र ने अपने करियर में सदा बहार अभिनेता बलराज साहनी, राज कपूर, संजीव कुमार, अमिताभ बच्चन और अमरीश पुरी के साथ काम किया। साथ ही धर्मेंद्र आज की पीढ़ी के कलाकारों के साथ भी फिल्मों में नजर आए। उन्होंने रणवीर सिंह, शाहिद कपूर, आलिया भट्ट सहित अन्य कलाकारों के साथ भी काम किया। धर्मेंद्र ने सन 1960 के दशक में बॉलीवुड डेब्यू किया था और अब तक फिल्मों में एक्टिव रहे। एक्टिंग के अलावा उन्होंने कई फिल्मों को प्रोड्यूस भी किया और खूब दौलत भी कमाई। उन्हें फिल्मी दुनिया का ही-मैन कहा जाता था। धर्मेंद्र कई दशक फिल्मों में काम किया । उन्होंने फिल्म आंखें, शिकार, आया सावन झूम के, जीवन मृत्यु, मेरा गांव मेरा देश, सीता और गीता, राजा जानी , जुगनू, यादों की बारात, दोस्त, शोले, प्रतिज्ञा, चरस, धरम वीर, गुलामी, हुकूमत, आग ही आग, ऐलान-ए-जंग और तहलका में अपने काम का लोहा मनवाया।

सन 1990 के दशक के अंत में, वह कई सफल और प्रशंसित फिल्मों में चरित्र भूमिकाएं निभाते हुए दिखाई दिए। इन फिल्मों में,प्यार किया तो डरना क्या, लाइफ इन ए... मेट्रो, अपने, जॉनी गद्दार, यमला पगला दीवाना और इधर कुछ सालों में वे रॉकी और रानी की प्रेम कहानी और तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया शामिल है। सन 1997 में, उन्हें बॉलीवुड में उनके योगदान के लिए फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिला। वह भारत की 15वीं लोकसभा के सदस्य रहे, और भारतीय जनता पार्टी से राजस्थान के बीकानेर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

धर्मेंद्र ने मात्र 19 वर्ष की आयु में सन 1954 में प्रकाश कौर से शादी की थी, जिससे उनके चार बच्चे हुए, दो बेटियां और दो बेटे। उनके बेटे सनी देओल और बॉबी देओल बॉलीवुड के सुपरस्टार्स बने। फिर उन्होंने दूसरी शादी सन 1980 में फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी से की, इस शादी से उनकी दो बेटियां हुई- ईशा देओल और अहाना देओल। ईशा ने भी फिल्मों में काम किया है। धर्मेंद्र को फिल्मों में पहला ब्रेक डायरेक्टर अर्जुन हिंगोरानी ने दिया था। फिल्म थी दिल भी तेरा हम भी तेरे और यह 1960 में रिलीज हुई। इस फिल्म के लिए धर्मेंद्र को सिर्फ 51 रुपये मिले थे। इस फिल्म के बाद भी धर्मेंद्र ने अर्जुन हिंगोरानी के साथ जितनी भी फिल्में कीं, उनके लिए नाम मात्र ही पैसे लिए। उनके कुल 6 बच्चे हैं और 13 नाती-पोते हैं। सन 2025 की शुरुआत में उनकी कॉर्निया ट्रांसप्लांट सर्जरी हुई थी। धर्मेंद्र की बाईं आंख का कॉर्निया डैमेज हो गया था, जिसका बाद में ट्रांसप्लांट किया गया था। इससे पहले 2018 से 2020 के आसपास धर्मेंद्र को कई बार मांसपेशियों में खिंचाव और कमर दर्द की की शिकायत हुई थी। उन्हें कमजोरी भी आ गई थी। उन्होंने अपने जीवन का आखिरी समय अपने फार्म हाउस में खेती कार्य करते हुए बिताया। सदा बहार फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र को मेरा शत शत नमन।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार व चिंतक है)

प्रतीकों के सियासी टोटके फिर भी नाकाम!

उमेश चतुर्वेदी

चुनाव नतीजों के बाद बिहार के सियासी गलियारों में एक लतीफा चल पड़ा है। मुकेश सहनी ने तालाब में कूद कर एक मछली पकड़ी, उसे बड़ी हसरत के साथ राहुल गांधी को थमाया, लेकिन राहुल के हाथ से वह मछली भी फिसल गई। जो सहनी महागठबंधन के उप मुख्यमंत्री उम्मीदवार थे, उसके हाथ सिफर ही लगा है। बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान मुकेश के साथ राहुल गांधी और कन्हैया कुमार तालाब में कूद गए थे। 'सन ऑफ मल्लाह' के साथ दोनों का तालाब में कूदना दरअसल लोक से जुड़ने का सियासी टोटका था, लेकिन चुनाव नतीजों से साफ है कि ये सियासी टोटके एक बार फिर नाकाम रहे।

राजनीति में प्रतीकों के जरिए लोकसंदेश की स्थापित परंपरा है। शिखर नेता और शीर्ष राजनीतिक परिवार लोगों से रस्मी घुलना-मिलना, उनकी सदाशयता और सादगी के प्रतीक के रूप में स्थापित हो गया है। किसी हस्ती का सामान्य दिखना और आम लोगों जैसे काम करना वोटरों के समर्थन की गारंटी माना जाता रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस के प्रथम परिवार के राहुल जब भी ऐसा करते हैं, उनसे उम्मीदें बढ़ जाती हैं। यह बात और है कि राजनीति में कामयाबी पाने का यह टोटका कांग्रेस के लिए मुफीद नहीं रहा है।

बिहार में बीते तीन महीनों में राहुल गांधी ने आम आदमी बनने की दो कोशिशें कीं । हावोटर अधिकार यात्राह के दौरान मोजे पहने ही मखाने के पानीभरे खेत में वे उतरे और बाद में चुनाव प्रचार के दौरान मुकेश सहनी के साथ मछली पकड़ने के लिए गंदले तालाब में उतर गए। राहुल जब ऐसा करते हैं, बौद्धिकों का एक तबका इसे अभूतपूर्व कदम साबित करने लगता है। बहुत तो इसमें राहुल के दिल की नरमी भी खोज लाते हैं। सोनीपत में जब राहुल ने धान-रोपाई की और ट्रैक्टर चलाया, तब भी ऐसी ही उम्मीदों के पंख लग गए थे । 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दोनों चरणों में भी ऐसे कई सारे नजारे दिखे। तब एक वर्ग की नजर में राहुल की ऐसी कोशिशों से राजनीति बदलने लगी थी। लेकिन तेलंगाना छोड़, राहुल के ऐसे कदमों का कोई चुनावी फायदा नहीं मिला।

इस प्रसंग में सवाल उठ सकता है कि प्रधानमंत्री भी तो ऐसे काम अक्सर करते हैं। काशी के गंगा घाट और प्रयागराज कुंभ जैसे कई मौकों और जगहों पर मोदी सफाई कर्मचारियों का पैर धो चुके हैं, उनके साथ भोजन कर चुके हैं, अयोध्या में अचानक गरीबों के घर पहुंच नेह जताते रहे, किसी परियोजना के पूरा होने के बाद उसमें श्रमस्वेद बहा चुके मजदूरों संग खाना खाते रहे हैं। तो उन पर ऐसे सवाल क्यों नहीं उठते। ऐसा नहीं कि सवाल नहीं उठते। वैचारिक खांचे में बंटी राजनीति और समाज में महज विरोध के लिए, सवाल उठते रहे हैं। जिनका जवाब बीजेपी की बजाय वोटर देते रहे हैं।

सवाल है कि राहुल के लोक लुभावन कदमों के बावजूद लोग कांग्रेस के साथ क्यों नहीं खड़ा हो रहे? कुछ महीने पहले कांग्रेस के अंदरूनी हलके में वरिष्ठ नेताओं से पार्टी को उबारने को लेकर राय मांगी गई थी। तब कुछ नेताओं ने अपने घनिष्ठ प्रबुद्ध लोगों की राय मांगी थी। ये पता नहीं कि नेताओं ने पार्टी को सफलता के गुर सुझाए या नहीं । वैसे कांग्रेस के जैसे अंदरूनी हालात हैं, शायद ही कोई नेता सही और वाजिब राय देने का साहस जुटा पाए। सियासी नाकामी से उबारने का नुस्खा वरिष्ठ कांग्रेसियों के पास भी है। चूंकि यह नुस्खा बेहद कड़वा है। डर ये है कि कड़वी दवा सुझाना कठिन हो सकता है। लिहाजा राय देने से लोग बच रहे हैं।

स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि पार्टी रही कांग्रेस अखिल भारतीय संगठन से लैस है। सत्तावादी राजनीति के दौर में कांग्रेस इस थाती पर गर्व कर सकती है। लेकिन संगठन को गतिशील बनाने वाले सही मुद्दों और लोकमर्म को छूने वाले विचारों से वह सर्वथा दूर है। राहुल उन्हीं मुद्दों को ज्यादा उछालते हैं, जिन्हें उनके वामपंथी सलाहकार सुझाते हैं। बौद्धिक और अकादमिक जगत इससे चाहे जितना भी आकर्षित हो, जमीनी स्तर पर वह अस्वीकार्य हो चुकी है। निजीकरण की कुछ खामियां हैं, लेकिन भूलना नहीं होगा कि निजीकरण ने चमक-दमक भी बढ़ाई है। भले ही एक वर्ग तक निजीकरण की रोशनी नहीं पहुंच सकी है। उस वर्ग का भी सपना चमक को हासिल करना है। वामपंथी वैचारिकी इसे नहीं समझती। वह जाहिर करती रही है कि अतीत की तरह अब भी समूचा देश अंधेरे में डूबा है। वह भूल जाती है कि देश पर सबसे ज्यादा दिनों तक कांग्रेस का ही शासन रहा है।

जातिवाद कड़वी सच्चाई है। हजारों साल की परंपरा का एकदम खत्म होना संभव नहीं। कड़वा सच है कि जातिवाद को दूर करने और उससे दूर रहने का दावा करने वाली राजनीति और बौद्धिक भी इससे अछूते नहीं। उनके अंदरूनी खांचे में जातिवाद कई रूपों में मौजूद है। वैसे जाति और धर्म के संदर्भ में समूचे देश और समाज को एक फॉर्मूले से समझना संभव नहीं। कांग्रेस यही गलती दोहरा रही है। राहुल के सलाहकारों की टीम उन्हें इसी फॉर्मूले में बार-बार आगे बढ़ने का सुझाव देती है। अब तो योगेंद्र यादव भी राहुल गांधी के बड़े सलाहकार हैं। समाजवादी दिग्गज किशन पटनायक के शिष्य यादव की सोच पर समाजवाद का कम, वामपंथ का असर ज्यादा है। 1999 में एक्जिट पोल को काला जादू न मानने वाले योगेंद्र को अब बीजेपी की हर जीत में शंका ही नजर आती है। कांग्रेस आलाकमान के तमाम सलाहकार कभी शिक्षा के लालगढ़ की राजनीति के प्रतीक रहे। दुर्भाग्यवश उनकी सामाजिक सोच जमीनी हकीकत की बजाय वामपंथी दर्शन से ज्यादा प्रभावित है। इस टीम के अनुसार ऊंच-नीच और जात-पांत का विचार समूचे देश में एक जैसा है। लेकिन यह अधूरा सच है। समूचा देश ना तो एक तरह से सोचता है ना ही उसका एक-सा व्यवहार है। शीर्ष नेतृत्व की सलाहकार मंडली

अलग-अलग हिस्सों की माटी के रंग, व्यवहार और विचार से कोसों दूर है।

राहुल को इन दिनों अपनी दादी इंदिरा गांधी की याद खूब आती है। लेकिन वे इंदिरा के कई गुणों को अब तक समझ नहीं पाए हैं..। समाज को लेकर इंदिरा की समझ गहरी थी। यही वजह है कि वक्त और इलाके की परंपरा के मुताबिक, किसी इलाके में ठेठ बहू बन जाती थीं, तो किसी इलाके में आधुनिक महिला। कुछ इलाकों में वे अपने सिर पल्लू रखती थीं तो कुछ इलाकों में नहीं। आज इंदिरा रहतीं और वैसा करतीं तो शायद कांग्रेस के मौजूदा सिपहसालारों की नजर में वे दकियानूस मान ली जातीं।

स्वाधीनता आंदोलन के दौरान कांग्रेस की छतरी तले कई विचारधाराएं काम कर रही थीं। इंदिरा काल के किंचित वामपंथीकरण को छोड़ दें तो पार्टी का नजरिया ज्यादातर मध्यमार्गी और समाजवादी ही रहा। इंदिरा काल में वामपंथी प्रभाव इतना नहीं रहा कि वह अपनी बुनियादी विचारधारा को ही बदल दे। लेकिन आज देश की सबसे पुरानी पार्टी पर वामपंथ का खूब असर है। इसलिए उसके मुद्दे भी इसी से प्रभावित हैं। वाम वैचारिकी हर मुद्दे को नैरेटिव विशेष के लिहाज से उछालती है। सांप्रदायिकता,धर्म और जाति से जुड़े उसके विचार पारंपरिकता से इतर हैं। बीजेपी के खिलाफ हर बार सांप्रदायिकता का वामपंथी एजेंडा और नैरेटिव का उठाना इसी मंडली की कारसाजी होती है। इस नजरिया वाली सांप्रदायिकता का प्रतिकार सूत्र बीजेपी ने खोज लिया है। उसके लिए यह पिच आसान हो गई है।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

यशराज की एक्शन फिल्म में हुई ऐश्वर्य ठाकरे की एंट्री

यशराज फिल्म्स की अगली बड़ी एक्शन-रोमांस फिल्म इन दिनों जबरदस्त सुर्खियों में है। वजह है शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे का इस फिल्म में एंट्री करना। खास बात यह है कि ऐश्वर्य पहली बार बड़े पर्दे पर कदम रख रहे हैं- वह भी सीधे विलेन के रूप में। उनकी टक्कर होगी नए जमाने के उभरते सितारे अहान पांडे से, जबकि शरवरी वाघ फिल्म की मुख्य अभिनेत्री होंगी। निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं बड़े कैनवस वाली फिल्मों के लिए मशहूर अली अब्बास ज़फर। फिल्म इंडस्ट्री में हर बार किसी नए चेहरे की एंट्री होती है, तो दर्शकों में उत्सुकता बढ़ जाती है। लेकिन इस बार मामला कुछ खास है, क्योंकि ऐश्वर्य ठाकरे का लॉन्च सीधे बड़े पैमाने की फिल्म में, एक मजबूत नेगेटिव किरदार के रूप में हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में उनका किरदार सिर्फ विरोधी नहीं, बल्कि कहानी की पूरी दिशा तय करने वाला बताया जा रहा है। वहीं अहान पांडे, जिन्हें हाल ही में 'सैयारा' से युवाओं में जबरदस्त पहचान मिली, इस फिल्म के हीरो हैं। सूत्रों के मुताबिक दोनों के बीच होने वाला फ्लैश फिल्म का मुख्य आकर्षण होगा।

अहान पांडे की कड़ी तैयारी

यह प्रोजेक्ट सिर्फ एक बड़े कैनवस की कहानी नहीं, बल्कि कलाकारों के लिए भी बड़ा चैलेंज है।

खबर है कि अहान पांडे फिल्म के लिए रोजाना कई घंटों की ट्रेनिंग लेते हैं। सुबह बॉक्सिंग से शुरू होने वाला सेशन धीरे-धीरे मार्शल आर्ट्स और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग तक जाता है। उनकी ट्रेनिंग का लेवल देखकर साफ है कि फिल्म में हाई-इंटेंसिटी फाइट सीक्वेंस होंगे, जो बड़े पर्दे पर देखने लायक होंगे।

ऐश्वर्य ठाकरे का नाम राजनीति से लेकर ग्लैमर वर्ल्ड तक अक्सर चर्चा में रहा है। लेकिन पहली बार वे किसी बड़े प्रोजेक्ट में अभिनय करने जा रहे हैं, वह भी एक ऐसे किरदार के रूप में जो फिल्म के टोन को तय करेगा। फिल्म इंडस्ट्री के विशेषज्ञ कह रहे हैं कि अगर यह किरदार दर्शकों को पसंद आया, तो ऐश्वर्य को एक दमदार शुरुआत मिल सकती है।

'गुस्ताख इश्क' में हमने पूरी ईमानदारी से काम किया है

उम्मीद है कि दर्शक भी उतना ही प्यार देंगे

90 के दशक वाले प्यार की सादगी और गहराई को नए अंदाज में दिखाने वाली फिल्म 'गुस्ताख इश्क' जल्द ही रिलीज होने वाली है। विभु पुरी के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा में पहली बार फातिमा सना शेख और विजय वर्मा साथ नजर आएंगे। फिल्म में रिश्तों, प्यार और भावनाओं की जटिलताओं को पेश किया गया है। इसका खास आकर्षण गुलजार और विशाल भारद्वाज का संगीत है, जिसे दर्शक लेकर काफी उत्साहित हैं। हाल ही में फातिमा ने बातचीत में अपने अनुभव साझा किए।

90 के दशक की बहुत सी बातें याद आती हैं, खासकर उस दौर का सच्चा प्यार और जज्बात। आपको उस समय की कौन-सी बातें सबसे ज्यादा याद आती हैं?

बचपन में जब शाम के 7 बजे डिज्नी चैनल आता था, तो हम सब बच्चे खेलना छोड़कर टीवी देखने दौड़ पड़ते थे। उस वक्त न वीडियो गेम्स थे, न फोन। बस वही स्नेक वाला गेम होता था, वो भी पेरेंट्स के फोन पर। हर शाम दोस्तों के साथ बाहर खेलना और बातें करना सबसे मजेदार होता था। तब न ग्रुप चैट्स थीं, न ऑनलाइन डेटिंग। हम सब असली में मिलते थे, इसलिए वो दिन बहुत याद आते हैं।

आपका नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा?

मुझे बहुत मजा आया। शुरू में मैं नर्वस थी क्योंकि उनका काम देखकर सब प्रभावित होते हैं। लगा कि वो मेरी परफॉर्मेंस को जज करेंगे, इसलिए बेस्ट देना चाहती थी। लेकिन वो बहुत सपोर्टिव और केयरिंग हैं, हमेशा मदद करते हैं, इसलिए अनुभव बहुत अच्छा रहा।

आपके अपने को-एक्टर विजय वर्मा की कौन-सी बात सबसे अच्छी लगती है?

विजय बहुत समझदार, टैलेंटेड और अच्छे इंसान हैं। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर शानदार है, जिससे हमारी अच्छी दोस्ती हो गई। मैं खुश हूं कि उनसे मुलाकात हुई।

आपकी फिल्म में गुलजार साहब, विशाल भारद्वाज और मनीष मल्होत्रा जैसे बड़े नाम जुड़े हैं। ट्रेलर को भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है, इसे आप कैसे देखती हैं?

ट्रेलर और गानों को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इतने बड़े कलाकारों के साथ काम करना बहुत खुशी की बात है। मनीष सर ने भरोसा दिखाया, नसीर जी ने बहुत प्यार दिया और सबने मिलकर पूरी ईमानदारी से काम किया। अब उम्मीद है कि दर्शक भी फिल्म को उतना ही प्यार देंगे, जितने प्यार से हमने इसे बनाया है।

कोंकणा सेन शर्मा ने अपने अगले डायरेक्टोरियल प्रोजेक्ट के बारे में अपडेट दी

कोंकणा सेन शर्मा ने न सिर्फ एक अभिनेत्री बल्कि एक डायरेक्टर के तौर पर भी अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने साल 2016 में आई फिल्म डेथ इन द गंज का निर्देशन किया। वह लस्ट स्टोरीज 2 की सह-निर्देशक रहीं। अब एक्ट्रेस-डायरेक्टर ने अपने अगले डायरेक्टोरियल प्रोजेक्ट के बारे में अपडेट दी है। कॉमेडी फिल्म का निर्देशन करने वाली हैं अभिनेत्री अपने अगले प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए कोंकणा सेन शर्मा ने बताया यह एक कॉमेडी शो है, जिसे मैं अपने कॉलेज के दोस्त जयदीप सरकार के साथ लिख रही हूं और इसका निर्देशन कर रही हूं। मैं इसे लेकर थोड़ी घबराई हुई हूं लेकिन इसके साथ हमें मजा आने वाला है। कई कलाकार अपने निर्देशन में बन रहे शो में काम करते हैं। ऐसे में कोंकणा सेन शर्मा से पूछा गया कि क्या वह अपने निर्देशन में बन रहे शो में काम करेंगी? इस पर उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं इसमें बतौर अभिनेत्री काम करूंगी। मेरे पास कई दूसरे अच्छे कलाकार हैं, इसलिए मैं चीजों को अपने लिए मुश्किल क्यों बनाऊं। मैंने देखा है कि कलाकार प्रोजेक्ट को खुद लिखते हैं और उसका निर्देशन करते हैं। हालांकि मेरे पास अभी वो काबिलियत नहीं है। कोंकणा सेन शर्मा ने फिल्म पेज 3 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हाल ही में वह साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो के सीक्वल मेट्रो... इन दिनों में नजर आईं। इसमें पंकज त्रिपाठी, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे कलाकार थे। इसका निर्देशन अनुराग बसु ने किया।

राहु केतु में कॉमेडी में रंग जमाते दिखेंगे पुलकित और वरुण; अमित सियाल की एंट्री शानदार

कॉमेडी की डबल डोज लेकर पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा हाजिर हो गए हैं। हाल ही में उनकी अपकमिंग फिल्म 'राहु केतु' का टीजर रिलीज हुआ। इसमें सीरियस एक्टिंग के लिए मशहूर अमित सियाल भी नजर आए। टीजर में फिल्म की कहानी की झलक भी मिली। टीजर में पुलकित और वरुण धवन जब भी साथ होते हैं तो लोगों का नुकसान ही करते हैं। गांव में सभी इन्हें मनहूस मानते हैं। यह दोनों जिसकी जिंदगी में जाते हैं, उसके लिए मुश्किलों का दौर शुरू हो जाता है। टीजर में एक जगह पर राहु केतु का रेफरेंस भी दिखाया गया है।

अमित सियाल की दमदार एंट्री

आगे टीजर में अमित सियाल भी नजर आते हैं। वरुण और पुलकित का किरदार मिलकर अमित के कैरेक्टर की जिंदगी को मुश्किल बना देते हैं। आगे चलकर इनके बीच दुश्मनी भी दिखती है। इस कॉमेडी फिल्म में अमित सियाल का कैरेक्टर नेगेटिव नजर आता है।

कब रिलीज होगी फिल्म

फिल्म राहु केतु में पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा, अमित सियाल के अलावा शालिनी पांडे, पीयूष मिश्रा और चंकी पांडे भी नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विपुल विग ने किया है। राहु केतु 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

....इसलिए पवन कल्याण को पसंद करती हैं राशि

अभिनेत्री राशि खन्ना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 120 बहादुर को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में कई तरह की भूमिकाएं निभाई है लेकिन कोई ऐसा कोई प्रोजेक्ट नहीं था, जिसकी स्क्रिप्ट पढ़े बिना उन्होंने साइन किया हो। हालांकि उन्होंने बताया कि तेलुगु फिल्म उस्ताद भगत सिंह की स्क्रिप्ट सुने बिना ही इसे साइन किया। एक इंटरव्यू में राशि खन्ना ने फिल्म उस्ताद भगत सिंह के बारे में कई बातें बताई हैं। उन्होंने अपने सह-कलाकार पवन कल्याण की भी तारीफ की है। अपनी अगली फिल्म उस्ताद भगत सिंह में काम करने के बारे में पूछे जाने पर, राशि ने बताया यह एकमात्र ऐसी फिल्म है जिसे मैंने बिना स्क्रिप्ट सुने साइन कर लिया। मैंने हां कह दिया क्योंकि यह पवन कल्याण की फिल्म है। मैं हमेशा से उनके साथ काम करना चाहती थी क्योंकि उनके पास स्टारडम है। मुझे पता है कि यह उनकी फिल्म है और मैं इसका हिस्सा हूं। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। कभी-कभी आप ऐसी फिल्में मशहूर होने के लिए करते हैं।

पवन कल्याण के बारे में बात करते हुए राशि ने कहा मैं इस चीज को बहुत पसंद करती हूं कि वह महिलाओं के प्रति सम्मान रखते हैं। दूसरी बात यह है कि आम लोगों को भी वह बहुत प्रेम करते हैं। इन सबके अलावा वह एक बहुत अच्छे अभिनेता हैं। राशि ने आगे बताया उनकी कॉमिक टाइमिंग शानदार है। मैंने सेट पर ऐसी छोटी-छोटी चीजें देखीं, जिनसे मैं हैरान हो गई। मुझे नहीं लगता कि उन्हें पता है कि वो कितने अच्छे हैं। ये पहली बार था जब मैं किसी सेट पर किसी स्टार से इतना प्रभावित हुई।

युद्ध नहीं, कुर्बानी दिखाती है फिल्म

फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर का दर्शकों को काफी इंतजार था। यह फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है। कई दर्शकों ने फिल्म को देखकर इस पर प्रतिक्रिया दी है। आइए जानते है दर्शकों को यह फिल्म कैसी लगी है?

यूजर को पसंद आया फरहान का अभिनय

एक यूजर ने 120 बहादुर और फरहान अख्तर की तारीफ की है। उन्होंने लिखा है क्या हम फरहान अख्तर की स्क्रीन प्रेजेंस के बारे में बात कर सकते है? हर फ्रेम, हर डायलॉग और हर झलक बहुत अच्छी है। इस फिल्म को सिर्फ उनके लिए देखा जाना चाहिए।

यूजर ने दर्शकों से की ये गुजारिश

एक यूजर ने फिल्म की तारीफ की है। उन्होंने लिखा है 120 बहादुर फिल्म देखी। बिना हवा के सपोर्ट के 118 जवान -30 डिग्री में आखिरी सांस और आखिरी गोली तक लड़े। यह फिल्म युद्ध नहीं कुर्बानी दिखाती है। फिल्म को जरूर देखें।

फिल्म देखें ताकि इतिहास न भूलें

एक यूजर ने फैंस से गुजारिश की है कि इस फिल्म को जरूर देखें ताकि आप रेजांग ला में सैनिकों की कुर्बानी और इतिहास न भूलें। एक दूसरे यूजर ने फिल्म में फरहान अख्तर की अदाकारी की तारीफ की है।

फरहान को बताया असली मेजर शैतान सिंह

एक और यूजर ने फिल्म में फरहान अख्तर के अभिनय की तारीफ की है। उन्होंने फरहान अख्तर को असल जिंदगी का मेजर शैतान सिंह बताया है। एक दूसरे यूजर ने फिल्म की तारीफ करते हुए इसे असली कहानी और असली भावना बताया है।

फिल्म की स्टारकास्ट

फिल्म 120 बहादुर में फरहान अख्तर, राशि खन्ना, स्पर्श वालिया, विवान भटेना, धनवीर सिंह, दिग्विजय प्रताप, साहिब वर्मा, अंकित सिवाच, देवेंद्र अहिरवार ओप एजाज खान हैं। फिल्म को रजनीश राजी घई ने डायरेक्ट किया है।

फिल्म का नाम 120 बहादुर ही क्यों रखा गया?

17 नवंबर 1962 की रात जो हुआ, उसके बाद 18 नवंबर की सुबह तक जो भी हुआ, वो एक आदमी का अकेला काम नहीं था। एक आदमी था जो बहुत बढ़िया नेता था, बहादुर और डर के आगे नहीं झुकने वाला। उसने अपने सैनिकों में जोश और हौसला बढ़ाया, लेकिन लड़ाई में 120 सैनिक थे। इसलिए हमें लगा कि फिल्म का सही नाम होना चाहिए '120 बहादुर,' क्योंकि ये फिल्म पूरी कंपनी के बारे में है।

मार्को जानसन के 6 विकेटों ने ढाया कहर: भारतीय टीम 201 रनों पर सिमटी, दक्षिण अफ्रीका की 314 रनों की बढ़त

गुवाहाटी (एजेंसी)। गुवाहाटी में चल रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ने भारत को सिर्फ 201 रनों पर आउट कर 288 रनों की विशाल बढ़त हासिल कर ली। मेहमान टीम की पहली पारी में शानदार प्रदर्शन करने वाले मार्को जानसन ने 48 रन देकर 6 विकेट लिए, जिससे भारतीय बल्लेबाजी क्रम लड़खड़ा गया। भारतीय टीम को कमजोर स्कोर पर आउट करने के बाद, दक्षिण अफ्रीका ने फिर से बल्लेबाजी की और तीसरे दिन का खेल आठ ओवर में 26/0 पर समाप्त हुआ। सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम (12*) और रयान रिकेल्टन (13*) नाबाद क्रीज पर थे और दक्षिण अफ्रीका 314 रनों की बढ़त के साथ आगे था।

भारत ने लंच के बाद के सत्र में 174/7 के स्कोर से शुरुआत की, जिसमें वाशिंगटन सुंदर (33*) और कुलदीप यादव (14*) नाबाद रहे और भारत 315 रनों से पीछे था। वाशिंगटन और कुलदीप ने सतर्कता से खेलते हुए बीच-बीच में चौके भी लगाए। हालांकि, प्रोटियाज स्पिनर साइमन हार्मर ने दिन का अपना तीसरा विकेट हासिल किया और वाशिंगटन को आउट कर दिया, जिससे भारत की विरोधी टीम की बढ़त को और कम करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया। हार्मर की आउटसाइड ऑफ स्टंप गेंद पर वाशिंगटन ने पहली स्लिप में खड़े एडेन मार्करम को कैच थमा दिया। वाशिंगटन ने 92 गेंदें पर 48 रन बनाने के बाद अपना विकेट गंवा दिया, जिससे भारत का स्कोर 194/8 हो गया।

जसप्रीत बुमराह के रूप में नए बल्लेबाज कुलदीप के साथ क्रीज पर थे, और जैनसन, जो पहले ही चार विकेट ले चुके थे, दूसरे छोर से भारतीय पुछल्ले बल्लेबाजों को लगातार परेशान कर रहे थे। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने 81वें ओवर में दूसरी नई गेंद ली और कुछ ही देर में कुलदीप भी आउट हो गए। 82वें ओवर में जैनसन ने अपना विकेट गंवा दिया और भारत का स्कोर 194/9 हो गया। कुलदीप ने 134 गेंदों पर 19 रन की ज़बरदस्त पारी खेलने के बाद शॉर्ट-लेंथ गेंद पर दूसरी स्लिप में मार्करम को कैच थमा दिया। कुलदीप के विकेट के साथ ही जैनसन ने पाँच विकेट पूरे कर लिए।

मोहम्मद सिराज और बुमराह के क्रीज पर रहते हुए, भारत ने सात रन और जोड़े, इससे पहले जैनसन ने बुमराह का भी विकेट लिया, जिससे पारी में उनके विकेटों की संख्या छह हो गई। इससे पहले, भारत ने दूसरे सत्र की शुरुआत 102/4 से की, जिसमें कप्तान ऋषभ पंत (6*) और रवींद्र जडेजा (0*) नाबाद थे। मेजबान टीम का बल्लेबाजी में संदिग्ध रवैया जारी रहा, क्योंकि कप्तान पंत ने एक जोरदार शॉट खेला, लेकिन गेंद दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर काइल वेरिन के हाथों में चली गई।

पंत भारत के स्कोर में सिर्फ सात रन ही जोड़ पाए और भारत ने 37.2 ओवर में 109 रन पर अपनी आधी टीम गंवा दी। नितीश कुमार रेड्डी भी ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सके और एडेन मार्करम के शानदार कैच ने उनकी पारी का अंत कर दिया, जो 18 गेंदों में 10 रन पर थी। जैनसन अपनी लंबाई और उछाल से भारत को परेशान करते रहे, जिसका सामना करना जडेजा के लिए भी मुश्किल रहा। रवींद्र जडेजा के आउट होने के साथ ही भारत का स्कोर 43.3 ओवर में 122/7 हो गया। वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव ने बाद से भारत की लड़ाई को और लंबा खींचा और 56.3 ओवर में भारत को 150 के पार पहुंचा दिया। सुंदर ने जहाँ कुछ आक्रामक शॉट लगाए, वहीं कुलदीप ने भी कुछ रन बटोरे।

अब राहुल की कप्तानी में खेलते नजर आयेंगे विराट और रोहित

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा और विराट कोहली को प्रशंसक अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में खेलते हुए देख पायेंगे। ये सीरीज इस माह के अंत में खेली जाएगी। इस सीरीज में भारतीय टीम के एल राहुल की कप्तानी में उतरेगी। ऐसे में ये दोनो ही दिग्गज शुभमन गिल के बाद अब राहुल की कप्तानी में खेलते हुए दिखेंगे। इसमें सभी की नजरें विराट और रोहित के प्रदर्शन पर रहेंगी। प्रशंसक भी इनसे बड़ी पारी की उम्मीद करेंगे। इस सीरीज में प्रदर्शन के आधार पर ही इन दोनो को आगे अवसर मिलेगा।

इस सीरीज के लिए बीसीसीआई ने रविवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। शुभमन की गर्दन में अकड़न के कारण उनकी जगह राहुल को कप्तानी मिली है। इससे पहले रोहित और विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में शुभमन की कप्तानी में एकदिवसीय सीरीज खेली थी। रोहित और विराट के होने से शीर्ष और मध्य क्रम मजबूत होगा। इससे टीम में स्थायित्व आने की संभावना है। वहीं उप कप्तान की जिम्मेदारी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दी गयी है। इसी सीरीज में शुभमन की जगह पर ऋतुराज गायकवाड को शामिल किया गया है। ऋतुराज ने भारत ए की ओर से हाल में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके अलावा ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी इसी सीरीज में खेलेंगे। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले तिलक वर्मा को भी इस टीम में शामिल किया गया है।

टोक्यो से भी बड़ा कारनामा! ब्लाइंड महिला टी20 विश्व कप भारत ने जीता, पीएम-जय शाह ने सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार आयोजित हुए दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप में जीत के लिए भारतीय महिला टीम को बधाई दी और कहा कि यह कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण है। भारत ने दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप के पहले संस्करण को जीतकर इतिहास रच दिया। भारत ने रविवार को कोलंबो में एकतरफा फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराया।

प्रधानमंत्री मोदी ने X पर पोस्ट किया कि भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को पहला दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए बधाई! इससे भी अधिक सराहनीय बात यह है कि वे श्रृंखला में अपराजित रहीं। यह वास्तव में एक ऐतिहासिक खेल उपलब्धि है, कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण है। प्रत्येक खिलाड़ी एक चैंपियन है! टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं। यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

भारतीय टीम को दूसरा टेस्ट जीतने आक्रामक रणनीति अपनानी होंगी: शास्त्री

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट में भारतीय टीम को अगर जीत दर्ज करनी है तो उसे आक्रमक बल्लेबाजी करने होगी। शास्त्री ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजो को अधिक समय खराब न करते हुए तेजी से रन बनाने चाहिए। साथ ही पहली पारी में हो सके तो दक्षिण अफ्रीका से कम रनों पर भी पारी घोषित कर दे। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने टेस्ट क्रिकेट में केवल 4 बार दूसरी पारी में विरोधी टीम से कम पर पारी घोषित की है, इसमें एक भी बार भी भारतीय टीम को जीत नहीं मिली है। भारतीय टीम एक मैच हारी जबकि तीन ड्रॉ रहे हैं।

शास्त्री ने कहा, 'भारतीय टीम को तय करना होगा कि वे नई गेंद का सामना कैसे करते हैं, फिर गेम को आगे बढ़ाएं और जीत दर्ज करें। उन्हें फैसले लेने होंगे, जिसका अर्थ है कि आप शायद पहले घोषित करना चाहें, फिर दूसरी पारी में विरोधी टीम को जल्दी आउट करने के प्रयास करें।' उन्होंने साथ ही कहा, 'आपको ये अवसर लेने होंगे। आप दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के 489 रन से आगे बल्लेबाजी करने का इंतजार नहीं कर सकते इसमें बहुत समय लगेगा।'

गौरतलब है कि टेस्ट क्रिकेट में 33 बार टीमों ने दूसरी पारी में पीछे होने पर पारी घोषित की है पर इसमें केवल तीन अवसरों पर ही इन टीमों को जीत मिली है। भारतीय टीम ने ऐसा चार बार किया है पर उन्हें एक बार भी जीत नहीं मिली। उन्हें एकमात्र हार 1948 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में मिली थी, जब उन्होंने 103 रन कम पर पारी घोषित की थी। वहीं तीन अन्य बार मुकाबले ड्रॉ रहे थे।

संजू सैमसन को वनडे टीम में जगह न मिलने पर भड़के अनिल कुंबले

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस माह के अंत में होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को शामिल नहीं किये जाने की आलोचना की है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 30 नवंबर से शुरु होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए केएल राहुल को टीम का कमान बनाया है क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की अकड़न के कारण इस सीरीज से बाहर है। इस सीरीज के लिए युवा बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़, ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की टीम में वापसी हुई है पर सैमसन को एक बार फिर अवसर नहीं मिला है। माना जा रहा है कि चयनकर्ताओं ने सैमसन के अच्छे फार्म के बाद भी उनकी उपेक्षा की है। कुंबले का मानना है कि सैमसन ने पिछले कुछ समय में एकदिवसीय प्रारुप में अपनी बल्लेबाजी बेहतर बनायी है। इसके आधार पर वह टीम मे जगह पाने के अधिकारी थे। कुंबले ने कहा, मैं सैमसन का देखना चाहूंगा। क्योंकि मुझे लगता है उन्होंने कुछ साल पहले जो एकदिवसीय खेला था, उसमें शतक लगाया था। मैं जानता हूं कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय दल में शामिल नहीं थे। वहीं ऋषभ पंत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जगह दी गई है। वह लंबे समय बाद एकदिवसीय मे वापसी मे सफल रहे हैं।

वेंकटेश प्रसाद बन सकते हैं दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 सीजन के लिए मुनाफ पटेल की जगह पर पूर्व भारतीय गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद को अपना नया गेंदबाजी कोच बना सकती है।

इस कारण है कि मुनाफ के रहते टीम के गेंदबाजी का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। वहीं प्रसाद का अपने करियर के दौरान प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है संन्यास के बाद वह कोच के तौर पर भी सफल रहे हैं। जिनको देखते हुए कैपिल्स टीम उन्हें शामिल करना चाहती है। वहीं मुनाफ साल 2025 में कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच थे और उनके मार्गदर्शन में गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाये टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी। कैपिटल्स लीग के 18वें सीजन में लगातार चार जीत के बाद भी अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रही। इसी को देखते हुए कैपिटल्स नये सत्र मे टीम नई सोच के साथ उतरना चाहती है और इसके लिए कोचिंग टीम में बदलाव करने जा रही है। अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश रही कैपिटल्स के गेंदबाजी विभाग को वेंकटेश के आने से मजबूती मिलेगी। उनके नाम को लेकर सोशल मीडिया मे अटकलें जारी हैं पर कैपिटल्स ने अभी तक आधिकारिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है। फ्रेंचाइजी ने सीजन की शुरुआत शानदार प्रदर्शन के साथ की थी पर वह कमजोर गेंदबाजी के कारण दूसरे हिस्से में लड़खड़ा गयी। इसके पीछे उनकी खराब बल्लेबाजी और कमजोर गेंदबाजी रणनीति थी।

शुभमन की गर्दन की जकड़न बनी रहस्य: किसी भी तरह की नर्व चोट नहीं पायी गयी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल की गर्दन की अकड़न को लेकर अभी तक रहस्य बना हुआ है। शुभमन इसी कारण दूसरे टेस्ट के साथ ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर हो गये है। वहीं जांच रिपोर्ट्स के अनुसार शुभमन को किसी भी तरह की नर्व चोट नहीं है। इसके बाद भी शुभमन के दर्द से उबरने में हो रही देरी से सभी हैरान हैं। सभी हैरान हैं कि उनकी रिकवरी में इतना समय क्यों लग रहा है। साधारण हालातों में गर्दन की अकड़न आम है। यही वजह थी कि वे टीम के साथ दूसरे टेस्ट के लिए गुवाहाटी भी गये थे पर आराम नहीं मिलने के कारण अचानक ही जांच के लिए मुम्बई चले गये। अगर गर्दन की अकड़न 2 दिन में ठीक न हो, तो इसे पूरी तरह ठीक होने में 15-20 दिन तक लग सकते हैं पर पूरे आराम की जरूरत होती है। वहीं यदि आराम का समय न हो, तो डॉक्टर एक ऐसा इंजेक्शन देते हैं जो रिकवरी की प्रक्रिया को तेज कर देता है। इंजेक्शन का पूरा असर दिखने में लगभग 3 दिन लगते हैं। इसके बाद खिलाड़ी रीहैब शुरू कर सकता है। शुभमन को यह इंजेक्शन दे दिया गया है और प्राप्त जानकारी के अनुसार वे अब पहले से काफी बेहतर महसूस कर रहे हैं। इसी कारण अब एक-दो दिन में उनका रीहैब शुरू हो जाएगा। वे कितनी जल्दी मैदान पर लौटेंगे, यह उनके रीहैब की गति पर निर्भर करेगा. डॉक्टरों को भरोसा है कि अगर सब ठीक रहा, तो शुभमन टी20 सीरीज में खेल सकते हैं हालांकि ये अभी तक तय नहीं है।

इटली ने स्पेन को हराकर लगातार तीसरी बार डेविस कप जीता, जानें पहले किस देश ने किया ऐसा

बोलोग्ना (इटली) (एजेंसी)। इटली ने यानिक सिनर की अनुपस्थिति के बावजूद स्पेन को हराकर लगातार तीसरी बार डेविस कप का खिताब जीता और इस तरह से इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में अपनी बादशाहत बरकरार रखी। सिनर की अनुपस्थिति में मैटियो बेरेटिनी और फ्लेवियो कोबोली इटली के लिए स्टार रहे। इन दोनों ने अपने एकल मैच जीतकर इटली को फाइनल में स्पेन पर 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई।

यह इटली का लगातार तीसरा और कुल चौथा डेविस कप खिताब है। लगातार तीन खिताब जीतने वाला आखिरी देश अमेरिका था, जिसने 1968 से 1972 तक लगातार पांच खिताब जीते थे। पिछले दो वर्षों में इटली को डेविस कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर ने अगले सत्र की तैयारी के लिए इस बार डेविस कप में भाग नहीं लिया।

यही नहीं इटली के विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो मुसेट्टी भी नहीं खेल रहे थे। इटली को उनकी जरूरत नहीं पड़ी। उसने इस सप्ताह बोलोग्ना के सुपरटेनिस एरेना में अपने तीनों मैच 2-0 से जीते। इटली ने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रिया तथा सेमीफाइनल में बेल्जियम को हराया। स्पेन भी अपने स्टार खिलाड़ी और विश्व में शीर्ष रैंकिंग वाले कार्लोस अल्काराज के बिना खेल रहा था।

फाइनल में बेरेटिनी ने पाब्लो कैरेनो बुस्टा को 6-3, 6-4 से हराया। उसके बाद कोबोली ने जौम मुनार को 1-6, 7-6 (5), 7-5 से हराकर इटली की जीत सुनिश्चित की। इटली ने पहली बार 1976 में डेविस कप जीता था। उसके बाद उसने 2023 और 2024 में मलागा में खिताब जीता था। यह पहली बार है जब उसने अपनी धरती पर जीत हासिल की है। छह बार का चैंपियन स्पेन 2019 के बाद पहली बार खिताबी मुकाबले में खेल रहा था।

स्मृति मंधाना के मंगेतर पलाश भी बीमार हुए, अस्पताल ले जाया गया, तबियत में सुधार के बाद होटल लौटे

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना की परेशानियां बढ़ती जा रही है। उनके पिता को जहां रविवार को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं अब उनके मंगेतर पलाश मुच्छल के भी बीमार होने की जानकारी मिली है। पलाश को इसके बाद अस्पताल ले जाया गया हालांकि तबीयत में

सुधार होने की वजह से वह वापस होटल रूम में लौट आये है। कहा जा रहा है कि उन्हें एसीडिटी और संक्रमण हुआ था पर अब वह ठीक है। मंधाना ने पिता की तबीयत खराब होने की वजह से ही अपनी शादी भी टाल दी है। वहीं मंधाना परिवार के डॉक्टर, डॉ. नमन शाह ने कहा कि एक चिकित्सा टीम उनके पिता की सेहत पर नजर रख रही है। अगर उनकी तबियत स्थिर रहती है तो उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। उन्होंने कहा, रविवार को करीब 1.30 बजे स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना को बाईं ओर सीने में दर्द हुआ। जैसे ही लक्षण दिखे, उनके बेटे ने मुझे फोन किया, हमने एम्बुलेंस भेजी, उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया। हमें ईसीसी व दूसरी रिपोर्ट्स में पता चला कि कार्डियक एंजाइम बढ़े हुए हैं, इसलिए हमें उन्हें ऑब्जर्वेशन में रखा। उन्होंने साथ ही कहा, उनका ब्लड प्रेशर भी बढ़ा हुआ है, इसे कम करने के प्रयास जारी हैं। पूरी टीम उनका ध्यान रख रही है। ऐसे में अगर उनकी हालत बिगड़ती है, तो हमें एंजियोग्राफी करनी होगी।

पाकिस्तान टीम ने बांग्लादेश को सुपर ओवर में हराकर राइजिंग स्टार्स एशिया कप ट्रॉफी जीती

दोहा (एजेंसी)। पाकिस्तान ए ने राइजिंग स्टार्स एशिया कप ट्रॉफी जीत ली है। पाक ए टीम ने खिताबी मुकाबले में बांग्लादेश को हराया। पाकिस्तान ए की टीम ने इसी के साथ ही तीसरी बार से ट्रॉफी अपने नाम की है। इस टूर्नामेंट का फाइनल काफी संघर्षपूर्ण रहा और सुपर ओवर में विजेता का फैसला हुआ। फाइनल में दोनो ही टीमों ने तय ओवरों में 125-125 रन बनाये जिसके कारण मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसके सलामी बल्लेबाज माज़िद खान पारी की पहली ही गेंद पर आउट हो गये। दूसरे ओवर में मोहम्मद फैक भी खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। विकेटकीपर बल्लेबाज गाजी गोरी ने 9 गेंद में नौ रन बनाए। इसके बाद साद मसूद ने 26 गेंदों पर 3 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 38 रन बनाये और पारी को संभाला। अराफात मिन्हास ने 25 रन और माज सदाकत ने 23 रन बनाये। वहीं बांग्लादेश की ओर से रिपोन मोंडोल ने तीन जबकि रकिबुल हसन ने दो विकेट लिए। इसके बाद 126 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश को शुरुआत अच्छी रही पर 22 के स्कोर पर पहला विकेट गिरने के बाद टीम ने एक के बाद एक विकेट खो दिये। बांग्लादेश ए की टीम ने एक समय 96 रन पर 9 विकेट गंवा दिये थे पर 10वें नंबर के बल्लेबाज अब्दुल गफ्फार सकलैन ने नाबाद 16 और 11वें नंबर के रिपोन मोंडोल ने नाबाद 11 रन बनाये। इनके बीच 29 रनों की साझेदारी से मैच टाई हो गया। पाकिस्तान के लिए सुफियान मुकीम ने 3 विकेट जबकि अहमद दानियाल ने 2 विकेट लिए। इसके बाद सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश ए की टीम उम्मीद के मुताबिक रन नहीं बना पायी। केवल 6 रन ही बना सके और 3 गेंदों में अपने दोनों विकेट खो दिए। इसके बाद जीत के लिए पाकिस्तान ए को 7 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे साद मसूद और माज सदाकत की जोड़ी ने केवल 4 गेंदों में ही हासिल कर लिया।

लियोनेल मेसी ने रचा इतिहास, इंटर मियामी की 4-0 से धमाकेदार जीत

स्पोर्ट्स डेस्क : फुटबॉल के बादशाह लियोनेल मेसी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है और महानता कभी फीकी नहीं पड़ती। सिनसिनाटी में खेले गए ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस सेमीफाइनल में इंटर मियामी की 4-0 की धमाकेदार जीत के साथ मेसी ने अपने करियर का एक और ऐतिहासिक मुकाम छू लिया जिसमें 1300 गोल (गोल + असिस्ट) शामिल है। क्लब और देश के लिए कुल मिलाकर 896 गोल और 404 असिस्ट के साथ मेसी ने अपने करियर को नए ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। यह उपलब्धि उन्हें आधुनिक फुटबॉल के इतिहास मे एक अद्वितीय स्थान देती है।

MLS कप फाइनल की ओर इंटर मियामी की सबसे बड़ी जीत

इंटर मियामी ने FC सिनसिनाटी को हराकर पहली बार MLS कप ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल में कदम रखा। मैच की शुरुआत से ही मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया और पजेशन पर नियंत्रण बनाए रखा। 19वें मिनट में मिला पहला गोल टीम में जोश भरने वाला साबित हुआ। मार्टेओ सिल्वेटी के बेहतरीन क्रॉस को मेसी ने शानदार फिनिश में बदल दिया और मियामी को बढ़त दिला दी।

हमारे मौजूदा खिलाड़ियों को शारीरिक तौर पर और बेहतर होना होगा: साइना नेहवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने बताया कि मौजूदा पीढ़ी के लिए चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नई जमात में आक्रामकता का अभाव है।

लीवैक्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिए शहर में आई साइना ने कहा, 'हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हमें सात्विक-चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। हमें नतीजे चाहिए। उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए। अगर शरीर 100 फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने के लिए शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा।'

साइना ने कहा, 'विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी। मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है।' लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया। साइना ने कहा, 'जीत तो जीत है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। उसने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छा संकेत है कि वह फॉर्म में लौट रहा है।'

उन्होंने कहा, 'उसने ओलंपिक में अच्छा खेला था और यहां भी। एक खिलाड़ी के तौर पर प्रशंसा और आलोचना दोनों का सामना करना पड़ता ही है। वह शीर्ष स्तर पर है और उससे लगातार जीत की अपेक्षा रहती है। वह इस समय हमारा सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी है लिहाजा अतिरिक्त दबाव है लेकिन वह अच्छा खेल रहा है।'

साइना और पी वी सिंधू ने कम उम्र से ही अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतने शुरू कर दिये थे लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा पीढ़ी की खिलाड़ी उस तरह का प्रभाव नहीं छोड़ पाई है। साइना ने कहा, 'शायद इस पीढ़ी में आक्रामकता कम है। मैं और सिंधू अधिक आक्रामक और ताकतवर थे। हम जब 18 बरस के हुए, तब तक अच्छे नतीजे मिलने लगे थे।'

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति की घर में ही सजा काटने की मांग

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए जेल की सजा घर में नजरबंदी (हाउस अरेस्ट) के रूप में काटने की मांग की है। उनकी कानूनी टीम ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में इस संबंध में याचिका दायर की। बोल्सोनारो को सितंबर 2024 में 2022 के चुनाव में हार के बाद तख्तापलट की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था और 27 साल 3 महीने की सजा सुनाई गई थी ।इस महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दी थी, लेकिन वकील एक और अपील दाखिल करने की तैयारी में हैं। फिलहाल बोल्सोनारो अगस्त से नजरबंद हैं, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने पाया था कि उन्होंने अदालत द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन किया था। अभी तक उन्हें तख्तापलट मामले की सज़ा भुगतनी शुरू नहीं करने दी गई है।

बांग्लादेश में भूकंप से 10 लोगों की मौत

ढाका, एजेंसी। शुक्रवार को ढाका और देश के कुछ हिस्सों में जबरदस्त भूकंप में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक घायल हो गए। इस भूकंप से इमारतों को नुकसान पहुंचा, कई जगहों पर आग लग गई और लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ितों में से चार की मौत राजधानी ढाका में, पांच की मौत नरसिंगडी में हुई, जो भूकंप का सेंटर था, और एक की मौत सबअर्बन नदी बंदरगाह शहर नारायणगंज में हुई ।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,अकेले राजधानी गाज़ीपुर के बाहरी इलाके में बसे इंडस्ट्रियल शहर में अलग-अलग यूनिट्स में कम से कम 100 मजदूर घायल हो गए, क्योंकि वे भूकंप के दौरान इमारतों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे।

रेडक्रॉस कमेटी में 2900 नौकरियां समाप्त होंगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस कमेटी ने कहा, वह अपना 2026 का बजट 17% घटाकर 1.8 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 2.23 अरब डॉलर) करने जा रही है। इससे करीब 2,900 नौकरियां खत्म होंगी। कमेटी ने कहा, उसे अपना बजट इसलिए घटाना पड़ रहा है क्योंकि उसे मिलने वाली वित्तीय मदद में अप्रत्याशित कमी आ रही है। कमेटी ने कहा, दानकर्ता देश अपना सारा ध्यान रक्षा खर्च बढ़ाने में लगा रहे हैं। ऐसे में मानवतावादी संस्थाओं को तमाम संघर्षों और विस्थापन से प्रभावित लोगों की मदद से पीछे हटने का फैसला लेना पड़ रहा है।

कलाकार फ्रिदा कहलो की पेंटिंग 485 करोड़ में बिकी

मेक्सिको , एजेंसी। मेक्सिको की कलाकार फ्रिदा कहलो की बनाई हुई पेंटिंग न्यूयॉर्क में करीब 485 करोड़ रुपये में बिकी है। इसके साथ यह किसी महिला कलाकार की बनाई गई अब तक की सबसे महंगी पेंटिंग बन गई है। पेंटिंग की नीलामी कराने वाली सोथबी ने बताया कि इसका नाम एल सुएनो (ला कामा) है, जिसका अर्थ होता है सपना (बिस्तर)। इस पेंटिंग ने अमेरिकी कलाकार जॉर्जिया ओ'कीफे के बनाए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

ब्रिटेन ने वीजा धोखाधड़ी रोकने का अभियान तमिलनाडु तक बढ़ाया

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने वीजा फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए अपने जागरूकता अभियान को भारत के तमिलनाडु तक बढ़ाया है। पंजाब में सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब तमिलनाडु में भी विशेष जागरूकता अभियान चलेगा और तमिल भाषा में वाट्सएप, चैटबॉट के जरिये लोग नकली वीजा और धोखेबाज एजेंटों की पहचान कर सकेंगे। यह कदम अवैध प्रवासन पर लगाम लगाने और यात्रियों को सुरक्षित रखने की दिशा में भारत-ब्रिटेन सहयोग मजबूत करता है।

एफबीआई की सूचना पर वांछित रूसी हैकर बैंकॉक से गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की सूचना पर वांछित रूसी हैकर को बैंकॉक से गिरफ्तार किया है। अमेरिका और यूरोपीय एजेंसियों पर साइबर हमले के आरोपी को फुकेट द्वीप से पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, 35 वर्षीय संदिग्ध 30 अक्तूबर को फुकेट एयरपोर्ट से थाईलैंड आया था और एक होटल में ठहरा था। थाई पुलिस के अनुसार, संदिग्ध को औपचारिक तौर पर हिरासत में लेकर प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

दुश्मन से दोस्त बने ट्रंप और ममदानी, वाइट हाउस में मुलाकात के बाद बदले अमेरिकी राष्ट्रपति के सुर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सबसे बड़े आलोचकों में से एक जोहरान ममदानी से वाइट हाउस में मुलाकात की है। उम्मीद के उलट, दोनों की यह मुलाकात बेहद सकारात्मक रही है। हाल ही में अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क के मेयर चुने गए जोहरान ममदानी और ट्रंप के बीच हुई पहली मुलाकात के दौरान कई मुद्दों पर सहमति बनी और जिसे लेकर ट्रंप ने भी हैरानी जताई। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप इससे पहले ममदानी को सार्वजनिक रूप से 'वामपंथी पागल' जैसे उपनाम दे चुके हैं। वहीं ममदानी ने भी ट्रंप की नीतियों की लगातार आलोचना की है। हालांकि शुक्रवार को ट्रंप ने ओवल ऑफिस में ममदानी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक भी खास रही।

नए मेयर की मदद करेंगे ट्रंप : इससे पहले तक ममदानी के आने पर न्यूयॉर्क की फंडिंग रोक देने की बात कहने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह न्यूयॉर्क को मजबूत और सुरक्षित शहर बनाने में नए मेयर की मदद करेंगे। ट्रंप ने कहा, 'हम ममदानी की मदद करेंगे, ताकि हर किसी का सपना सच हो सके, एक मजबूत और सुरक्षित न्यूयॉर्क का निर्माण हो। वहीं ममदानी ने बैठक के बाद कहा, 'मैं इस बात के लिए राष्ट्रपति की सराहना करता हूं कि हमारी मीटिंग में असहमति की पर फोकस नहीं था। बल्कि इसमें न्यूयॉर्क के लोगों के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने को लेकर चर्चा हुई।'

जब ममदानी के बचाव में उतरे ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार ममदानी को बचाने की कोशिश करते हुए भी दिखे और पत्रकारों को उनकी तरफ से जवाब दिया। जब रिपोर्टरों ने ममदानी से उनके पिछले बयानों को साफ करने के लिए कहा, जिनमें उन्होंने कहा था कि उन्हें लगता है कि ट्रंप एक फासिस्ट की तरह काम कर रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'मुझे तानाशाह से भी बुरा कहा गया है।' वहीं जब एक रिपोर्टर ने पूछा कि क्या ममदानी अपने उस कमेंट पर कायम हैं कि ट्रंप एक फासिस्ट हैं, तो मेयर-इलेक्ट के सवाल का पूरा जवाब देने से पहले ही ट्रंप ने बीच में ही बोल दिया। ट्रंप ने कहा, 'कोई बात नहीं। आप बस हां कह सकते हैं। ठीक है? मुझे कोई दिक्कत नहीं है।'

ममदानी को जिहादी नहीं मानते हैं ट्रम्प : एक पत्रकार ने ट्रम्प से पूछा कि रिपब्लिकन नेता एलिस स्टेफनिक ने ममदानी को 'जिहादी' कहा है, क्या ट्रम्प भी यही मानते हैं? इस पर ट्रम्प ने बिना हिचकिचाहट कहा- नहीं, मैं ऐसा नहीं मानता। ट्रम्प ने आगे कहा कि मुलाकात के दौरान उन्हें ममदानी एक शांत, समझदार और तार्किक इंसान लगे। उन्होंने कहा- मैं एक ऐसे इंसान से मिला हूं जो बहुत ही समझदारी से बात करता है। ट्रम्प बोले- ममदानी के बेहतर काम करने से मुझे खुशी होगी ट्रम्प ने कहा कि हम न्यूयॉर्क को फिर से शानदार बनाना चाहते हैं। ममदानी जितना बेहतर करेंगे, मैं उतना ही खुश रहूंगा। ट्रम्प ने यहां तक कहा कि ममदानी कई कंजरवेटिव लोगों को हैरान कर देंगे और उनके कुछ विचार मुझसे से मिलते-जुलते हैं। ममदानी ने भी मीटिंग को प्रोडक्टिव बताया और कहा कि हमने किराया, राशन, बिजली बिल और रहने की बढ़ती कीमतों पर बात की। हम दोनों न्यूयॉर्क के 85 लाख लोगों के लिए जीवन को सस्ता बनाना चाहते हैं। ट्रम्प बोले- हमारा मकसद न्यूयॉर्क को बेहतर शहर बनाना ममदानी से मुलाकात के बाद ट्रम्प ने कहा कि कुछ मुद्दों पर दोनों की राय अलग हो सकती है, लेकिन बातचीत से हल जरूर निकलेगा। ट्रम्प ने कहा कि या तो ममदानी उन्हें समझा लेंगे या फिर वह ममदानी को, लेकिन आखिर में फैसला वही होगा जो न्यूयॉर्क के लिए अच्छा होगा। ट्रम्प ने साफ कहा कि दोनों नेताओं का मकसद एक ही है न्यूयॉर्क को फिर से बेहतरीन शहर बनाना। उन्होंने कहा कि अगर ममदानी शानदार तरीके से काम करते हैं और शहर में सकारात्मक बदलाव लाते हैं, तो उन्हें इससे सबसे ज्यादा खुशी होगी। ट्रम्प बोले- मैं न्यूयॉर्क से प्यार करता हूं ट्रम्प ने कहा कि ममदानी से मीटिंग ने उन्हें हैरान कर दिया और दोनों के बीच कई मुद्दों पर खुलकर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि कुछ पॉलिसी पर हमारे विचार अलग हो सकते है, लेकिन न्यूयॉर्क को बेहतर बनाना दोनों का मकसद है। ट्रम्प ने कहा- मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उनकी मदद करूं, न कि उनको कोई नुकसान पहुंचाऊं, क्योंकि मैं चाहता हूं कि न्यूयॉर्क शानदार बने।ममदानी कामयाब हों जब पत्रकारों ने ट्रम्प से पूछा कि क्या वे ममदानी के शासन में न्यूयॉर्क में रहना पसंद करेंगे, तो ट्रम्प ने तुरंत कहा- हां, बिल्कुल, खासकर उनसे मिलने के बाद। ट्रम्प ने बताया कि मीटिंग के बाद उन्हें लगा कि ममदानी शहर के लिए अच्छा काम कर सकते है। उन्होंने कहा कि वह चाहते है ममदानी सफल हों, क्योंकि न्यूयॉर्क की सफलता दोनों के लिए अहम है। ट्रम्प और ममदानी की मुलाकात में इमिग्रेशन सबसे बड़ा मुद्दा रहा। दोनों ने इस पर काफी देर तक बात की। ममदानी चाहते है कि न्यूयॉर्क में रह रहे सभी माइग्रेंट्स को सुरक्षा मिले।

हेनली पासपोर्ट इंडेक्स: पासपोर्ट रैंकिंग में एक बार फिर पाकिस्तान कमजोर, भारत की स्थिति में सुधार

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया-भर में पासपोर्ट की शक्ति को मापने वाली हेनली पासपोर्ट इंडेक्स की नवीनतम रिपोर्ट में पाकिस्तान का पासपोर्ट एक बार फिर सबसे कमजोर पासपोर्टों में गिना गया है। पाक के नागरिक केवल कुछ सीमित देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं, जबकि दूसरी ओर सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे एशियाई देश सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट रैंकिंग में टॉप-टेन में शामिल रहे। भारत की स्थिति मध्यम श्रेणी में बनी हुई है, जिसमें मामूली सुधार दर्ज किया गया है लेकिन अभी भी कई विकसित देशों में प्री-वीजा की अनिवार्यता चुनौती बनी हुई है। हेनली पासपोर्ट इंडेक्स के आंकड़े दिखाते हैं कि पाकिस्तान उन देशों में है जिनकी विश्व-स्तरीय यात्रा स्वतंत्रता क्षमता अत्यधिक सीमित है।

ये देश हैं सबसे शक्तिशाली : पासपोर्ट इंडेक्स में जिन पासपोर्टों को सबसे अधिक शक्तिशाली माना गया है, उनके नागरिक 185+ देशों तक वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इन देशों में सिंगापुर जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली स्पेन, फिनलैंड, स्वीडन, डेनमार्क

नीदरलैंड, लक्जमबर्ग और ऑस्ट्रिया शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एशियाई देशों की आर्थिक उन्नति, रणनीतिक साझेदारियां और सुरक्षा सहयोग इनके पासपोर्ट की ताकत को लगातार बढ़ा रहे हैं।

सिर्फ 30-35 देशों में ही वीजा मुक्त यात्रा : पाकिस्तान पासपोर्ट धारक लगभग 30-35 देशों तक ही वीजा-फ्री या वीजा-ऑन- अराइवल सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

रक्षा विशेषज्ञों और विदेश नीति विश्लेषकों के अनुसार पाकिस्तान की रैंकिंग के लगातार गिरने के पीछे मुख्य कारण हैं राजनीतिक अस्थिरता, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां, आतंकवाद से जुड़े जोखिम और वैश्विक कूटनीति में भरोसे की कमी। इस सूची में अफगानिस्तान सबसे आखिरी पायदान पर, सीरिया दूसरे सबसे कमजोर स्थान पर, इराक तीसरे और पाकिस्तान चौथे सबसे कमजोर पासपोर्ट की श्रेणी में दर्ज है।

रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन का कांग्रेस से इस्तीफे का एलान, ट्रंप की नीतियों से हैं नाराज

वॉशिंगटन, एजेंसी। जॉर्जिया की रिपबल्किन पार्टी की सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने कांग्रेस से इस्तीफे का एलान कर सभी को चौंका दिया है। मार्जोरी टेलर ग्रीन कभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की करीबी थीं, लेकिन अब उनकी आलोचक बन गई हैं और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर भी बहस हो चुकी है। ग्रीन ने ऑनलाइन पोस्ट किए गए 10 मिनट से ज्यादा के वीडियो में अपने फैसले के बारे में बताया और कहा कि उन्हें वॉशिंगटन डी.सी. में हमेशा से नफरत की नजर से देखा गया है, और वह कभी भी वहां फिट नहीं हुईं।

ट्रंप की समर्थक से बनीं आलोचक : ग्रीन ट्रंप की 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' राजनीति के सबसे मुखर समर्थकों में से एक थीं। हालांकि हाल के महीनों में ट्रंप के साथ उनके संबंध बिगड़े थे और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर अनबन हुई, क्योंकि मार्जोरी टेलर ग्रीन ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों के साथ-साथ विदेश नीति और हेल्थ केयर पर ट्रंप के रुख की आलोचना की थी। इसके बाद ट्रंप ने उन्हें गद्दार और पागल कहा और कहा कि जब वह अगले साल फिर से चुनाव लड़ेंगी तो वह उनके ख़िलाफ़ एक अन्य उम्मीदवार का समर्थन करेंगे।

कई बयानों को लेकर चर्चा में रहीं : वीडियो में मार्जोरी टेलर ग्रीन कहा कि उनका कांग्रेस में आखिरी दिन 5 जनवरी, 2026 होगा। मार्जोरी के एलान पर अभी तक व्हाइट हाउस ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ग्रीन पांच साल पहले अपना राजनीतिक करियर शुरू करने के बाद से ही ट्रंप के साथ करीब से जुड़ी हुई थीं। ग्रीन ने क्र्ठ्ठश्ठ थ्योरी को अपनाया और श्वेत सर्वोच्चता की समर्थक रहीं। इसे लेकर पार्टी नेताओं ने ग्रीन का विरोध भी किया लेकिन ट्रंप ने उनका स्वागत किया। ग्रीन ने 2019 में तर्क दिया कि सांसद इल्हान उमर और रशीदा तलीब, दोनों मुस्लिम महिलाएं, कांग्रेस की आधिकारिक सदस्य नहीं थीं क्योंकि उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोहों में बाइबल के बजाय कुरान की शपथ ली थी।

सऊदी के पत्रकार खशोगी की पत्नी हुई भावुक, मीडिया से कहा- अपहरण-प्रताड़ना को सही नहीं कह सकते

वॉशिंगटन, एजेंसी। सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय चर्चा में है। वॉशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार रहे खशोगी की पत्नी हनन एल्तार खशोगी ने भावुक होकर कहा कि किसी भी हाल में अपहरण और प्रताड़ना को सही नहीं ठहराया जा सकता। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की वह टिप्पणियां भी दोबारा चर्चा में आ गई हैं, जिनमें उन्होंने 2018 में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का खुलकर बचाव किया था। ट्रंप ने उस समय अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की जांच को खारिज करते हुए दावा किया था कि क्राउन प्रिंस का इस्तांबुल स्थित सऊदी वाणिज्य दूतावास में हुई इस हत्या से कोई संबंध नहीं है। ट्रंप ने खशोगी को बहुत विवादित व्यक्ति बताते हुए कहा था कि उनके बारे में बहुत लोग पसंद नहीं करते और

ऐसी चीजें हो जाती हैं। उन्होंने खुफिया रिपोर्टों की बजाय सऊदी नेतृत्व के बयानों पर अधिक भरोसा जताया और कहा था कि कूटनीतिक मेहमान को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा नहीं किया जाना चाहिए।

खशोगी की हत्या पर ट्रंप ने पहले क्या बोला? : ट्रंप ने 2018 में खशोगी की हत्या के तुरंत बाद सऊदी अरब के साथ आर्थिक संबंधों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा था कि वह अमेरिका में आने वाले अरबों डॉलर को रोकने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने बार-बार क्राउन प्रिंस के इनकार को दोहराया और कहा कि वह कुछ नहीं जानते थे। उस समय एक्स पर में ट्रंप ने लिखा था कि उन्होंने क्राउन प्रिंस से बात की है जिन्होंने दूतावास में हुई घटना के बारे में पूरी तरह अनजान होने की बात कही। इसके बाद भी कई अवसरों पर ट्रंप ने इसी बयानबाजी को मजबूत किया।

क्राउन प्रिंस का बचाव करते रहे ट्रंप : जब अमेरिकी मीडिया ने रिपोर्ट किया कि सीआईए ने क्राउन प्रिंस की हत्या में प्रत्यक्ष भूमिका की पुष्टि की है, तब भी ट्रंप ने कहा था कि हमें बताया गया है कि उनकी कोई भूमिका नहीं थी, और फिर वही पुराना बयान दोहराया कि कौन सच जान सकता है। नवंबर 2018 में जारी एक लिखित बयान में उन्होंने इस हत्या को अस्वीकार्य और भयानक अपराध कहा, लेकिन साथ ही यह भी लिखा कि शायद उन्होंने किया हो, शायद नहीं किया हो। ट्रंप ने बार-बार यह भी कहा कि अमेरिका का संबंध व्यक्तियों से नहीं, बल्कि सऊदी अरब के साम्राज्य से है। खशोगी की हत्या ने अमेरिकी-सऊदी संबंधों, हथियार सौदों और विदेश नीति पर गहरी बहस छेड़ी थी। ट्रंप ने आर्थिक हितों और कूटनीतिक साझेदारी को प्राथमिकता देते हुए अरबों डॉलर के रक्षा सौदों को रद्द करने से इनकार किया था। इसमें कोई संदेह नहीं कि उस समय उनके बयान सऊदी नेतृत्व के लिए सबसे प्रबल सार्वजनिक समर्थन माने गए थे। आज जब खशोगी का मामला फिर चर्चा में है।

मिनेसोटा में सोमाली प्रवासियों को मिलने वाली कानूनी सुरक्षा खत्म होगी, ट्रंप का एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह मिनेसोटा में रहने वाले सोमाली प्रवासियों के लिए अस्थायी कानूनी सुरक्षा तुरंत खत्म कर रहे हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ये लिखा। ट्रंप अपने इसक दम से एक ऐसे प्रोग्राम को निशाना बना रहे हैं जो निर्वासन को कम करने की कोशिश कर रहा है, जिसे ट्रंप प्रशासन पहले ही उनकी निर्वासन प्रक्रिया को बार-बार कमजोर करने की कोशिश करार दे चुका है।

मिनेसोटा में रहते हैं सबसे ज्यादा सोमाली लोग : अमेरिकी राज्य मिनेसोटा में देश की सबसे बड़ी सोमाली कम्युनिटी है। कई लोग पूर्वी अफ्रीकी देश सोमालिया में लंबे गृह युद्ध से भागकर अमेरिका आए थे और राज्य के सामाजिक प्रोग्राम के जरिए इन्हें कानूनी सुरक्षा भी मिली हुई है। लेकिन ट्रंप की शुक्रवार रात को इस प्रोग्राम को तुरंत खत्म करने की घोषणा कर दी। हालांकि उनके इस एलान से बेहद कम प्रवासियों पर इसका असर पड़ेगा। अगस्त में कांग्रेस में पेश की गई एक रिपोर्ट में बताया गया कि इस प्रोग्राम के तहत कवर होने वाले सोमाली लोगों की संख्या देश भर में सिर्फ 705 है।

साल 1990 में अमेरिकी सरकार ने सोमाली लोगों को दी थी ये कानूनी सुरक्षा : कांग्रेस ने 1990 में अस्थायी सुरक्षा स्टेटस देने वाला प्रोग्राम बनाया था। इसका मकसद लोगों को उन देशों में डिपोर्ट होने से रोकना था जो प्राकृतिक आपदा, गृह युद्ध या दूसरे खतरनाक हालात से जूझ रहे हैं। इस प्रोग्राम के तहत अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी सचिव सोमाली लोगों को मिनेसोटा में रहने की कानूनी सुरक्षा दे सकते हैं और इसे 18 महीने के लिए बढ़ाया जा सकता है।

ट्रंप ने की तीखी आलोचना : इस प्रोग्राम की आलोचना करते हुए ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मिनेसोटा धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों का केंद्र बन चुका है। ट्रंप ने लिखा, 'सोमाली गैंग इस महान राज्य के लोगों को डरा रहे हैं, और अरबों डॉलर गायब हैं। इसलिए उन्हें वापस वहीं भेजेंगे, जहां से वे आए थे। अब बस बहुत हुआ।' डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की सत्ता पर काबिज होने के बाद से लाखों अप्रवासियों को अमेरिका से बाहर करने का वादा किया है। इसके तहत ट्रंप प्रशासन ने कई कानूनी सुरक्षा कार्यक्रमों को बंद कर दिया है, जिनसे अप्रवासियों को अमेरिका में रहने और काम करने की कानूनी सुरक्षा मिलती थी। इसके तहत ट्रंप ने छह लाख वेनेजुएला और पांच लाख हैती के लोगों को मिली कानूनी सुरक्षा खत्म कर दी। जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने यह सुरक्षा दी थी।

जी20 देश अपनी ताकत का इस्तेमाल, दुनिया की परेशानियों को कम करने में करें', यूएन महासचिव की अपील

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि जी20 देशों में दुनिया की मुश्किलों को कम करने और दुनिया को ज्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर लाने की क्षमता है। उन्होंने जी20 देशों के समूह से अपनी ताकत का इस्तेमाल गरीब और विकासशील देशों की परेशानियों को कम करने में इस्तेमाल करने की अपील की। गुटेरेस ने यह बात शुक्रवार को जोहान्सबर्ग पहुंचने के बाद एक मीडिया बातचीत में कही। गुटेरेस जोहान्सबर्ग में हो रहे जी20 सम्मेलन में शिरकत करेंगे।

'बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा' : गुटेरेस ने कहा, 'अगले दो दिनों में जी20 नेताओं के लिए मेरा संदेश आसान है। अब लीडरशिप और विजन का समय है। उन्होंने दुनिया भर में जारी संघर्षों, जलवायु की गड़बड़ी, आर्थिक अनिश्चितता, असमानता और वैश्विक मदद में कमी का जिक्र किया। उन्होंने आगे कहा कि बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा है। उन्होंने कहा, 'दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते, त्20 देश मुश्किलों को कम करने, यह पक्का करने में बहुत बड़ा असर डाल सकते हैं कि आर्थिक विकास सबका हो। जो हमारी दुनिया को भविष्य के लिए एक बेहतर, ज़्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर ले जा सके।'

'अफ्रीका को हर वैश्विक मंच

पर जगह मिलनी चाहिए, जहां फैसले लिए जाते हैं' गुटेरेस ने कहा कि 'अफ्रीका को हर उस फोरम में सही जगह मिलनी चाहिए जहां फैसले लिए जाते हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के बोर्ड से लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट और दूसरी वैश्विक निकायों तक भी पहुंच होनी चाहिए।' गुटेरेस ने सुझाव दिया, 'त्20 इस ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करने और ऐसे सुधार लाने में मदद कर सकता है जो विकासशील देशों और खासकर अफ्रीका को वैश्विक नीति बनाने में आवाज़ दें, और आने वाले वर्षों में वैश्विक आर्थिक प्रशासन को ज्यादा समावेशी, समान और असरदार बनाएं।' गुटेरेस ने कहा कि वह जी20 सदस्यों से ये भी कहेंगे कि वे सूडान, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, माली, यूक्रेन, गाजा, हैती, यमन और म्यांमार समेत दुनिया भर में मौत, तबाही और अस्थिरता पैदा करने वाले झगड़ों को खत्म करने के लिए अपने असर और आवाज का इस्तेमाल करें।

अमेरिका के नए प्रपोजल को पुतिन से मिली हरी झंडी, पर क्या यूक्रेन को मंजूर होगी ऐसी 'शांति'?

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 3 सालों से जारी जंग को लेकर अमेरिका ने हाल ही में एक नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। अब इस प्रस्ताव पर पहली बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का रिएक्शन सामने आया है। जहां एक तरफ यूक्रेन की तरफ से इस प्रस्ताव को लेकर अच्छी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, वहीं पुतिन ने इस पीस प्रपोजल को हरी झंडी दे दी है। पुतिन ने कहा है कि अमेरिका का यह प्लान यूक्रेन में शांति का आधार हो सकता है। रूसी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि लेकिन अगर कीव ने यह प्लान ठुकरा दिया तो रूसी सेना आगे बढ़ती रहेगी।

पुतिन ने रशियन सिक्योरिटी काउंसिल की एक मीटिंग में सीनियर अधिकारियों से कहा, 'मेरा मानना है कि इसे आखिरी शांतिपूर्ण समझौते के आधार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।' पुतिन ने आगे कहा कि 28-पॉइंट वाले इस प्लान पर अभी तक अमेरिका के साथ विस्तार से बातचीत नहीं हुई है, लेकिन रूस को इसकी एक कॉपी मिल गई है।

पुतिन ने कहा कि अमेरिकी सरकार अब तक यूक्रेनी पक्ष की मंजूरी लेने में नाकाम रहा है और यूक्रेन शांति के खिलाफ है। पुतिन ने आगे कहा, 'अगर यूक्रेन प्रेसिडेंट ट्रंप के प्रपोज़ल पर बात नहीं करना चाहता और ऐसा करने से मना करता है, तो उन्हें और यूरोपियन वारमोंगर्स दोनों को यह समझना चाहिए कि कुपियांस्क में जो घटनाएं हुईं, वे फ्रंट के दूसरे खास सेक्टर्स में भी जरूर दोहराई जाएंगी।'

नए शांति प्रस्ताव में क्या : बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप की यूक्रेन युद्ध खत्म करने की कोशिश में अमेरिका ने नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। जानकारी के मुताबिक इस प्रस्ताव को अमेरिका और रूस के बीच हुई बातचीत के आधार पर यह तैयार किया गया है और यूक्रेन को चर्चा में शामिल नहीं किया

गया था। ऐसे में यह मसौदा साफ तौर पर रूस के पक्ष में दिखाई देता है।

प्रस्ताव के तहत यूक्रेन को अपनी सेना की क्षमता आधी करनी होगी और कई अहम हथियार छोड़ने होंगे। वहीं अमेरिका और अन्य देश क्रीमिया और डोनबास को रूस के हिस्से के रूप में मान्यता दे सकते हैं। वहीं रूस को यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र जापोरिज्जिया से उत्पादित आधी बिजली का उपयोग करने की भी अनुमति होगी।

यूक्रेन को मंजूर होगी ऐसी शांति : इससे पहले जेलेंस्की ने इस बारे में सोशल मीडिया पर एक संतुलित बयान दिया था। उन्होंने लिखा, 'यूक्रेन और अमेरिका की हमारी टीमें शांति योजना के प्रावधानों पर मिलकर काम करेंगी। हम ईमानदारी, तेजी से और सकारात्मक माहौल में काम करने के लिए तैयार हैं।' हालांकि, पिछला रुख देखते हुए यह माना जा रहा है कि जेलेंस्की इस प्रस्ताव को मानने से इनकार कर सकते हैं, क्योंकि वह पहले भी अपनी जमीन छोड़ने के ट्रंप के सुझावों का सख्त विरोध कर चुके हैं। यूरोपीय देशों के नेता भी इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि अमेरिका की यह शांति पहल असल में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उनकी आक्रामकता के लिए इनाम देने जैसी है, जिससे वह कमजोर होने के बजाय और साहस पा सकते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर सशस्त्र बलों के तालमेल का बेहतर उदाहरण : जनरल द्विवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि सशस्त्र बलों की ताकत तालमेल में निहित है और ऑपरेशन सिंदूर इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। वे मुंबई में माहे श्रेणी के प्रथम पनडुब्बी रोधी उथले जल के युद्धपोत आईएनएस माहे के जलावतरण के मौके पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बहु-क्षेत्रीय परिचालन के युग में समुद्र की गहराई से लेकर ऊंचाई वाले सीमावर्ती क्षेत्रों तक एक साथ मिलकर कार्य करने की देश की क्षमता भारतीय गणराज्य के सुरक्षा प्रभाव को निर्धारित करेगी। इस मौके पर जनरल द्विवेदी ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर सशस्त्र बलों के तालमेल का बेहतर उदाहरण था।'' भारत ने अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर के तहत सैन्य कार्रवाई की थी।

उत्तराखंड के टिहरी में बस खाई में गिरी, 5 लोगों की मौत

टिहरी (एजेंसी)। उत्तराखंड के टिहरी जिले के नरेंद्रनगर क्षेत्र में सोमवार को करीब 28 यात्रियों को ले जा रही एक बस के गहरी खाई में गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) के अधिकारियों के अनुसार, जिला नियंत्रण कक्ष ने एसडीआरएफ वाहिनी नियंत्रण कक्ष को दुर्घटना की सूचना दी, जिसमें बताया गया कि वाहन नरेंद्रनगर थाना क्षेत्र में सड़क से फिसल गया था। शुरुआत में बस में 30 से 35 लोगों के सवार होने का अनुमान लगाया गया था। अलर्ट पर कार्रवाई कर एसडीआरएफ ने पोस्ट ढालवाला, पोस्ट कोटी कॉलोनी और एसडीआरएफ कोर मुख्यालय से पांच टीमों को घटनास्थल पर तैनात किया। एसडीआरएफ अधिकारियों ने घटनास्थल पर पांच लोगों की मौत की पुष्टि की है। अन्य सभी घायल यात्रियों को खाई से निकालकर इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि बस में सवार यात्री कथित तौर पर राज्य के बाहर के थे।

भदोही में केमिकल टैंक में गिरने से तीन मजदूरों की मौत

भदोही (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के ऊंचापुर बाजार स्थित सूर्या कंपनी के डाइंग प्लांट में खौलते केमिकल टैंक में गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सोमवार को लगभग 11 बजे हुआ। घायल मजदूर को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसकी हालत नाजुक है। पुलिस और जिला प्रशासन (एसडीएम भदोही) मौके पर हैं और हादसे के कारणों की जांच तथा सुरक्षा मानकों की समीक्षा कर रहे हैं। प्लांट परिसर में हड़कंप और मजदूरों में रोष व भय का माहौल है। वहीं एक अन्य घटना में नाबालिग लड़की के अपहरण के आरोपी नाबालिग लड़के सूर्यभान यादव (होमगार्ड संजय यादव का बेटा) का शव रविवार को वक्फा महावीर के पास स्थित एक तालाब से संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। सूर्यभान पर एक स्थानीय महिला की नाबालिग बेटी को 27 अक्टूबर को अपहरण करने का आरोप था। रिपोर्ट 1 नवंबर को दर्ज हुई थी। पुलिस ने लड़की और सूर्यभान दोनों को 19 नवंबर को बरामद कर लिया था। एक दिन पहले तालाब के पास से आरोपी की पतलून, बेल्ट, आधार कार्ड और पांच पन्नों का कथित सुसाइड नोट मिला था। मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में संबंधित थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है।

चार नए श्रम कानूनों के विरोध में धनबाद में हुआ विरोध प्रदर्शन

रांची (एजेंसी)। भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र (सीटू) द्वारा झारखंड के धनबाद में आयोजित अपने राज्य सम्मेलन के दौरान केंद्र सरकार के चार नए श्रम कानूनों (लेबर कोड्स) के विरोध को दर्शाती है सीटू इन चार नए लेबर कोड्स को श्रमिक विरोधी और पूंजीपतियों के हित में बनाया गया मानती है। सीटू ने इन कानूनों के विरोध में राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। सम्मेलन के दौरान, चार नए लेबर कोड और नई श्रमशक्ति नीति 2025 के विरोध में- एक किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाई गई, मोदी सरकार का पुतला दहन किया गया। विरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व सीटू के राष्ट्रीय महासचिव तपन सेन (पूर्व राज्यसभा सदस्य) ने किया। सीटू ने बताया कि 26 नवंबर से देशव्यापी आंदोलन की रणनीति तैयार की जा रही है। राजनीतिक-सांगठनिक प्रतिवेदन पर बहस के बाद सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। केंद्र सरकार की नई श्रमशक्ति नीति 2025 और लेबर कोड वापस लिए जाए। सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण का विरोध किया जाए। किसान-मजदूर एकता को मजबूत किया जाए। 26 नवंबर को कार्यस्थलों और जिला मुख्यालयों पर जुझारू विरोध-प्रदर्शन किए जाए।

पंकजा मुंडे का पीए गिरफ्तार, पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पंकजा मुंडे के निजी सहायक (पीए) अनंत गर्जे को अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गर्जे की पत्नी डॉ गौरी पालवे (28) ने कथित तौर पर घरेलू विवाद के कारण वर्ली स्थित अपने फ्लैट में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पालवे के पिता द्वारा दर्ज कराई शिकायत के आधार पर पुलिस ने गर्जे और उसके दो रिश्तेदारों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। इसके बाद पुलिस ने गर्जे को गिरफ्तार किया। दोनों का विवाह इसी साल फरवरी में हुआ था और पालवे सरकारी केईएम अस्पताल में दंत चिकित्सक के रूप में कार्यरत थीं। पुलिस के मुताबिक पालवे के परिवार ने आरोप लगाया है कि उसके पति ने उसे प्रताड़ित और परेशान किया था, इसकारण महिला ने आत्मघाती कदम उठाया।

20 दिन में एसआईआर प्रक्रिया के तहत 99.07 प्रतिशत मतदाता विशिष्ट गणना प्रपत्र का वितरण पूरा

भारतीय चुनाव आयोग ने एसआईआर को लेकर दिया ब्यौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम चल रहा है। भारतीय चुनाव आयोग ने बताया कि करीब 20 दिन में एसआईआर प्रक्रिया के तहत 99.07 प्रतिशत मतदाता विशिष्ट गणना प्रपत्र का वितरण पूरा हो गया है। चुनाव आयोग के अनुसार, गोवा और लक्षद्वीप में गणना प्रपत्र का 100 प्रतिशत वितरण सबसे पहले हुआ है। अभी अंडमान और निकोबार में 99.98 प्रतिशत, मध्यप्रदेश में 99.83 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 99.75 प्रतिशत और गुजरात में 99.69 प्रतिशत गणना प्रपत्र बांटे गए हैं।

चुनाव आयोग रोजाना एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े आंकड़े जारी कर रहा है। नए आंकड़ों के अनुसार, मतदाता संख्या के हिसाब से सबसे बड़े राज्य यूपी में 99.62 प्रतिशत गणना प्रपत्र का वितरण पूरा हुआ है, जहां कुल मतदाता 15.44 करोड़ से अधिक हैं। पुडुचेरी में 95.58 प्रतिशत, तमिलनाडु में 96.22 प्रतिशत और केरल में 97.33 प्रतिशत गणना प्रपत्र बांटने का काम हुआ है।

जिन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर का काम जारी है, उनमें अंडमान और निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्यप्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

आयोग के अनुसार, 12 राज्यों में 4 नवंबर से जारी एसआईआर प्रक्रिया के तहत कुल योग 50.97 करोड़ से अधिक मतदाताओं में से अब तक कुल 50.50 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्र बांट चुके हैं। एसआईआर की ऑनलाइन प्रक्रिया ने भी तेजी पकड़ी है और 12 राज्यों में अब तक 24.13 करोड़ से अधिक फॉर्म को अपलोड किया गया है, यानी कुल डिजिटाइजेशन रेट 47.35 प्रतिशत है।

ऑनलाइन प्रक्रिया के मामले में, लक्षद्वीप 96.81 प्रतिशत के साथ सबसे आगे है। उसके बाद गोवा में 76.89 प्रतिशत और राजस्थान में 72.20 प्रतिशत फॉर्म का डिजिटाइजेशन हुआ है। केरल में सबसे कम डिजिटाइजेशन प्रोग्रेस (सिर्फ 23.72 प्रतिशत) रही है। उत्तर प्रदेश में 26.60 प्रतिशत डिजिटाइजेशन हुआ है।

सिंधुदुर्ग में नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव से पहले महायुति गठबंधन के टूटने की खबरें

मुंबई (एजेंसी)। सिंधुदुर्ग में आगामी नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव से पहले महायुति गठबंधन के टूटने की खबरें हैं। शिवसेना विधायक नीलेश राणे ने गठबंधन टूटने का दोष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण पर लगाया है। गठबंधन भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व के कारण नहीं, बल्कि चव्हाण के व्यक्तिगत कारणों से टूटा है। राणे और चव्हाण के बीच तनावपूर्ण संबंध बताए गए हैं। शिवसेना विधायक राणे ने सवाल किया कि अगर रत्नागिरी (राजापुर, लांजा) और चिपलुन में सीट बंटवारा संभव था, तब सिंधुदुर्ग में क्यों नहीं? उन्होंने दावा किया कि मालवन में शिवसेना 10 सीटें देने को तैयार थी, और सावंतवाड़ी में दीपक केसरकर 50-50 फॉर्मूले के लिए तैयार थे। कणकवली में शिवसेना को केवल एक या दो सीट पर चुनाव लड़ने को कहा गया। राणे ने कहा कि प्रचार बैनर से उनकी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की तस्वीरें हटा दी गईं, जिससे उन्हें दुख हुआ। विधायक नीलेश राणे ने चव्हाण के तीन दिन तक सिंधुदुर्ग में रहने पर भी सवाल उठाया और कहा कि वह बाद में बताएंगे कि उनकी बैठकों में क्या निर्णय हुआ। राणे ने कहा कि मतभेद के बावजूद, शिवसेना ने गठबंधन बनाए रखने की कोशिश की। नीलेश राणे ने कहा कि अब वह अपने पिता और भाजपा के वरिष्ठ नेता नारायण राणे के किसी भी निर्णय को स्वीकार करने को तैयार हैं। सिंधुदुर्ग में शहर विकास आघाड़ी का गठन हुआ है, जिसमें शिवसेना, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उबाठा), कांग्रेस, और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) शामिल हैं। उन्होंने विवाद को तूल न देने की कोशिश की और कहा कि उनके भाई ने किसी का नाम नहीं लिया है। उन्होंने नीलेश राणे के आरोपों पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

आईआरसीटीसी घोटाला: मामले की सुनवाई कर रहे जज को बदलने की मांग

-बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने मुकदमे में पक्षपात की जताई आशंका

पटना (एजेंसी)। बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज की कोर्ट में याचिका दायर कर आईआरसीटीसी घोटाले की सुनवाई कर रहे जज विशाल गोगने की अदालत से अपना केस किसी और जज के पास ट्रांसफर करने की अपील की है। राबड़ी ने मुकदमे में पक्षपात की आशंका जताई है। गोगने की अदालत में लालू यादव और राबड़ी देवी के परिवार से जुड़े चार मामले की सुनवाई चल रही है। 13 अक्टूबर को अदालत ने लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव समेत अन्य आरोपियों पर आरोप गठित किया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राबड़ी देवी ने अपनी याचिका में आईआरसीटीसी घोटाला, नौकरी के बदले जमीन घोटाला जैसे मामले दूसरे जज के पास ट्रांसफर करने की गुजारिश की है। राबड़ी ने एमपी-एमएलए कोर्ट के जिला जज की अदालत में दायर इस याचिका में अपने मुकदमों के जज पर पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर सुनवाई करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि जज अभियोजन पक्ष की तरफ झुके हैं। उन्होंने याचिका में लिखा है कि उनके खिलाफ मुकदमों की सुनवाई और उस दौरान दिए गए आदेशों से उन्हें पक्षपात की आशंका है, इसलिए न्यायपूर्ण सुनवाई के लिए मामले को दूसरे जज की कोर्ट में ट्रांसफर किया जाए।

राबड़ी देवी के वकील ने इस बात की जानकारी संबंधित जज को दी और उन्हें बताया कि इस पर जल्द सुनवाई हो सकती है। संभावना है कि इस अपील पर मंगलवार को सुनवाई हो सकती है। मामले में चार्ज फ्रेम का चरण पूरा हो चुका है। लालू परिवार पर रेलवे की नौकरी दिलवाने के बदले भी औने-पौने भाव पर बेशकीमती जमीन लेने का आरोप है, जिसको लेकर ईडी का मुकदमा भी चल रहा है।

अरुणाचल निवासी महिला से शंघाई एयरपोर्ट पर बदसलूकी, चीनी अफसरों ने कहा... अरुणाचल चीन का हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश निवासी एक महिला ने आरोप लगाया कि चीन में अधिकारियों ने उसके भारतीय पासपोर्ट को पहचानने से मना किया। महिला का कहना है कि इमिग्रेशन अफसरों ने इतना तक कहा कि अरुणाचल चीन का हिस्सा है। महिला का कहना है कि चीनी इमिग्रेशन अफसरों ने शंघाई एयरपोर्ट पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया। इतना ही नहीं महिला को हिरासत में लेकर घंटे तक प्रताड़ित किया गया। भारतीय मूल की यह महिला ब्रिटेन में रहती है। इस महिला का नाम प्रेमा वांगजोम थोंगडोक है। वह 21 नवंबर को लंदन से जापान की यात्रा कर रही थी। यात्रा के दौरान वह शंघाई पुडोंग एयरपोर्ट पर ट्रांजिट हाल्ट के लिए रुकी थी। महिला का आरोप है कि इमिग्रेशन काउंटर पर अधिकारियों ने उसके पासपोर्ट को अवैध बताया। ऐसा करने की वजह यह थी पासपोर्ट पर महिला का जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश लिखा था।

महिला ने कहाकि इमिग्रेशन के बाद मैंने अपना पासपोर्ट जमा किया और सिक्योरिटी का इंतजार करने लगी। तभी अधिकारी आया और मेरा नाम लेकर इंडिया-इंडिया चिल्लाने लगा। वह मेरी तरफ इशारा भी कर रहा था। महिला के मुताबिक इस पर जब मैंने पूछा, तब वह मुझे इमिग्रेशन डेस्क पर ले गया और कहा कि अरुणाचल, वैध पासपोर्ट नहीं। इस पर जब महिला ने पूछा कि आखिर उसका भारतीय पासपोर्ट वैध क्यों नहीं है? इस पर उस अधिकारी ने कहा कि अरुणाचल चीन का हिस्सा है।

इसके बाद प्रेमा ने याद किया कि बीते साल भी जब शंघाई ट्रांजिट किया था, तब ऐसा कुछ नहीं हुआ था। महिला का यह भी कहना है कि कई अन्य इमिग्रेशन अधिकारियों और चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस स्टाफ ने उसका मजाक उड़ाया। इतना ही नहीं इन लोगों ने चीनी पासपोर्ट के लिए अप्लाई करने की सलाह दे डाली।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद वह एक ब्रिटिश दोस्त के सहारे किसी तरह शंघाई के भारतीय कांसुलेट पहुंची। इसके बाद वहां भारतीय अधिकारियों ने महिला की मदद की। अब प्रेमा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य अधिकारियों को चिट्ठी लिखी है। महिला ने भारतीय सरकार से अनुरोध किया है कि वह इस मामले को बीजिंग में अधिकारियों के सामने उठाए।

कर्नाटक कांग्रेस में दबाव की राजनीति या कुछ और करने दिल्ली पहुंचे शिवकुमार समर्थक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में सत्ता परिवर्तन के लिए दबाव की राजनीति जारी है। इसके चलते उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थक विधायक दिल्ली पहुंच रहे हैं। दो समूह पहले ही दिल्ली में डेरा डाले हुए थे, वहीं अब तीसरा समूह, जिसमें लगभग 6 से 8 विधायक शामिल बताए जा रहे हैं, भी राजधानी पहुंच गए हैं। सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार गुट के विधायक चाहते हैं कि कांग्रेस हाईकमान नेतृत्व, सत्ता संतुलन और संगठन से जुड़े मामलों पर स्पष्ट रुख दिखाए। पिछले एक हफ्ते में यह तीसरी बार है जब शिवकुमार समर्थक विधायक दिल्ली पहुंचे हैं। लगातार यात्राओं ने बेंगलुरु से दिल्ली तक राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है।

बेंगलुरु में हैं खड़गे

शिवकुमार समर्थक विधायक भले ही दिल्ली में मुलाकात का समय मांगते हुए डटे हैं, लेकिन इस समय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे खुद बेंगलुरु में हैं। सूत्र बताते हैं कि खड़गे की दिल्ली वापसी फिलहाल टल दी गई है और वे लगातार राज्य के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि पार्टी केंद्रीय नेतृत्व किसी जल्दबाजी में कोई फैसला लेने के पक्ष में नहीं है। बेंगलुरु में नेताओं की लगातार बैठकें और दिल्ली में विधायकों की लामबंदी-दोनों घटनाक्रमों को कर्नाटक कांग्रेस में बढ़ते असंतोष से जोड़ा जा रहा है। हाल ही में हुई डिनर मीटिंग में भी कई नेताओं ने नेतृत्व से कहा था कि वे मौजूदा स्थिति पर स्पष्ट निर्णय दें, जिससे संगठन में बन रही असमंजस की स्थिति खत्म हो सके। हालांकि पूरे घटनाक्रम पर वरिष्ठ नेता खुलकर टिप्पणी करने से बच रहे हैं।

अयोध्या राम मंदिर ध्वजारोहण पर शंकराचार्य ने उठाए सवाल; कहा- पूरा कार्यक्रम ही शास्त्र के विपरीत

वाराणसी (एजेंसी)। अयोध्या में कल 25 नवंबर को एक भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित कई लोग शिरकत करेंगे। यह भव्य आयोजन ट्रस्ट बड़े ही विशाल रूप में कर रहा है, जिसे लेकर तैयारियां और अनुष्ठान जारी है। वहीं, ध्वजारोहण को लेकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में कहीं ध्वजारोहण जैसी चीज मंदिरों के लिए है ही नहीं। ध्वज बदलने की परंपरा है। यहां सिर्फ और सिर्फ सब मनमाने तरीके से किया जा रहा है। शास्त्रों का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 25 तारीख को ध्वजारोहण का कार्यक्रम हो रहा है। मेरे हिसाब से शास्त्र में ऐसा उल्लेख कहीं नहीं है कि मंदिर पर ध्वजारोहण किया जाए। ध्वजारोहण का कार्यक्रम धार्मिक रूप से कहीं नहीं होता है। मैंने कहीं पढ़ा भी नहीं है। ध्वज बदला जाता है, एक बार जब ध्वज स्थापित होता है। शिखर की प्रतिष्ठा होती है उसके बाद वहां तो शिखर की प्रतिष्ठा हुई ही नहीं। कहा भी न ही कहा जा रहा है कि शिखर की प्रतिष्ठा होगी। मैं जहां भी देख रहा हूं वह यही कह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि चंपत राय भी ध्वजारोहण की बात कह रहे हैं। धीरे-धीरे ध्वज ऊपर जाएगा। ध्वजारोहण शब्द शास्त्र में कहीं है ही नहीं, आरोहण का क्या मतलब हुआ, धीरे-धीरे राष्ट्रध्वज ऊपर जाता है, ऐसे कहीं ध्वज मंदिर के ऊपर चढ़ने की परंपरा है ही नहीं। उन्होंने कहा किसी मंदिर में ध्वजारोहण होता ही नहीं है। भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर में प्रतिदिन ध्वज बदला जाता है। एक व्यक्ति ध्वज लेकर ऊपर जाता है और उसे बदलता है उसका आरोहण नहीं होता है। द्वारिका जी में एक दिन में तीन से

चार ध्वज बदला जाता है। वहां भी ध्वजारोहण नहीं होता है। ध्वज का बदला जाना तब होगा, जब पहले वहां ध्वज और शिखर की प्रतिष्ठा हो। ऐसी कोई बात कही नहीं जा रही की शिखर की प्रतिष्ठा हो शास्त्र के अनुसार या उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम में हमारे भाग लेने का कोई तात्पर्य ही नहीं है। अयोध्या के ट्रस्ट का मन कुछ भी शास्त्र अनुसार करने का नहीं दिखाई पड़ रहा है। उनका कहना है कि इस पूरे आयोजन में शंकराचार्य को बुलाया ही नहीं गया है। मैंने तो शास्त्रों में ऐसा उल्लेख पढ़ा ही नहीं है, जो वहां होने जा रहा है। वहां पर सब कुछ मनमाना किया जा रहा है।

आतंकवाद समर्थकों व युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने वालों पर हो सख्त कार्रवाई

जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने सुरक्षा समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

जबलपुर (एजेंसी)।

जम्मू (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को आतंकवाद के समर्थकों और युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सिन्हा ने आतंकवादियों के खिलाफ खुफिया अभियानों को तेज करने के लिए कहा। साथ ही आतंकी संगठनों की ओर से कट्टरपंथ और वित्तपोषण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिजिटल मंचों की निगरानी के लिए ठोस प्रयास करने को भी कहा।

एलजी सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर पुलिस को आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करने में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के विश्लेषण, नार्को-आतंकवाद संबंधों, आतंकी समर्थकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई के साथ आतंकवाद का मुकाबला करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ कतई सहन नहीं करने की नीति पर जोर देते हुए कहा कि हमारे समन्वित प्रयास यह तय करेंगे कि जम्मू-कश्मीर से आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र पूरी तरह से खत्म हो।

सिन्हा ने अधिकारियों को उभरती सुरक्षा चुनौतियों के प्रति सतर्क और चौकस रहने के निर्देश दिए। सूत्रों के मुताबिक सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा करने के साथ-साथ, सर्दियों की तैयारियों, खासकर अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के हालात का भी जायजा लिया। उन्हें जम्मू-कश्मीर में टेरर इकोसिस्टम को खत्म करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में भी जानकारी दी।

बंगाल की खाड़ी की तरफ बढ़ रहा सेन्यार तूफान, मचा सकता है तबाही

-आईएमडी ने किया अलर्ट, ओडिशा के तटीय इलाकों में हो सकती है बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। समुद्र में बन रहा तूफान भारत में लोगों की धड़कनें बढ़ा रहा है। आशंका है कि इस दौरान 100 किमी की तूफानी हवाएं भारी तबाही मचा सकती हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बन रहा कम दबाव का क्षेत्र मजबूत हो रहा है और अगले 48 घंटों में यह एक चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका जताई जा रही है। आईएमडी ने इसे लेकर अलर्ट जारी कर कहा कि यह सिस्टम 26 नवंबर के आसपास 'चक्रवात सेन्यार' का रूप ले सकता है। इसके असर से ओडिशा के तटीय इलाकों में 25 से 27 नवंबर के बीच बारिश हो सकती है।

आईएमडी के मुताबिक फिलहाल यह सिस्टम मलक्का जलडमरूमध्य और दक्षिण अंडमान सागर के पास सक्रिय है और धीरे-धीरे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ रहा है। यह सिस्टम अभी मुख्य भूमि से करीब 1,000 किलोमीटर दूर है, इसलिए इसके सटीक रूट और असर के बारे में साफ जानकारी आज शाम तक मिल सकेगी। आईएमडी से संकेत मिल रहे हैं कि यह सिस्टम 24 नवंबर तक डिप्रेशन और 26-27 नवंबर तक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। 27 नवंबर के आसपास बंगाल की खाड़ी में हवा की रफ्तार 100 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। इससे समुद्र बहुत उग्र होने और दक्षिण ओडिशा के तटीय जिलों में भारी बारिश की आशंका है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओडिशा के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा है कि राज्य सरकार अलर्ट है और संभावित चक्रवात से निपटने के लिए तैयारियां कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि सरकारी मशीनरी पूरी तरह तैयार है, चाहे सिस्टम आगे और ज्यादा ताकतवर ही क्यों न हो जाए। यह सिस्टम सबसे पहले अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर प्रभाव डालेगा। इसकी वजह से 26 नवंबर तक द्वीपों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। निकोबार क्षेत्र में 24 और 25 नवंबर को बारिश चरम पर रहने का अनुमान है। हवा की रफ्तार 35-45 किमी प्रति घंटा से शुरू होकर 55 किमी प्रति घंटा तक जा सकती है। 25 नवंबर को गति बढ़कर 65 किमी प्रति घंटा होने की आशंका है।

इस तूफान के रूट को लेकर अभी अनिश्चितता बनी हुई है। मौसम वैज्ञानिक आकलन लगा रहे हैं कि 26 नवंबर के बाद यह तूफान तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ेगा या उत्तर की ओर मुड़कर ओडिशा-बांग्लादेश की दिशा लेगा। फिलहाल लोगों को नियमित मौसम अपडेट पर नजर रखने की सलाह दी गई है। आईएमडी ने मछुआरों को 25 नवंबर तक अंडमान सागर और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में समुद्र में न जाने की सलाह दी है। यह चेतावनी 28 नवंबर तक जारी रहेगी। समुद्री इलाकों और निचले तटीय क्षेत्रों में स्थानीय प्रशासन निगरानी बढ़ा चुका है।

तूफान का नाम 'सेन्यार' क्यों?

इस तूफान का नाम 'सेन्यार' नाम रखा है जिसका अर्थ है 'शेर'। यह नाम संयुक्त अरब अमीरात ने सुझाया था और यह विश्व मौसम संगठन और संयुक्त राष्ट्र के चक्रवात नामकरण पैनल की स्वीकृत सूची का हिस्सा है। उत्तर हिंद महासागर में बनने वाले अगले तूफान के लिए इसी नाम का क्रम था। बंगाल की खाड़ी का सिस्टम जैसे-जैसे ताकत पकड़ रहा है, पूर्वी तट के सभी राज्यों को अलर्ट पर रखा गया है।